



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

437  
15

सं० 40] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 4, 1975 (आश्विन 12, 1897)  
No. 40] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 4, 1975 (ASVINA 12, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 सितम्बर 1975

सं० ए० 32013/1/75-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री बी०एन० एड्डी ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/75-प्रशासन-I दिनांक 23 जुलाई, 1975 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 14 अगस्त, 1975 के अपराह्न से अवर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री बी०एन० एड्डी ने 14 अगस्त, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार पुनः संभाल लिया।

सं० पी०/1755-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद पर अपने कार्यकाल समाप्त होने पर पंजाब सिविल सेवा के अधिकारी श्री एस० के० खोसला की सेवाएं 23 अगस्त, 1975 के अपराह्न से पंजाब सरकार को पुनः सौंपी जाती हैं।

प्र० ना० मुखर्जी,  
अवर सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

#### मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 8 सितम्बर 1975

सं० ए० 19036/13/75-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद् द्वारा, मध्य प्रदेश पुलिस से प्रतिनियुक्त अधिकारी श्री सी० के० तिवारी को दिनांक 26 अगस्त, 1975 के पूर्वार्द्ध में अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में अस्थायी रूप से पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

#### सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान (परीक्षा स्कंध)

नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1975

#### शुद्धि-पत्र

सं० 13/5/75-प्रबंध—एन संस्थान की वित्ति सं० 13/3/75-प्रबंध, दिनांक 31 मई, 1975, का आंशिक संशोधन करते हुए यह सामान्य जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि

श्रेणी-III आशुलिपिक परीक्षा, 1975 दिनांक 31 मई, 1975 की विज्ञप्ति के पैराग्राफ 1 में उल्लिखित केन्द्रों के अतिरिक्त, **दार्जिलिंग, रायपुर, रांची और उदयपुर** में भी ली जाएगी। इन चार केन्द्रों पर यह परीक्षा दिनांक 12 फरवरी, 1976 को होगी। अन्य सभी केन्द्रों (दिनांक 31 मई, 1975 की विज्ञप्ति में उल्लिखित) पर यह परीक्षा दिनांक 27 दिसम्बर, 1975 को ही होगी, जैसा कि पहले अधिसूचित किया जा चुका है।

2. दिनांक 12 फरवरी, 1976 को **दार्जिलिंग, रायपुर, रांची और उदयपुर** में होने वाली परीक्षा में बैठने के लिए केवल अनुसूचित आदिम जाति के व्यक्ति ही पात्र होंगे। परन्तु जो आदिम जाति के उम्मीदवार दिनांक 31 मई, 1975 की विज्ञप्ति के उत्तर में इस संस्थान में पहले ही अपने आवेदन-पत्र भेज चुके हैं वे इन चार अतिरिक्त केन्द्रों पर होने वाली परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे।

3. दिनांक 12 फरवरी, 1976 को चार अतिरिक्त केन्द्रों पर होने वाली परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्रों की प्राप्ति/विश्री की अन्तिम तारीख 24 नवम्बर, 1975 होगी।

मदन लाल,  
निदेशक (परीक्षा)  
सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान

2. डाक्टर सी० आर० कृष्णा मूर्ति को सैकंड नेस हास्पिटल केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 8 सितम्बर 1975

सं० एफ-8/17/75-स्थापना (के० रि० पु० दल) —राष्ट्रपति ने श्री अनिल कुमार, उप पुलिस अधिक्षक, 14वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल का त्याग पत्र 19 जुलाई, 1975 के अपराह्न स्वीकार किया।

दिनांक 10 सितम्बर 1975

सं० ओ० II-850/72-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के० श्रीनिवासा राव ग्रुप सेंटर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल पूना का त्याग पत्र दिनांक 9 मई 1975 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

सं० ओ०-II 894/73-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी श्रीमती बी० सत्यावेनी ग्रुप सेंटर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल पूना का त्यागपत्र दिनांक 1 मई 1975 पूर्वाह्न से स्वीकृत कर लिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय,  
सहायक निदेशक,  
(प्रशासन)

### (गृह मंत्रालय)

#### महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 6 सितम्बर 1975

सं० ओ०-II-1029/75-स्थापना के० रि० पु० दल—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर सी० आर० कृष्णा मूर्ति को तदर्थ रूप में पहले एक वर्ष के लिये केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनको 4 जून, 1975 पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

### भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-11, दिनांक 8 सितम्बर 1975

सं० 8/10/75 आर० जी० (ए० डी०-I)—इस कार्यालय के अधिसूचना सं० 8/10/75 आर० जी० (ए० डी०-I) दिनांक 28 जुलाई 1975 जो विभिन्न अधिकारियों द्वारा जनगणना निदेशक के कार्यालयों में कार्यभार छोड़ने के संबंध में थी, उसमें क्रमांक नम्बर 8 के वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि की जाती है:—

क्रम सं०	नाम तथा पद	कार्यालय का नाम	कार्यभार सौंपने की तिथि	सेवा में, जिसके सुपुर्द की गई
8	श्री बी० बी० पान्डे उप-जनगणना निदेशक	जनगणना निदेशक उत्तर प्रदेश	19-7-1975 (अपराह्न)	उत्तर प्रदेश सरकार

सं० 11/7/75-आर० जी० (ए० डी०-I)—राष्ट्रपति श्री आर० ई० चौधरी, अन्वेषक को जनगणना कार्य निदेशक, महाराष्ट्र के कार्यालय में दिनांक 18 अगस्त, 1975 से छः महीने की अवधि के लिए, या जब तक यह पद नियमित रूप से भरा जाता है, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर जनगणना कार्य महानिदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री आर० ई० चौधरी का मुख्य कार्यालय बम्बई में होगा।

सं० 11/7/75-आर० जी० (ए० डी०-I)—राष्ट्रपति, श्री डी०पी० चटर्जी, अन्वेषक को जनगणना कार्य निदेशक, पश्चिम

बंगाल के कार्यालय में दिनांक 19 अगस्त, 1975 से छः महीने की अवधि के लिए, या जब तक यह पद नियमित रूप से भरा जाता है, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर जनगणना कार्य सह-निदेशक (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री चटर्जी का मुख्य कार्यालय कलकत्ता में होगा।

दिनांक 10 सितम्बर 1975

सं० 10/8/75 आर० जी० (ए० डी०-I)—निर्वातन के फलस्वरूप श्री आर० सी० निगम ने भारत के महापंजीकार के कार्यालय (भाषा विभाग) कलकत्ता में दिनांक 31 अगस्त

1975, से सहायक महापंजीकार (भाषा) का पद भार सौंप दिया है।

2. राष्ट्रपति, श्री आर० सी० निगम को भारत के महापंजीकार (भाषा-विभाग), कलकत्ता के कार्यालय में दिनांक 1 सितम्बर 1975 से सहायक महापंजीकार (भाषा) के पद पर चार माह के लिए सहर्ष पुनः नियुक्त करते हैं।

3. श्री आर० सी० निगम का मुख्य कार्यालय कलकत्ता में होगा।

बद्री नाथ,  
भारत के उप-महापंजीकार  
और पदेन उप-तत्त्व।

**वित्त मंत्रालय**  
(आर्थिक कार्य विभाग)  
बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 24 अगस्त 1975

फा० सं० बी० एन० पी०/ई०/स्पे०/34—अतीत नियमों को अंतिम रूप दिया जाने पर प्राचार्य, क्षेत्रीय प्रशिक्षण विद्यालय, मध्य रेलवे, भुसावल के कार्यालय के बरिष्ठ अनुदेशक श्री सी० एन० लक्ष्मणराव की बैंक नोट मुद्रणालय में सहायक इंजीनियर (वातानुकूलन) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर की गई तदर्थ नियुक्ति तारीख 22 फरवरी 1975 से नियमित और तारीख 1 जुलाई 1975 से 15 जनवरी 1976 तक निरन्तर की जाती है।

डी० सी० मुखर्जी,  
महाप्रबन्धक

**भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग**  
कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेश-प्रथम

इलाहाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1975

सं० प्रशासन 1/11-144 (XI)/170—महालेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम), इलाहाबाद ने निम्नांकित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थापनापत्र लेखाधिकारी नियुक्त किया है :—

सर्वश्री

1. दिलावर सिंह—28 जुलाई 1975

2. वीरेन्द्र देव सक्सेना—18 अगस्त 1975।

(यू० रामचन्द्रराव)  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

**कार्यालय महालेखाकार, एक, मध्य प्रदेश-I**

ग्वालियर, दिनांक 28 जून 1975

क्र० प्रशासन एक/133—महालेखाकार, मध्यप्रदेश-एक, ग्वालियर, ने निम्नांकित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को, उनके नाम के सामने दर्शाए गए दिनांक से अन्य आदेश होने तक, लेखा अधिकारी, के पद पर नियुक्त किया है।

1. श्री आर० पी० मिश्रा, (02/0182)—28 मई

2. श्री एन० सी० अग्रवाल, (02/0183)—28 मई 1975 (पूर्वाह्न)।

दिनांक 22 अगस्त 1975

क्र० प्रशासन एक/157—श्री ओ० पी० बंसल, स्थायी अनुभाग अधिकारी, तथा स्थानापन्न लेखा अधिकारी, का भारत हेवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड में स्थायी विनियोजन होने से महालेखाकार, मध्य-प्रदेश, ग्वालियर, उनके द्वारा दिया गया त्याग पत्र, दिनांक 1 सितम्बर, 1974 पूर्वाह्न से स्वीकृत करते हैं।

क्र० प्रशासन एक/174—दिनांक 6 मार्च 1971 से स्थाई तौर पर संयुक्त सहायक निदेशक (लेखा अधिकारी) के पद पर महानिदेशालय सीमा सुरक्षा दल (गृह मंत्रालय) में नियुक्त होने के फलस्वरूप महालेखाकार, मध्यप्रदेश एक, ग्वालियर ने, श्री पी० जी० पंडित, स्थानापन्न लेखा अधिकारी, जिनका महालेखाकार मध्यप्रदेश, के कार्यालय में स्थायी अनुभाग अधिकारी के पद पर पुनर्ग्रहणाधिकार (लियन) है, वह दिनांक 6 मार्च 1971 से समाप्त किया है।

एस० एल० मल्होत्रा,  
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

**मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, पूर्वोत्तर सीमा रेसवे**

मालीगाँव, गुवाहाटी-11, दिनांक 16 अगस्त 1975

सं० ए० डी० एम० एन०/5-16/58/63/35-ए०—मुख्य लेखा परीक्षक, पू० सी० रेलवे, ने कृपापूर्वक श्री वी० एस० श्रीवास्तव को जो अधीनस्थ रेल लेखा परीक्षा सेवा के इस कार्यालय में स्थायी सदस्य हैं, दिनांक 1 अगस्त 1975 (पूर्वाह्न) से अगला आदेश दिए जाने तक 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में लेखा परीक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

ह० अपठनीय  
मुख्य लेखा परीक्षक

**रक्षा मंत्रालय**

महानिदेशालय, आर्डनेंस फैक्टरियां

भारतीय आर्डनेंस फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता-700016, दिनांक 29 अगस्त 1975

सं० 34/75/जी०—वार्धक्य निवृत्ति प्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री ए० एम० जैकब, स्थानापन्न अपर महानिदेशक, आर्डनेंस फैक्टरियां/क्षेत्रीय निदेशक, आर्डनेंस फैक्टरियां (केन्द्रीय क्षेत्र) स्थायी डी० डी० जी० ओ० एफ०/महाप्रबन्धक (सेलेक्शन ग्रेड), 31 मई, 1975 (अपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

आर० एम० मुजुमदार,  
महानिदेशक, आर्डनेंस फैक्टरियां

## अम मंत्रालय

## कार्यालय मुख्य अम-आयुक्त (केन्द्रीय)

नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1975

सं० प्रशा० 1/12(51)/74—मुख्य अम-आयुक्त (केन्द्रीय) द्वारा श्री हरीश चन्द्र मूलचन्दानी को इस संगठन में अस्थाई आधार पर अम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) के पद पर नियुक्त किए जाने पर, श्री मूलचन्दानी ने पहली अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से गिरिदीह में अम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 26 अगस्त 1975

सं० प्रशा० 1/12(52)/74—मुख्य अम आयुक्त (केन्द्रीय) ने श्री गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव को अस्थाई आधार पर इस संगठन में अम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) के पद पर नियुक्त किया है। तदनुसार श्री श्रीवास्तव ने पहली अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से नागपुर में अम प्रवर्तन अधिकारी (केन्द्रीय) के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

टी० के० रामचन्द्रन,  
प्रशासन अधिकारी

## वाणिज्य मंत्रालय

## मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण  
स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1975

सं० 6/1075/75-प्रशासन (जी०)—9969—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी वर्ग-1 में स्थायी सर्वश्री के० आर० श्रीनिवासन और एम० बी० तबाडे जो वाणिज्य मंत्रालय में काम कर रहे थे को क्रमशः 17 जून 1975 से 31 अगस्त 1975 तक और 13 जून 1975 से 31 अगस्त 1975 तक उसी सेवा के वर्ग-1 में स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

राष्ट्रपति, सर्वश्री के० आर० श्रीनिवासन और एम० बी० तबाडे को मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के पद पर भी पूर्वोक्त अवधि के लिए नियुक्त करते हैं।

यह अधिसूचना इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 6/1076/75-राजपत्रित प्रशासन दिनांक 7 जुलाई 1975 और सं० 6/1075/75-प्रशा० (राज०) दिनांक 10 जुलाई 1975 का अधिक्रमण करती है।

सं० 6/481/57-प्रशा० (जी०)/9985—राष्ट्रपति, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय (केन्द्रीय लाइसेंस क्षेत्र), नई दिल्ली में श्री एच० एल० बहल, नियंत्रक को उपर्युक्त कार्यालय में 23 मई 1975 से 1 सितम्बर 1975 तक की अवधि के लिए उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

बलदेव कुमार,  
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

मद्रास-1, दिनांक

मार्च, 1975

## आदेश

विषय—लाइसेंस सं० पी०/एस/1784835/सी/एक्स एक्स/53/एम-37-38 दिनांक 27-11-1974 मूल्य 5000 रुपये एवं सं० पी/एस/1784836/आर/एम०एल०/53/एम/37-38 दिनांक 27-11-1974 मूल्य 5000 रुपये प्रत्येक की सीमाशुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियों को रद्द करना।

सर्वश्री लक्की स्क्रीन आर्ट्स, 69-ए एस एस कोयल स्ट्रीट, पोलाची को अप्रैल/मार्च 1974 अवधि के लिए अप्रैल/मार्च 1975 की नीति के अनुसार सामान्य मुद्रा क्षेत्र एवं यू० के० से (क) एक्सरे फिल्म एवं (ख) फोटोग्राफिक प्रिन्टिंग कागज/ब्लैक एंड वाइट को छोड़ कर फोटोग्राफिक नेगेटिव के आयात के लिए क्रमशः लाइसेंस सं० पी०/एस/1784835/सी/एक्स एक्स/53/एम/37-38 दिनांक 27-11-74 मूल्य 5000 रुपये एवं सं० पी/एस/1784836/आर/एम एल/53/एम०/37-38 दिनांक 27-11-74 मूल्य 5000 रुपए स्वीकृत किए गए थे।

फर्म ने दोनों लाइसेंसों की दोनों सीमाशुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियों के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल लाइसेंसों की दोनों सीमाशुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियाँ उपयोग किए बिना ही खो गई हैं/अस्थानस्थ हो गई हैं। अपने तर्कों के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

मैं संतुष्ट हूँ कि दोनों लाइसेंसों की सीमाशुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियाँ खो गई/अस्थानस्थ हो गई हैं और फर्म को लाइसेंसों के पूरे उपर्युक्त मूल्य के लिए अनुलिपि प्रतियाँ जारी की जानी चाहिए।

दोनों लाइसेंसों की मूल सीमाशुल्क एवं मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रतियाँ एतद्वारा रद्द की जाती हैं।

(मि० सं० पी-टी-जी/1257/ए एम-74/एस एस आई-2 से जारी)

एम० एफ० आर० बिजली,  
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात  
कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

## उद्योग व नागरिक पूर्ति मंत्रालय

## (औद्योगिक विकास विभाग)

## कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 26 अगस्त 1975

सं० 19018/4/73-प्रशा० (राज०)—दादर व नागर हवेली प्रशासन, सिलवासा में परियोजना अधिकारी तथा सहायक निदेशक (उद्योग) प्रतिनियुक्त किये जाने पर श्री जी० पी० माथुर ने विस्तार केन्द्र अलीगढ़ (लघु उद्योग सेवासंस्थान, कानपुर के अन्तर्गत) में सहायक निदेशक (वर्ग-2) के पद का कार्यभार दिनांक



2 मई, 1975 के अपराह्न में छोड़ा। श्री जी० पी० माथुर ने दादर नागर हवेली प्रशासन, सिलवासा में परियोजना अधिकारी तथा सहायक निदेशक (उद्योग) के पद का कार्यभार दिनांक 12 मई, 1975 के पूर्वाह्न में संभाला।

कै० बी० नारायणन  
निदेशक (प्रशासन)

### विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 6 सितम्बर 1975

सं० ई-II(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई-II (7) तारीख 11 जुलाई, 1969 में "श्रेणी 2—नायट्रेट मिक्सचर" वाले द्वितीय पैरा के पश्चात् की प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :

"अल्फाडाईन को परीक्षा हेतु निर्धारित क्षेत्र पर अनंतिम 31 अगस्त, 1976 तक/अम्मोनियम नायट्रेट/पयूयल आक्सिल मिक्सचर (ए० एन० एफ० ओ०) जो कि इतना सवेतन न हो जिसे नंबर 6 डिटोनेटर द्वारा विस्फोट किया जा सके।

अक्वाडाईन

अक्वाडाईन-II को निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1976 तक।

एक्वानल

एक्वाराम

ईनारजील

जी एन-I

गोडाईन

मेरीनेक्स जी-1

मेरीनेक्स जी-2

मेरीनेक्स जी-3

मोनोडाईन

मोवैलाईट

पर्माडाईन

परमाफलो-1 को निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1976 तक।

परमाफलो-3 को निर्धारित क्षेत्र पर परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1976 तक।

पावरएक्स

पावरफलो-1

पावरफलो-2

पावरफलो-3

पावराईट

पावरफलास्ट

पी आर एम-101, पी आर एम-102 और पी आर एम-103 को उत्पादन और परीक्षा हेतु 31 मार्च, 1976 तक।

सुपरडाईन

सुपरफलो

सुपरजील

टोबलाष्ट"

इंगुव नरसिंह मुत्ति,  
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

### पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1975

सं० प्र-1/1(10) में निर्धारित क्षेत्र पर पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान हेतु निर्धारित क्षेत्र में अग्रणी अधिकारी श्री दीप चन्द को दिनांक 18 अगस्त 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री दीप चन्द की सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में नियुक्ति पूर्णतः, अस्थाई तथा श्री एम० कुपुस्वामी द्वारा उच्च न्यायालय, दिल्ली में दायर दीवानी याचिका सं० 739/71 के निर्णय के अधीन होगी।

कै० एल० कोहली,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

### इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग)

#### भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 2 सितम्बर 1975

सं० 5828/बी/2181(टी जे पी आर)/19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री टी० जे० पी० राव को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतननियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगे आदेश होने तक 20 जून 1975 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 5839/बी०/22/66/ए० 19—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भण्डार अधिकारी श्री बी० कै० मुखर्जी को उसी विभाग में वेतन नियमानुसार रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1,000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश आने तक 1 मई 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 5841/बी०/2222(आर० एस० एन०)/19ए०—खनिज समन्वेषण निगम लि० (मिनरल एक्सप्लोरेशन कॉर्पोरेशन लि०) से परावर्तन पर श्री आर० एस० नेगी ने सहायक भू-वैज्ञानिक के पद का कार्य-भार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 31 दिसम्बर 1974 के अपराह्न से ग्रहण किया है।

सं० 5847/बी०/472/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भण्डार अधीक्षक (तकनीकी) श्री टी० एस० सुश्रमनियन को उसी विभाग में सहायक भण्डार अधिकारी के रूप में वेतन नियमानुसार रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, आगामी आदेश होने तक, 18 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 5856/बी०/2251 (एस० एस० डी०)/19-बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के ड्रिलर श्री एस० एस० दिल्लन सरकारी सेवा से वापस निवर्तन पर 30 जून 1975 (अपराह्न) से निवृत्त हो गए।

दिनांक 3 सितम्बर 1975

सं० 5862/बी०/40/59 (सी० आर०)/19-ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भण्डार अधिकारी श्री सी० राड्रिज को उसी विभाग में वेतन नियमानुसार रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश आने तक 5 मई 1975 के अपराह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 5873/बी०/2181 (बी० के० के०)/19-बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) श्री डी० के० कश्यप को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतननियमानुसार रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में, आगे आदेश होने तक 9 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 4 सितम्बर 1975

सं० 5886/बी०/2222(बी० जेड०)/19ए०—श्री वाकिर जहीर को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक के भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० माहवार के आरम्भिक वेतन पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक 30 जून 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

सं० 5892/बी०/2222(एस० के० बी०)/19ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री एस० के० भाटिया को उसी विभाग में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में वेतन नियमानुसार रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश

होने तक, 16 मई 1975 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 5898 बी 2222 (के० बी० आर०) 19 ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री के० बी० रवीन्द्रन को उसी विभाग में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में वेतन नियमानुसार रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200-रु० के वेतनमान में अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक 22 मई 1975 से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 5 सितम्बर 1975

सं० 5917/बी०/2222(डी० आर०)/19ए०—श्री वेस राज को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में रु० 650 माहवार के आरम्भिक वेतन पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में आगामी आदेश होने तक 9 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है।

बी० के० एस० वरदन,  
महानिदेशक

#### आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1975

सं० 2/12/75एस० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी निम्नलिखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों को उनके नामों के आगे लिखी तारीखों से अग्रतर आदेशों तक उनमें से प्रत्येक के नाम के आगे उल्लिखित आकाशवाणी के केन्द्रों/कार्यालयों पर तदर्थ आधार पर सहायक इंजीनियर के संवर्ग में नियुक्त करते हैं। उनकी यह नियुक्ति स्थानापन्न रूप में की जाती है।

क्रम सं०	नाम	तैनाती का स्थान	नियुक्ति की तारीख
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	श्री एन० बी० शुभ राव	उच्च शक्ति प्रेषित आकाशवाणी, चिनसुरा।	26-6-75 (बेस प्रोडक्शन यूनिट हैदराबाद में)।
2.	जी० माधवन नायर	उच्च शक्ति प्रेषित आकाशवाणी, आयडी, मद्रास।	28-7-75
3.	वनारसी लाल	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, धीनगर।	21-7-75

1	2	3	4
4.	वीरेन्द्रस्वरूप देशोत्थान	उच्च शक्ति प्रेषित आकाशवाणी, जोधपुर।	5-7-75 (अपराह्न)
5.	वी० एन० चन्द्रशेखरन् पिल्लै	आकाशवाणी, पोर्ट ब्लेयर।	21-8-75
6.	स्वर्णजीत सिंह	दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, श्रीनगर	28-6-75
7.	नटेशन रामचन्द्रन	उच्च शक्ति प्रेषित आकाशवाणी, मलाद वम्बई।	10-7-75
8.	एस० दत्त गुप्त	कार्यालय, क्षेत्रीय इंजीनियर (पूर्व), आकाशवाणी, कलकता।	10-7-75 (वेस प्रोडक्- शन यूनिट कटक में)
9.	एन० बी० मेनन	आकाशवाणी, डिब्रूगढ़।	12-8-75

प्रेम कुमार सिन्हा,  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1975

सं० 5 (132)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री जी० सी० शुक्लवैद्य, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, अमरतला को 18 जुलाई 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, सिल्वर में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. इस महानिदेशालय की अधिसूचना सं० 5 (132)/7-एस०-एक दिनांक 16 अगस्त 1975 को एतद्वारा रद्द किया जाता है।

सं० 5 (153)/67-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एच० के० मुन्शी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, लेह को 8 अगस्त 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आपन प्रसारण सेवा, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (99)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री के० के० शुक्ल को 12 अगस्त 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी के भोपाल केन्द्र पर अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 सितम्बर 1975

सं० 6 (116)/63-एस०-एक— श्री पी० के० भट्टाचार्य, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, गौहाटी, जिन्होंने 12

मई में 11 जुलाई 1975 तक अर्जिन छुट्टी पर जाते समय उस पद का कार्यभार त्याग दिया था, उसी केन्द्र पर पहली जुलाई 1975 से प्रसारण निष्पादक अग्रजपवित्र पद पर परावर्तित किए गए।

दिनांक 6 सितम्बर 1975

सं० 4 (37)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री कबीर अहमद, स्थायी प्रसारण निष्पादक (जो दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, श्रीनगर में प्रस्तुतकर्ता ग्रेड-दो के रूप में स्थानापन्न पदक्षमता में कार्य कर रहे हैं) को 14 अगस्त 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, हैदराबाद में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (57)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री पी० के० सिन्हा को 7 अगस्त 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, जबलपुर में अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (59)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती रोज़लीना लाकरा को 2 अगस्त 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, रांची में अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4 (86)/75-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री मोहम्मद जेरे को 6 अगस्त 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, रांची में, अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शांति लाल,  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली-110001, दिनांक 4 सितम्बर 1975

सं० 3/48/61-एम-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एम० ए० टोपीवाला, लेखापाल, आकाशवाणी अहमदाबाद को दिनांक 29 अगस्त 1975 (अपराह्न) से आकाशवाणी अहमदाबाद में पूर्णतः तदर्थ आधार पर प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

इन्द्र सन पांथी,  
अनुभाग अधिकारी  
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

बम्बई-400026, दिनांक 4 सितम्बर 1975

सं० 17/12/49-सिखन्दी-I—श्री पी० व्ही० राव, स्थानापन्न शाखा प्रबन्धक नागपुर के पद पर नियुक्त हुए थे,

दिनांक 16 अगस्त 1975 से फिल्म प्रभाग नागपुर में ही विज्ञेता के पद पर प्रत्यावर्तित माने जाएंगे।

एम० के० जैन,  
सहायक प्रशासकीय अधिकारी  
कृते प्रमुख निर्माता

### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1975

सं० 16-2-75-एम०-1—सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर श्री साधु राम शर्मा ने 31 मार्च 1975 के अपराह्न को चिकित्सा भण्डार संगठन से डिपो प्रबन्धक के अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

संगत सिंह,  
उपनिदेशक प्रशासन  
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 24 जुलाई 1975

सं० 16/18/75-स्टोर-1—सरकारी सेवा से अवकाश ग्रहण कर लेने पर मैडिकल स्टोर डिपो, हैदराबाद में सहायक डिपो प्रबन्धक श्री बी० एस० मित्रा ने 30 जून 1975 के अपराह्न को अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

संगत सिंह,  
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 2 सितम्बर 1975

सं० 20/6(2)/75-सी० जी० एच० एस०-I—अपना त्यागपत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप डा० प्रकाश जोशी कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) डा० कमल प्रकाश कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी ने 18 जुलाई 1975 (अपराह्न) 19 जुलाई 1975 (अपराह्न) को कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 20/6(1)/75-सी० जी० एच० एस०-I—केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली के अधीन जी० डी० ओ० ग्रेड-2 (तदर्थ) डा० (श्रीमती) कमलजीत कौर की तदर्थ नियुक्ति की अवधि 31 दिसम्बर 1974 को समाप्त हो जाने के फलस्वरूप उनकी तदर्थ नियुक्ति की शर्तों के अनुसार उपर्युक्त तारीख से उनकी सेवाएं समाप्त की जाती हैं।

जी० पंचपकेशन,  
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1975

### शुद्धि-पत्र

सं० 28-8/74-एडमिन-1—इस निदेशालय के दिनांक 19 अगस्त 1975 की अधिसूचना सं० 28-8/74-एडमिन०-1 के पैरा 2 में 16 जुलाई 1975 अपराह्न के स्थान पर 15 जुलाई 1975 अपराह्न पढ़ें।

दिनांक 6 सितम्बर 1975

सं० 1-34-68-एडमिन०-1 (खण्ड 2)—राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रशासन एवं शिक्षा संस्थान, दिल्ली, से प्रतिनियुक्ति पर वापस आने पर श्री बलदेव राज ने 11 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न को अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 10 सितम्बर 1975

सं० 19-9/75-एडमिन०-1—राष्ट्रपति ने डा० ए० श्रीनिवासन राव को जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में चिकित्सीय प्रोफेसर के स्थायी पद पर 18 अक्टूबर 1974 से स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,  
उपनिदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1975

सं० 40/49/74-डी०—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने एतद्वारा श्री श्रीचन्द्र गुप्ता को 1 अगस्त 1975 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों तक केन्द्रीय भारतीय भेषज प्रयोगशाला, गाजियाबाद, में कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (शोध विज्ञान) के पद पर अस्थाई रूप से नियुक्त किया है।

एस० एस० गोठोस्कर,  
शोध निदेशक (भारत)  
कृते स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक

### कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

#### (कृषि विभाग)

#### कृषि विमानन निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 जुलाई 1975

सं० 1-27/75-एडमिन०-I—अधोहस्ताक्षरकर्ता, कृषि विमानन निदेशालय, नई दिल्ली के अधीक्षक श्री कृष्ण लाल को दिनांक 1 अगस्त 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक उसी निदेशालय में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर अस्थाई रूप से श्री डी० आर० शर्मा, सहायक प्रशासन अधिकारी के स्थान पर जो कि छुट्टी पर गए हैं सहायक नियुक्त करते हैं।

सुरेन्द्र साहनी,  
निदेशक  
कृषि विमानन निदेशालय

## (ग्रामीण विकास विभाग)

## विपणन और निरीक्षण निदेशालय

## प्रधान शाखा कार्यालय

नागपुर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

सं० 3(13)57/74-डी० II—भारत के राजपत्र भाग III खण्ड 1 दिनांक 21-7-1973 (पृष्ठ 1842) में प्रकाशित अधिसूचना सं० फा० 3(13)57/72-वि० II दिनांक 4 जुलाई 1973 के आंशिक रूपान्तरण में श्री ए० के० गुहा, विपणन अधिकारी के उक्त अधिसूचना में आने वाले नाम को रद्द समझा जाए।

सं० 3(13)57/74-डी० II—श्री डी० ए० खान, सहायक विपणन अधिकारी को पशुसाधित अंतर्द्वियों के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करने वाली भारत के राजपत्र भाग III खण्ड 1 दिनांक 1 दिसम्बर 1973 (पृष्ठ 6325) में प्रकाशित अधिसूचना सं० फा० 3(13)57/73-वि० II दिनांक 3 नवम्बर 1973 को रद्द समझा जाए क्योंकि श्री डी० ए० खान ने निदेशालय को त्याग पत्र देकर छोड़ दिया है।

सं० फा० 3(13)57/74-वि० II—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 174 सी० यू० एस० दिनांक 26 दिसम्बर, 1964 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद्द्वारा श्रीमती रेणुका, सहायक विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से पशुसाधित अंतर्द्वियां (मसाने) के सम्बन्ध में, जिनका श्रेणीकरण समय-समय पर यथा संशोधित पशुसाधित अंतर्द्वियां श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1964 के अनुसार किया जा चुका है और जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचना के उपबन्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

एन० के० मुरालीधरा राव,  
कृषि विपणन सलाहकार

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1975

सं० ए० 32013/2/74-ई० ए०—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित विमान क्षेत्र अधिकारियों को उन के नामों के सामने दी गई तारीखों से, तथा अगले आदेश होने तक, रु० 1100-50-1600 के वेतनमान में स्थानापन्न रूप से वरिष्ठ विमान क्षेत्र अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है :—

क्र०	नाम	तिथि	स्टेशन
1.	श्री पी० सी० व्यास	2-8-75	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
2.	श्री जी० ई० सेमुअल	6-8-75	मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास
3.	श्री बी० जी० कर्नाड	2-8-75	बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई
			पूर्वाञ्चल

2. यह इस विभाग की दिनांक 18 अगस्त, 1975 की अधिसूचना सं० ए० 32013/2/74-ई० ए० का अधिक्रमण करता है।

महेन्द्र लाल हांडा,  
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1975

सं० ए० 32013/11/75 ई० सी०—इस विभाग की 21 जुलाई, 1975 की अधिसूचना सं० ए० 32013/11/75 ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी अधिकारियों की तदर्थ पदोन्नति की अवधि 31 दिसम्बर, 1975 तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ा दी है :—

1. श्री एस० रामचन्द्रन
2. श्री एस० के० चन्द्रा
3. श्री जी० बी० कोशी
4. श्री पी० आर० सूर्यनंदन
5. श्री एन० के० नानू
6. श्री ए० रामानाथन
7. श्री डी० सी० मेहता
8. श्री बी० के० बाबू

हरबंस लाल कोहली,  
उपनिदेशक प्रशासन  
कृते महानिदेशक प्रशासन नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 6 सितम्बर 1975

सं० ए० 32013/8/74-ई० एस०—राष्ट्रपति ने वरिष्ठ विमान निरीक्षक, श्री एस० एन० शर्मा को 7 अगस्त, 1975 (अपराह्न) से अगले आदेश तक, नियमित आधार पर नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

हरबंस लाल कोहली,  
उपनिदेशक प्रशासन

## वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 6 सितम्बर 1975

सं० 16/245/75-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून महाराष्ट्र वन विभाग के कर्मचारी और इस समय दिल्ली प्राणिकी उद्यान नई दिल्ली में प्राणि-वनराजिक श्री एस० एल० अरोड़ा को दिनांक 4 अगस्त 1975 के पूर्वाज्ञ से सहर्ष सहायक शिक्षक, पूर्वी वन राज महाविद्यालय, कुसियोंग पश्चिमी बंगाल नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 सितम्बर 1975

सं० 16/123/73-स्थापना-I—काष्ठ निष्कासन प्रशिक्षण केन्द्र परियोजना, देहरादून में यांत्रिक इन्जीनियर के पद पर नियुक्ति के परिणामस्वरूप, अध्यापक, वन अनुसंधान संस्थान, एवं महाविद्यालय, देहरादून श्री बी० के० बाघवा को दिनांक 30 जून 1975, के पूर्वाह्न से उनके सहायक इन्जीनियर (यांत्रिकी) पद के कर्तव्यों से सर्वर्ष मुक्त करते हैं।

प्रेम कपूर,  
कुल सचिव,  
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

### केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय

गुन्टूर-522004, दिनांक 22 अगस्त 1975

#### केन्द्रीय उत्पाद शुल्क विभाग

सं० 6—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग के वरीय पदक्रम निम्नलिखित स्थायी निरीक्षकों को, समाहर्ता कार्यालय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गुन्टूर में अगला आदेश होने तक, स्थानापन्न अधीक्षक, श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नियुक्त किया गया है। उन्होंने अपने-अपने नाम के सामने दी गई तिथि से, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, का कार्यभार सम्भाल लिया है :—

क्र० सं०	अधिकारी का नाम	स्टेशन	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-II, के कार्यभार सम्भालने की तिथि
1	2	3	4
1.	श्री आर० एम० वैकन्नाराव	अधीक्षक, आई० डी० ओ०-I, गुन्टूर।	4-7-75
2.	श्री बी० ए० सोमयाजुलू	अधीक्षक, आई० डी० ओ०, राजमुन्दी।	5-6-75
3.	श्री टी० वी० आर० एम० शर्मा	अधीक्षक, एम० ओ० आर० राजमुन्दी, आई० डी० ओ० का अमलापुरम।	11-6-75
4.	श्री एम० एन० राव	अधीक्षक, आई० डी० ओ० विजयवाडा।	5-6-75

1	2	3	4
5.	श्री एन० मल्लिखर्जना राव	अधीक्षक, आई० डी० ओ० विशाखापट्टनम (एम० आर०)	12-6-75
6.	श्री एस० रहमान शरीफ	अधीक्षक एल०आर० आई० डी० ओ०, राजमुन्दी।	24-6-75
7.	श्री एस० सी० नागेश्वर स्वामी	अधीक्षक, आई० डी० ओ०, विशाखापट्टनम।	30-6-75
8.	श्री एन० गोविन्द स्वामी	अधीक्षक, राजमुन्दी।	16-7-75

सं० 7—गुन्टूर स्थित मुख्यालय में तैनात केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक, श्री ए० पूर्णचन्द्र राव को, समाहर्ता कार्यालय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क गुन्टूर में, अगला आदेश होने तक, स्थानापन्न सहायक मुख्य लेखा अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्होंने मुख्यालय गुन्टूर में 15 जुलाई, 1975 से सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का कार्य भार सम्भाल लिया है।

सं० 8—आई० डी० ओ० विशाखापट्टनम में तैनात श्री एम० कार्नेलीयस, अधीक्षक, श्रेणी-II केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, वाधक्य के कारण दिनांक 30 जून 1975 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

सं० 9—गुन्टूर स्थित आई० डी० ओ०-1 की एम० ओ० आर०, पेडनडिपडु में तैनात श्री एल० भवानीराम, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-II, मूल नियमावली 56 जे० के उपबन्धों के अधीन 15 जुलाई, 1975, पूर्वाह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

आई० जे० राव,  
समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, गुन्टूर

इलाहाबाद, दिनांक 12 अगस्त 1975

सं० 90/1975—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय, मुख्यालय, इलाहाबाद में स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक के पद पर तैनात श्री हरेन्द्र कुमार घोष को इस कार्यालय के पृष्ठांकन पत्र संख्या दो (3) 30-स्था/75/27805, दिनांक 29 जुलाई 1975 के अधीन जारी किए गए स्थापना आदेश संख्या 208/1975, दिनांक 29 जुलाई 1975 के अनुसार आगामी आदेश होने तक के लिए, रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक मुख्य लेखा अधिकारी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है। उन्होंने केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्तालय मुख्यालय, इलाहाबाद में एक रिक्त स्थान पर दिनांक 30 जुलाई 1975 (दोपहर से पहले) को सहायक मुख्य लेखा अधिकारी के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

दिनांक 23 अगस्त 1975

सं० 92/75—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, रामपुर में तैनात श्री आर० डी० सिंह स्थानापन्न अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो ने श्री आर० एस० गुप्ता, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो को उनके अतिरिक्त कार्यभार मुक्त करते हुए, दिनांक 31-7-1975 (दोपहर से पहले) को अपने कार्य के साथ-साथ अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, अमरोहा कार्यालय का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण कर लिया।

सं० 93/75—इससे पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय रामपुर में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क चन्दौसी के रूप में तैनात श्री आर० एस० गुप्ता, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी दो ने दिनांक 31-7-75 को दोपहर के बाद श्री आर० डी० सिंह अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो को अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क चन्दौसी के कार्यालय का अतिरिक्त कार्यभार सौंप दिया और उक्त तिथि और समय से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एच० बी० दास,

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क इलाहाबाद

दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1975

स्थापना

सं० 119—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता कार्यालय, दिल्ली के एम० के० सर्वसेना, निरीक्षक (सेलेक्शन ग्रेड) ने, जिन्हें सं० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में अधीक्षक, श्रेणी II के पद पर स्थानापन्न रूप से काम करने के लिए नियुक्त किया गया है, दिनांक 13 अगस्त 1975 के पूर्वाह्न से (हवाई माल यूनिट की प्रशासकीय संख्या में) अधीक्षक, श्रेणी II, नई दिल्ली के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

एम० एस० मेहता,

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, दिल्ली

पटना, दिनांक 22 अगस्त 1975

नि०सं० II (7)/5-स्था०/75/8545—इस कार्यालय के स्थापना आदेश सं० 172/75 दिनांक 8 मई 1975 जो नि० सं० II (3) 13-स्था०/73/23362-81 दिनांक 8 मई 1975 द्वारा पृष्ठांकित किया गया तथा जिसके द्वारा चार निरीक्षक (ब० श्रे०), केन्द्रीय उत्पाद को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य श्रेणियों सहित के वेतनमान में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, द्वितीय श्रेणी के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था तथा नि० सं० II (3) 83-स्था०/74/31814-2 दिनांक 12 जून 75 के द्वारा पृष्ठांकित स्था० आदेश सं० 13/75 दिनांक 7 जून 75 के अनुसरण में निम्न व्यक्तियों ने

तद्वत् स्थानों में उनके नामों के समक्ष दिखाई गयी तिथियों और समय पर अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, द्वितीय श्रेणी के रूप में कार्यभार ग्रहण किया :—

क्र० सं०	नाम	पदस्थापना के स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री वृन्जनंदन प्रसाद	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, चक्रधर पुर रेंज	27-6-75
2.	श्री मु० नबीउल हसन	अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद, कल्याणपुर रेंज	17-7-75 (पूर्वाह्न)

एच० एन० साहु

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद, पटना

सीमा शुल्क/सिम्बंदी

मद्रास-600001, दिनांक 19 मार्च 1975

सं० 7/75—श्री एस० सी० रागवन, एक्साभिनर, जो इस कार्यक्रम के आदेश सं० 4/75 दिनांक 7 जनवरी 1975 से मूल्य निरूपक पदोन्नति किए गए वे 1 फरवरी 75 प्रातःकाल से विसाक-पट्टनम सीमा शुल्क में अधिकार प्राप्त कर लिए हैं।

सं० 8/75—श्री बी० अनंतकृष्णन, एक्साभिनर, जो इस कार्यालय के आदेश सं० 3/75 दिनांक 7 जनवरी 75 से मूल्य निरूपक पदोन्नति किए गए, वे 7 जनवरी 75 प्रातःकाल से मद्रास सीमा शुल्क में अधिकार प्राप्त कर लिए हैं।

सं० 9/75—श्री मिर जामिन अलि, एक्साभिनर, जो इस कार्यालय के आदेश सं० 1/75 दिनांक 2 जनवरी 75 से मूल्य निरूपक पदोन्नति किए गए, वे 2 जनवरी 75 प्रातःकाल से मद्रास सीमा शुल्क में अधिकार प्राप्त कर लिए हैं।

जी० संकरन

सीमा शुल्क समाहर्ता

निरीक्षण निदेशालय

सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली-1, दिनांक 4 सितम्बर 1975

11/75-फा० सं०

सं० 1041/32/75—श्री एम० एम० सिंह साहनी ने, जो कि पिछले दिनों केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा सीमा शुल्क बोर्ड नई दिल्ली में, वरिष्ठ विश्लेषक के पद पर नियुक्त थे, 29 अगस्त 75 के दोपहर पूर्व से निरीक्षण निदेशालय, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली में निरीक्षण अधिकारी, सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-1 का कार्यभार सम्भाल लिया है।

बी० एम० चावला,

निरीक्षण निदेशक,

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

**केन्द्रीय जल आयोग**

नई दिल्ली-110022, दिनांक 26 अगस्त 1975

सं० क-19012/549/75-प्रशा० 5—विभागीय पदोन्नति समिति (श्रेणी-दो) की सिफारिशों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री वी० एस० पगरे, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक को सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-भौतिक ग्रुप) के ग्रेड में केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधान केन्द्र, पूना में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 4 अगस्त 1975 (पूर्वाह्न) से, आगे आदेश होने तक, स्थानापन्न क्षमता में नियमित रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री वी० एस० पगरे, सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिक), केन्द्रीय जल तथा विद्युत अनुसंधान केन्द्र, पूना के ग्रेड में 4 अगस्त 1975 (पूर्वाह्न) से दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन रहेंगे।

दिनांक 5 सितम्बर 1975

**गृह-पत्र**

सं० क-19012/192/70-प्रशा० 5 (खण्ड 2)—इस आयोग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 12 अगस्त 1975 में श्री के० एस० चावला, अतिरिक्त सहायक निदेशक की अप्रयोगात्मक नियुक्ति की तारीख 4 मई 1964 की बजाय 4 मई 1965 पढ़ी जाए।

के० पी० वी० मेनन,  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष  
केन्द्रीय जल आयोग

**केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड**

फरीदाबाद-121001, दिनांक 2 सितम्बर 1975

सं० 3-375/75-सी० एच० (ईस्टी०)—श्री एस० हैदरअली खां को दिनांक 7 जून 1975 (पूर्वाह्न) से सहायक जल-भू-विज्ञानी वर्ग II (राजपत्रित) को स्थानापन्न रूप से केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में उनके मुख्यालय पटना में रुपए 650 प्रतिमाह एवं अन्य भत्ते के साथ रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

डी० एस० देशमुख  
मुख्य जल-भू-विज्ञानी

फरीदाबाद-121001, दिनांक 6 सितम्बर 1975

सं० 6-49/74-एस्ट०-I—श्री मोहन लाल गन्दोत्रा को दिनांक 1 सितम्बर 1975 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड में तदर्थ व अस्थायी सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर (साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 2 राजपत्रित)

वेतनमान अन्तर्गत 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 रु० पर नियुक्त किया जाता है।

देवता पाण्डेय,  
अधीक्षक अभियन्ता

**प्रमुख इंजीनियर****केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग**

नई दिल्ली, दिनांक 4 अगस्त 1975

सं० 33/3/74-प्रशा० 4—राष्ट्रपति, श्री दीना नाथ को केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में 700-40-900-दक्षता रोक-40-1100-50-1300 रु० (सामान्य भत्तों सहित) के वेतनमान में नियमानुसार नियत किए जाने वाले वेतन पर इस कार्यालय के दिनांक 10 जून 1975 के समसंख्यक पत्र में दी गई शर्तों पर 7 जुलाई 1975 (पूर्वाह्न) से उप-वास्तुक नियुक्त करते हैं।

एस० एस० पी० राव,  
प्रशासन उपनिदेशक

**रेल मंत्रालय****अनुसंधान, अभिकल्प और मानक संगठन**

लखनऊ-11, दिनांक 5 सितम्बर 1975

सं० ई० II/ई० एस०/सी० एफ० एम०/ओ०/मि०—श्री आर० सी० कथूरिया को अनुसंधान, अभिकल्प और मानक संगठन, लखनऊ के यांत्रिक इंजीनियरी विभाग में तारीख 1 जुलाई, 1973 से सहायक अभिकल्प इंजीनियर के स्थायी पद पर द्वितीय श्रेणी में स्थायी किया जाता है।

सं० ई० II/ई० एस०/सी० एफ० एम०/ओ०/मि०/I—श्री एम० पी० माथुर को अनुसंधान, अभिकल्प और मानक संगठन, लखनऊ के यांत्रिक इंजीनियरी विभाग में तारीख 23 जून, 1975 से सहायक अभिकल्प इंजीनियर के स्थायी पद पर द्वितीय श्रेणी में स्थायी किया जाता है।

टी० बी० जोसेफ, महा निदेशक

**उत्तर रेलवे**

नई दिल्ली, दिनांक 22 अगस्त 1975

सं० 8—श्री एस० सी० मिश्रा, स्थानापन्न प्रवर सिविल इंजीनियर उत्तर रेलवे, 31-7-1975 (अपराह्न) से अन्तिम रूप से सेवानिवृत्त हो गए हैं।

वी० पी० साहनी, महाप्रबन्धक



**पूर्वोत्तर सीमा रेलवे**

गुहाटी-11, दिनांक 27 अगस्त 1975

सं० ई०/283/82 पार्ट O(X)—श्री एस० आर० चक्रवर्ती, सहायक वाणिज्य अधीक्षक (द्वितीय श्रेणी) को पूर्णतः तदर्थ आधार पर दिनांक 17 जुलाई, 1975 से प्रवर वेतनमान में मंडल संरक्षा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

सं० ई०/283/III/30 पार्ट VI(O)—श्री बी० सी० चक्रवर्ती, मुख्य श्रम कल्याण निरीक्षक (तृतीय श्रेणी) को दिनांक 24 जुलाई, 1975 से दूसरी श्रेणी की सेवा में सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

एम० आर० रेड्डी, महा प्रबन्धक

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और ग्राफि पालिथीन एंटरप्राइस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

पांडिचेरी, दिनांक 5 सितम्बर 1975

सं० 108/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर "ग्राफि पालिथीन एंटरप्राइस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

**कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय**

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और जेसवाल टूरिस्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।**

हैदराबाद, दिनांक 5 सितम्बर, 1975

सं० 1281 टी० 560—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर जेसवाल टूरिस्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और टेक्नो टूल्स एण्ड एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

हैदराबाद-1, दिनांक 5 सितम्बर 1975

सं० 1440 टी० (560)—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि टेक्नो टूल्स एण्ड एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

श्रीम प्रकाश जैन, कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
आन्ध्र-प्रदेश, हैदराबाद

**कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स डेडॉन यूनिन ट्रांसपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में**

अहमदाबाद, दिनांक 5 सितम्बर, 1975

सं० 560/674—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर, मेसर्स डेडॉन यूनिन ट्रांसपोर्ट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ज० गो० गाथा, प्रमंडल पंजीयक,  
गुजरात राज्य, अहमदाबाद

सीताराम, कम्पनियों का रजिस्ट्रार  
पांडिचेरी

**कार्यालय आयकर आयुक्त**

लखनऊ, दिनांक 16 अगस्त 1975

**आयकर विभाग**

सं० 184—श्री रामचन्द्रलाल श्रीवास्तव, हिन्दी अनुवादक, कार्यालय आयकर आयुक्त, लखनऊ को हिन्दी अधिकारी के पद पर आफिशिएट करने के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में नियुक्त किया गया है। नियुक्ति पर उन्होंने तारीख 7-7-1975 के पूर्वाह्न में आयकर आयुक्त लखनऊ-1 के कार्यालय में हिन्दी अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 185—श्री सुशील कुमार, आयकर निरीक्षक, आयकर कार्यालय, जुंदौसी, को आयकर अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) के पद पर आफिशिएट करने के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने तारीख 14 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न में आयकर आयुक्त, लखनऊ-1 के कार्यालय में जनसंपर्क अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 186—श्री के० एन० शुक्ल, आयकर निरीक्षक, आयकर कार्यालय, सीतापुर, को आयकर अधिकारी (द्वितीय श्रेणी) के पद पर आफिशिएट करने के लिए रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने तारीख 17 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न में आयकर अधिकारी ई० वाई, सकिल-1, वाराणसी के रूप में कार्यभार संभाला।

ई० के० लायल, आयकर आयुक्त  
लखनऊ-I, लखनऊ

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर, 1975

निर्देश नं० 1207:—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकरण विलेख नं० 8524 जनवरी, 1975 में है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के घायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री परमपरीत सिंह सपुत्र सम्पूर्ण सिंह गांव गड विधू अथ 11 कर्जन रोड, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री लखपत राय सपुत्र ज्वाला दास जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभो में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुची रखे हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8524 जनवरी, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख 11 सितम्बर, 1975]  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर, 1975

निर्देश नं० ए० पी० नं० 1208:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8685 जनवरी, 1975 में है तथा को बडाला (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सरब जीत सिंह सपुत्र श्री तम्पूर्ण सिंह गांव गठ बैन्डू जालन्धर छावनी—वर्तमान पता 11 कर्जन रोड, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री लखपत राय सपुत्र श्री जवाला दास आफ जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8685 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा

रवीन्द्र कुमार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख 11 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर, 1975

निदेश नं० ए० पी० 1209:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8701 जनवरी, 1975 में है तथा बड़ाला (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, जनवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

- (1) श्री सरब जीत सिंह सपुत्र श्री सम्पूर्ण सिंह गांव गृह वैन्डू जालन्धर छावनी वर्तमान पता 11 कर्जन, रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- (2) श्री लखपत राय सपुत्र श्री जवाला दास आफ जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8701 जनवरी को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 11 सितम्बर, 1975  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर दिनांक 11 सितम्बर, 1975

निदेश नं० ए० पी० 1210:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार,

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8497 जनवरी 1975 में है तथा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3—266GI/75

(1) परमप्रीत सिंह सवुत सम्पूर्ण सिंह गडा विधु जालन्धर  
कैन्ट अब 11 कर्जन रोड नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) लखपत राय सपुख जवाला दास जालन्धर  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अभिभाग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8497 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 11 सितम्बर, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 11 सितम्बर, 1975

निदेश नं० 1211:—यत मुझे, रवीन्द्र कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8857 जनवरी 1975 में है तथा जो गडा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री निर्वन सिंह सपुत्र अमन कौर डबल्यू जी० कमान्डर परम जीत सिंह सपुत्र सम्पूर्ण सिंह गांव गडा तहसील जालन्धर 11 कर्जन रोड नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री गरभीत सिंह सपुत्र गुनाम सिंह 1/6 नरिन्द्र सिंह सपुत्र सतनाम सिंह सुखजीत सिंह आदि बस्ती वाला खेत जालन्धर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुची रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8857 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है

रवीन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख : 11 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आर्द० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 11 सितम्बर, 1975

निर्देश नं० ए० पी० -1212:—यतः मझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8746 जनवरी 1975 में है तथा जो बस्ती बाबा खेल जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) दिलशेर सिंह, हरिपाल सिंह सपुत्र सर्वजीत सिंह सपुत्र श्री सम्पूर्ण सिंह 11 कर्जन रोड नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री गरमीत सिंह सपुत्र श्री गुरनाम सिंह नरीन्द्र सिंह सपुत्र सतनाम सिंह, सुखजीत सिंह सपुत्र निर्मल सिंह हरजीत सिंह सपुत्र श्री केवल सिंह, तजेन्द्र सिंह अमर जीत सिंह गांव बस्ती बाबा खेल जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8746 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रविन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख 11 सितम्बर, 1975

मोहर :

## प्रारूप धार्मिक टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर 1975

निदेश नं० 1213:—यतः मुझे रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अधिकृत विलेख नं० 8862 जनवरी 1975 में है तथा जो माडल टाऊन जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती चरण कौर पत्नी स्वर्ण सिंह 11 लन्क रोड माडल टाऊन जालन्धर (अन्तरक)
- (2) कृष्ण देव शोरी सपुत्र तीर्थ राम शोरी 230 एन एल० मोहल्ला महिन्द्र जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)
- (4) कोई व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवृद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8862 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रविन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख 11 सितम्बर, 1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अजन रेंज जालन्धर कार्यालय

दिनांक 11 सितम्बर 1975

निर्देश नं० 1214:— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8643 जनवरी 1975 में है तथा जो शक्ति नगर जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) प्यारा सिंह सपुत्र मुकन्द लाल (कुच्चा कटरा परजा अमृतसर) 97 शक्ति नगर जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्रीमती हरबन्स कौर पत्नी अमरीक सिंह डब्ल्यू० ई० 326 अली मोहल्ला द्वारा तरलोक सिंह बजार वन्सी वाला जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुची रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8643 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 11 सितम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर, 1975

निर्देश नं० 1215 :— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि नं० रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9094 जनवरी 1975 में है तथा जो करतारपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री गुरवृष्ण सिंह सपुत्र हरनाम सिंह करतारपुर (अन्तरक)
- (2) धर्म सिंह नाजर सिंह हरबचन सिंह सपुत्र बलवन्त सिंह करतारपुर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) कोई भी व्यक्ति जो इस सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9094 जनवरी 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख 11 सितम्बर, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर, 1975

निदेश नं० ए० पी० 1216:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8561 जनवरी 1975 में है तथा जो नागरा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से चयित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री रेशम सिंह सपुत्र श्रीपाल सिंह व अजीत सिंह गांव नागरा तहसील जालन्धर । (अन्तरक)
- (2) श्री चानन सिंह, महिन्द्र सिंह व अमरीक सिंह सपुत्र दलीप सिंह गांव नागरा तहसील जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8561 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख 11 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर दिनांक 11 सितम्बर, 1975

निदेश नं० ए० पी० -1217:— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8827 जनवरी 1975 में है तथा को बुलोवाल (जालन्धर) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

- (1) श्री भवतार सिंह सपुत्र श्री लक्ष्मण सिंह ढाडा जी० ए० आफ मेहर सिंह सपुत्र राम सिंह गांव बुलोगल तहसील जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री प्रित पाल सिंह सपुत्र श्री जोगिन्द्र सिंह गांव अलावलपुर तहसील जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8827 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज जालन्धर।

तारीख 11 सितम्बर, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर 11 सितम्बर, 1975

निर्देश नं० ए० पी० -1218:— यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8858 जनवरी 1975 में है तथा जो बुलोवाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-266 GI/75

- (1) श्री अवतार सिंह सपुत्र लक्ष्मण सिंह दुडा जी० ए आफ मेहर सिंह सपुत्र राम सिंह गांव बुलोवाल तहसील जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री बलबीर सिंह सपुत्र श्री प्रीतम सिंह गांव अलाबलपुर तहसील जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8858 जनवरी 1975 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

रवीन्द्र कुमार  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख : 11 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 11 सितम्बर, 1975

निर्देश नं० ए० पी० 1219:—यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8826 जनवरी  
1975 में है तथा जो बुलोवाल (जालन्धर) में स्थित है (और  
इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1975  
को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अन्तर्पूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
यह कि प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
'अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री अवतार सिंह सपुत्र श्री लक्ष्मण सिंह ठंडा जी० ए०  
आफ मेहर सिंह सपुत्र राय सिंह गांव बुलोवाल तहसील  
जालन्धर (अन्तरक)
- (2) श्री अवतार सिंह सपुत्र श्री बतन सिंह गांव बुटारा  
तहसील जालन्धर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8826 जनवरी  
1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, जालन्धर।

तारीख: 11 सितम्बर, 1975  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, मंगलूर

मंगलूर, दिनांक 16-8-75

निर्देश सं० 12/3580/74-75/ए० सी० क्यू०/बंगलूर—

यतः मुझे, आर० कृष्णामूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 18 है तथा जो 18-हचिन्स रोड, कूक टाउन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 8-1-1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती डा० ए० डे० साम लाजरो जं० (18 हचिन्स हचिन्स रोड, कूक टाउन बंगलूर-5 (अन्तरक)

(2) (1) डा० सी० एस० बडवे (2) डा० श्रीमती जी० एच० आर० बडवे पोस्ट वाक्स नं० 2878 दारेसलाम तनजानिया (अन्तरिनी)

(3) श्री पी० ए० नाजरन बी० ए० एम० एल० अडधकेट न नोटरी 105 इनफैन्ट्री रोड जोणस साम्युव) (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 3317/74-75 ता० 8-1-1975)

भूमि और मकान जो चार दीवारी से घेरे हुए हैं जिसकी संख्या नं० 18 हचिन्स रोड, कूक टाउन बंगलूर-560005 में स्थित

क्षेत्रफल:—

$$\begin{array}{ccc} 75'' + 105' & 86' + 92' & \\ \hline \text{पू० प०} \text{-----} \times \text{उ० द०} \text{-----} & 7965.5 \text{ वर्गफीट} & \\ 2 & 2 & \end{array}$$

परिधि:—

पूरब : मकान नं० 1 उत्तर रोड

पश्चिम : हचिन्स रोड

उत्तर : मकान नं० 2 उत्तर रोड

दक्षिण : खाली मकान भूमि जो श्रीमती जी एम० मार्टिन और उनकी बच्चों की है।

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम अधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर.

तारीख : 16-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 सितम्बर 1975

निदेश सं० सी०आर० 62/3593/74-75:—अतः, मुझे, आर० कृष्णामूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 16 एण्ड 17 है, जो चिक्कबेट्टहल्ली, एलहनका होब्ली, बंगलूर नार्थ तालुक में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंगलूर नार्थ, बंगलूर दस्तावेज नं० 5851/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 6 जनवरी, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. (1) शेक बाबा (2) सरदार साब (3) प्यारेजान साब (4) नवाब जान साब (5) अयूब साब (6) नवाब जान साब, मोहम्मद साब पालथ, चिक्कबेट्टहल्ली, एलहनका होब्ली, बंगलूर नार्थ तालुक

2. श्रीमती अनसूया चन्द्रप्पा, w/o बी० आर० चन्द्रप्पा, 106, VI, फ्रांस, मागडी, रोड, बंगलूर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 16 तथा 17, चिक्कबेट्टहल्ली, एलहनका होब्ली, बंगलूर नार्थ तालुक।

5 एकर जमीन, बाबली और मोटर

सीमा :

पूर्व : पी० डब्ल्यू० डी० रोड

पश्चिम : जमीन सर्वे नं० 16 तथा 17 का एक भाग

उत्तर : सरकारी गोमाला

दक्षिण : नं० 16 जमीन

दस्तावेज नं० 5851/74-75 ता० 6-1-75

आर० कृष्णामूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर।

दिनांक 6-9-1975

मोहर :



प्रारूप० आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 5 सितम्बर 1975

निर्देशसं० सी० आर० 62/3594/74-75—यतः मुझे आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 969ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सर्वे नं० 10 है, तथा जो दासरहल्ली, एश्वन्तपुर होब्ली, बैंगलूर नार्थ तालुक में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बैंगलूर नार्थ तालुक दस्तावेज नं० 5973/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. श्री पी० चिक्कबैरप्पा सपुत्र श्री पुट्टबैरप्पा, हेगगडदेवनपुरा, दासनापुरा, होब्ली, नेलमनगल तालुक, बैंगलूर जिला।

(अन्तरक)

2. श्री एस० जी० वेनकटय्या सपुत्र श्री टी० गिरियप्पा, 52, मारुति एक्सटेन्शन, बैंगलूर-21।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 10, 2 एकर 25 गुन्टे,

जो दासरहल्ली गांव, एश्वन्तपुर होब्ली, बैंगलूर नार्थ तालुक में स्थित है।

दस्तावेज नं० 5973/74-75 ता० 13-1-1975।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 5 सितम्बर 1975  
मोहर:

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 23 अगस्त 1975

निदेश सं० सी० आर० 62/3612/74-75—यतः मुझे आर०

कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सैट नं० 6/2, (एक भाग) है, जो कलासिपाल्यम एक्सटेंशन (डोड्डबैथलखाना), बैंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडि, बैंगलूर दस्तावेज नं० 4446/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8 जनवरी, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. (1) बी० एच० श्रीनिवास मूर्ति
- (2) बी० पी० जीवाजी,
- (3) बी० एस० जीवाजी
- (4) जी० एस० जीवाजी
- (5) बी० बी० जीवाजी

- (6) बी० कृष्ण स्वामी
- (7) बी० के० प्रहल्लाद
- (8) बी० के० पार्थसारथी
- (9) जी० नारायण मूर्ति
- (10) एस० पी० वेंकटाचार
- (11) एस० रत्नगराज
- (12) एस० पार्थसारथी
- (13) डी० के० नागराज,

4, सर्वेयर स्ट्रीट, बसवनगुडि, बैंगलूर - 4

(अन्तरक)

2. श्रीमती के० बी० अनसूया,  
पत्नी श्री के० विद्यापति सेट्टी  
द्वारा वेनकटेश्वर स्टोरस, एवेन्यू रोड,  
बैंगलूर सिटी।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सैट नं० 6/2 (एक भाग) कलासिपाल्यम एक्सटेंशन (डोड्डबैथलखाना), बैंगलूर।

क्षेत्रफल : 57' × 84' = 4788 वर्ग फीट

सीमा :

पूर्व : रोड

पश्चिम : 6/2 का एक भाग

उत्तर : 6/3 का रोड,

दक्षिण : राजा गोपाल नायडु की सम्पत्ति दस्तावेज नं० 4446/74-75, दिनांक 8-1-75।

आर० कृष्णमूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 23 अगस्त 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 22 अगस्त 1975

निदेश सं० सी० आर० 62/3613/74-75—यतः, मुझे,  
आर० कृष्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 6/2 (एक भाग) है, जो कलासिपालयम एक्स-टेंशन (डोड्डबैलखाना), बंगलूर में स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि बंगलूर-4, दस्त वेज 4447/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन 8-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) बी० एस० श्रीनिवासमूर्ति
- (2) बी० पी० जीवाजी
- (3) बी० एस० जीवाजी
- (4) जी० एस० जीवाजी
- (5) बी० बी० जीवाजी
- (6) बी० कृष्णस्वामी
- (7) बी० के० प्रह्लाद

(8) बी० के० पार्थसारथी

(9) जी० नारायण मूर्ति

(10) एस० पी० वेनकटायार

(11) एस० रत्नगराज

(12) एस० पार्थसारथी

(13) डी० के० नागराज

नं० 4, सर्वेयरस स्ट्रीट, बसवनगुडि,  
बंगलूर-4

(अन्तरक)

2. श्रीमती बी० गौरम्मा

पत्ति श्री के० आर० अश्वथनारायण सेट्टी,  
शतकर पेपर मार्ट,  
326, एवेन्यू रोड, बंगलूर सिटी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

सेट नं० 6/2 (एक भाग) कलासिपालयम एक्सटेंशन (डोड्डबैलखाना), बंगलूर ।

क्षेत्रफल : 90' × 55' = 4950 वर्ग फीट

सीमा :

पूर्व : रिक्त भूमि नं० 6/2 जो अन्तरिती को बेचा गया

पश्चिम : शर्मा की जमीन

उत्तर : रोड

दक्षिण : राजगोमाल नायडु की जमीन

दस्तावेज नं० 4447/74-75, दिनांक 8-1-75

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 22-8-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 23 अगस्त 1975

निर्देश सं० 62/3621/74-75/ए०सी०क्यू०/बी०—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 126 है, तथा जो भूमि नं० 126, राजाजीनगर एक्सटेंशन बंगलूर-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर, बंगलूर-10 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

ता० 21-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स डी० सुब्बाराव एण्ड सन्स,  
टिम्बर व्यापारी,  
काटनपेट बंगलूर-53

सहयोगी प्रतिनिधि :

- (1) श्री डी० एस० गणेशराव सुपुत्र श्री डी० सुब्बाराव 117-28 फ़ास, जयनगर बंगलूर-11
- (2) डी० एस० सदाशिवराव सुपुत्र श्री डी० सुब्बाराव नं० 2 के ० हनुमन्तैया रोड, बंगलूर-27
- (3) श्रीमती विमला पन्नाकर पत्नि श्री डी० एल० श्रीनिवास राव नं० 47, सौथ एण्ड रोड, बंगलूर-4 (अन्तरक)
2. (1) श्री जी० तोताडप्पा सुपुत्र श्री जी० चन्ना जोमन्ना 93, गोविन्दप्पा रोड, बंगलूर-4
- (2) श्री ए० एन० राजशेखरप्पा सुपुत्र श्री नंजुण्डप्पा बंगलूर-4
- (3) श्री एच० एल० बसवराज सुपुत्र श्री एच० श्रीकण्ठप्पा बसवंगुडी, बंगलूर-4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 5805/74-75 ता० 21-1-75)।

भूमि नं० 126—इन्डीस्ट्रीयल सबर्ब एरिया, राजाजीनगर एक्सटेंशन, बंगलूर-10

विस्तीर्ण : उत्तर : 183'

पश्चिम : 198'

पूरव : 143'

दक्षिण : —

परिधि : उत्तर : सड़क

दक्षिण : भूमि नं० 127

पूरव : भूमि नं० 125

पश्चिम : 80' सड़क

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 23-8-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 23 अगस्त 1975

निर्देश सं० 62/3622/74-75/ए० सी० क्यू०/बी०  
यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सी०आई०टी०बी० नं० 59 कारपोरेशन नं०  
59/11 है तथा जो राजाजी नगर, बंगलूर में स्थित है (और इससे  
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय राजाजी नगर, बंगलूर-10 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
22-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में  
में 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—266GI/75

1. श्रीमती नरसम्मा पत्नी पूर्व एम० एल० ए० श्री डब्ल्यू०  
एच० हनुमन्थप्पा नं० 30/ए० राजमहल विलास एक्सटेंशन,  
बंगलूर सिटी । (अन्तरक)

2. (i) डब्ल्यू० एच० हनुमन्थप्पा (जूनियर)

(ii) डब्ल्यू० पी० राजेन्द्र पुत्र डब्ल्यू० एच० पुट्टैया नं०  
30/ए० राजमहल विलास एक्सटेंशन, बंगलूर सिटी

(iii) श्रीमती एम० एस० लीलम्मा पत्नी डब्ल्यू० एच०  
गोपाल नं० 19/ए० नागप्पा रोड, राजमहल  
गुट्टहल्ली, बंगलूर (अन्तरिती)

3. मै० सी० जयन्तीलाल एंड कं० सुल्तानपेट, बंगलूर-53  
(सहयोगी प्रतिनिधि श्री चम्पकलाल जोशी)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(वस्तावेज नं० 5838/74-75 ता० 22-1-75)

सी० आई० टी० बी० मकान भूमि नं० : 59 कारपोरेशन  
भूमि नं० 59/11, III फ़ास, स्माल स्केल इन्डस्ट्रियल एरिया  
(रामकुमार मिल्स के पास) राजाजी नगर, बंगलूर -10

विस्तीर्ण :—

पूरब-पश्चिम 80'

उत्तर-दक्षिण 51'—पूरब भाग में

88'—पश्चिम भाग में

(51' + 88')

$80' \times \frac{51' + 88'}{2} = 69' = 5520$  वर्गफीट

2

सीमा : पूरब—ट्रस्ट बोर्ड साइट नं० 39

पश्चिम—सड़क

उत्तर : ट्रस्ट बोर्ड साइट नं० 58

दक्षिण—सड़क

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 23-8-75

मोहर :

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 सितम्बर 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3626/74-75—मतः  
मुझे, आर० कृष्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिस की सं० 117 (पुराना नं० 1-री) तथा जो महात्मा  
गान्धी रोड, बंगलूर में स्थित है और इसे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय शिवाजीनगर, बंगलूर, दस्तावेज नं० 3393/74-75  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
ता० 16-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री इन्द्रकुमार कपूर ट्रस्ट

(2) श्री इन्द्र कुमार कपूर

(3) शामिल

(4) राखी और निखल 2-ए, रेसिडेन्सी रोड, बंगलूर-25  
(अन्तरक)

2. श्री एम० यजना नारायण करन्त सपुत्र श्री एम० रामक्रिष्ण  
करन्त, नं० 2, लावेली रोड, बंगलूर-1  
(अन्तरिती)

3. श्रीमती धनलक्ष्मी टिफिन रुम

भागीदार : 1. शशिधर करन्त

2. वासुदेवराव

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 117 (पुराना नं० 1-सी) महात्मा गान्धी रोड,  
सिविल स्टेशन डिविजन 60, बंगलूर।

क्षेत्रफल :—43+53 72'+78'

----- = 3600 वर्ग फीट

2

2

सीमा :—

उत्तर : रास्ता और अन्तरक की जमीन

दक्षिण : खाजा हुसेन की जमीन

पूर्व : रास्ता

पश्चिम : नं० 1ए, पापय्या नाथड, का दस्तावेज नं०  
3393/74-75 ता० 16-1-75।

आर० कृष्णामूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 2-9-1975

मोहर :

प्ररूप आर्डी० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अगस्त 1975

निर्देश सं० सी० आर०-62/3628/74-75—

यतः मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस की सं० 38/3 है तथा जो सेंट जान्स रोड, 52 डिजवीन बंगलूर-1 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर, बंगलूर दस्तावेज नं० 3412/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 17-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह से प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) ए० जी० विक्रम

(2) तिलक कुमार

(3) ए० जी० सुनिती

(4) ए० जी० गीता, नं० 6 अन्नसामी मुदलियार रोड, सिविल स्टेशन, बंगलूर-1

(अन्तरक)

2. डा० बी० एस० राधाकृष्ण, नेशनल क्लिनिक सवजीवप्पा लेन, अवेन्यू रोड, कास बंगलूर-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सैट नं० 38/3 सेंट जान्स रोड, 53 डिजवीन, सिविल स्टेशन, बंगलूर-1।

121' + 119'

क्षेत्रफल  $\frac{121' + 119'}{2} \times 46' = 5520$  वर्ग फीट

दस्तावेज नं० 3412/74-75 ता० 17-1-1975।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 20-8-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 16 अगस्त 1975

निर्देश सं० 62/3629/74-75/ए० सी० वयू०/बंगलूर:—  
यतः मुझे, आर० कृष्णामूर्ति,  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
जिसकी सं० 4 मकान नं० 60 का भाग है तथा जो कोल्स  
रोड, सिविल स्टेशन बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-1-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम',  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

(1) श्री बी० पी० बालकृष्ण नायडु सपुत्र पापय्य नायडु  
(2) श्रीमति तारा बालकृष्ण पत्नी बी० पी० बाल-  
कृष्ण नायडु (3) श्रीमति वसन्त कुमारी पत्नी पी०  
वेणुगोपाल (प्रतिनिधि बी० पी० बालकृष्ण नायडु)  
नं० 60 कोल्स रोड सिविल स्टेशन बंगलूर । (अन्तरक)

(2) श्री मैकेल मिट्रो सपुत्र बी० एफ० मिट्रो नं० 59,  
वीलर रोड 22, कास, बंगलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज नं० 3414/74-75 तारीख 17-1-1975)  
नं० 60 कोल्स रोड, सिविल स्टेशन, फेसर टाउन, बंगलूर  
में स्थित भूमि का एक भाग।  
कुल विस्तीर्ण:—

पूरब : 28' 3" + 14' 3" 19' 8"

पश्चिम : 49' 8"

उत्तर : 32' 9" + 12'

दक्षिण : 46' 4" + 6' 8"

= 2750 वर्गफीट

सीमाएं:—उत्तर : कोल्स रोड

दक्षिण : निजी सम्पत्ति

पूरब : नं० 60 कोल्स रोड का बाकी भाग

पश्चिम : नं० 61 कोल्स रोड

आर० कृष्णामूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज बंगलूर.

तारीख : 16-8-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 2 सितम्बर 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3635/74-75:—यतः मुझे  
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सैट नं० 19 (पुराना नं० 18) डा कासटा ले  
और कूक टोन, बंगलूर -5 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूर दस्तावेज नं० 3522/74-75  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 27-1-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे,  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-  
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सेस डेविस पत्नी पि० ए० डेविस ननदी-  
दुर्ग रोड, बंगलूर -6। (अन्तरक)

(2) श्री (1) के० ए० थामस (2) शान्ती थामस,  
32 स्पेनसर रोड बंगलूर -5। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सैट नं० 19 (पुराना नं० 18) डा कासटा ले और कूक  
टोन, बंगलूर।

क्षेत्रफल :  $\frac{99.5' + 100'}{2} \times 100' = 9950$  वर्ग फीट

सीमा :—

उत्तर : 57 डा कासटा ले और

दक्षिण : ले और रोड

पूर्व : नं० 20 डा कासटा ले और

पश्चिम : बीलर रोड एक्सटेंशन

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख : 2-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 अगस्त 1975

निर्देश नं० 62/3640/74-75/ए सी क्यू/बंगलूर:—यतः मुझे, आर० कृष्णामूर्ति सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० पुराना नं० 11 नया नं० 38,39 है तथा जो कोल्स रोड, केल्वलण्ड टाउन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एच० एम० कंणमूर्ति सपुत्र दोड्डमुनिस्वामी रेड्डी नं० 79-रामाकृष्णमट्ट रोड, अत्सूर-बंगलूर-8 (अन्तरक)

(2) (1) श्री के० सी० अश्वथथ्पा (2) के० एस० नारायण, सपुत्र श्री के० एम० शंकरप्पा, नं० 47-सौन्दरस रोड बंगलूर-5 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

(दस्तावेज नं० 3600/74-75 ता० 28-1-75)

खाली भूमि (पुराना नं० 11, नया नं० 38 व 39) कोल्स रोड (कलेवलंड रोड व सौन्दरस रोड के बीच) कलेवलंड टाउन, बंगलूर-5 का एक भाग।

(विस्तीर्ण 3465 वर्गफीट नक्शे के अनुसार)

सीमाएं :—

पूरब : ग्राम रास्ता

पश्चिम : निजी सम्पत्ति

उत्तर : निजी सम्पत्ति

दक्षिण : श्री एन० लक्ष्मीपति की सम्पत्ति

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 22-8-1975

निर्देश सं० 62/3641/74-75/ए सी यू /बंगलूर:—यतः  
मुझे, आर० कृष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० पुराना नं० 11 नया नं० 38, 39 है तथा जो कोल्स  
रोड, केल्वलाण्ड टाउन, बंगलूर-5 में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय शिवाजी नगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
'1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 17-1-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री (1) के० सी० गोपाल रेड्डी (2) के० सी० राजु,  
सुपुत्र श्री चिक्क मुनियप्प रेड्डी कचरकनहल्ली, फ़ेसर  
टाउन, बंगलूर-5। (अन्तरक)

(2) श्रीमती बिमलावनी बेरी पत्नी श्री आर० एल० बेरी  
मकान नं० 4/7 सौन्दरस रोड, बंगलूर-5। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज नं० 3601/74-75 ता० 17-1-75) खाली भूमि  
पुराना नं० 11 नया नं० 38 व 39 कोल्स रोड (केल्वलाण्ड रोड  
सौन्दरस रोड के बीच) केल्वलाण्ड टाउन, बंगलूर-5 का एक भाग  
विस्तीर्ण:—3342 वर्ग फीट

सीमाएं:—

उत्तर: निजी सम्पत्ति

दक्षिण: भाग जो बेचने वाले के पास है

पूरब: निजी सम्पत्ति

पश्चिम: प्रस्पयिन सड़क व कृष्ण रेड्डी की सम्पत्ति।

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 22-8-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 सितम्बर 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3657/74-75:— यतः मुझे,  
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 25 है जो दिवान सूरप्पा लेन, चिकपेट, बंगलूर (17 डिब्बोजन) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गान्धी नगर, बंगलूर दस्तावेज नं० 4761/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के प्रतीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) सर्वश्री सनवम्मा (2) सर्वमनगला (3) शशिकला  
(4) प्रभुदेव (5) मनजुनाथ (6) सुगुना 61/1, VI  
क्रास, आनन्दराव एक्सटेशन गान्धी नगर, बैंगलूर-9  
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री (1) एम० मुत्तुस्वामी (2) एम० ईश्वरन  
(3) एम० तनगवेलु नं० 25, 1 क्रास, डी० एस०  
लेन, चिकपेट, बैंगलूर 2,3 भागीदार मैसैज ईश्वरन  
एण्ड कं० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बुकान नं० 25, 1 क्रास, दिवान सूरप्पा लेन, चिकपेट, बैंगलूर।  
(डिविजन 17)

क्षेत्रफल 18' × 58' = 1044 वर्गफीट

पहला और दूसरा मनजिला प्रति 10 वर्ग

सीमा:—

पूर्व: मोहनलाल मूलचन्द की सम्पत्ति

पश्चिम: आसुलाल की सम्पत्ति

उत्तर: नं० 185 चन्दनमल और आदि की सम्पत्ति

दक्षिण: 1 क्रास, दिवान सूरप्पा लेन दस्तावेज नं० 4761/  
74-75 ता० 31-1-75

आर० कृष्णमूर्ति

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख: 6-9-1975

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 20-8-1975

निर्देश सं० 62/3682/74-75/ए सी क्यू बी/बंगलूर:—यतः  
मुख्य, आर० कृष्णामूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 817/सी है तथा जो 7वें ब्लॉक, 35 डिविजन,  
जयनगर (पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
जयनगर बंगलूर-11 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 20-1-1975  
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
जनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
6—266 GU/75

- (1) श्री पी० बालकृष्ण सुबुत सुब्वन्ना नं० 494-7वां  
ब्लॉक, जयनगर बंगलूर-11 (अन्तरक)  
(2) श्री एम० नंजुण्ड राव सपुत्र राणोजी राव एम० नं०,  
38/2 पश्चिम आज़नेय मन्दिर रोड, बंसवेगुडी बंगलूर  
-560004 (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज नं० 3609/74-75 ता० 20-1-1975)  
भूमि नं० 817/सी-7वां ब्लॉक, डिविजन नं० 35 (पश्चिम),  
जयनगर, बंगलूर-560011 का एक भाग  
विस्तीर्ण:—

पूर्व-पश्चिम : 70' }  
उत्तर-दक्षिण : 40' } 2800 वर्गफीट

सीमाएं :—

पूर्व : मृणालम्मा की सम्पत्ति

पश्चिम : सड़क

उत्तर : उसी भूमि का बाकी भाग

दक्षिण : उसी भूमि का एक भाग जो श्रीमति के० सरस्वती  
बाई और एम० सरस्वती बाई को बेची गयी है।

आर० कृष्णामूर्ति

सक्षम प्राधिवारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 30 अगस्त 1975

निदेश सं० 62/4657/74-75/ए० सी० क्यू०/बी०—यतः,  
मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,  
और जिसकी सं० 817/सी० है, जो 7 ब्लाक (पश्चिम), 35  
डिविजन, जयनगर, बंगलूर-II में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, जयनगर, बंगलूर-II में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने  
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य  
आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री पी० बालकृष्ण सपुव सुब्बन्ता, नं० 494, 7 ब्लाक  
जयनगर, बंगलूर- I (मंगलूर आटो डीजल इंजिनियरिंग  
वर्क्स, सिद्दिया रोड, बंगलूर-27 का मालिक) ।  
(अन्तरक)

2. श्री बी० एम० कृष्ण राव, नं० 531-आजनेय टेंपल  
स्ट्रीट बी० बी० पुरम, बंगलूर-4 ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां, शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

### अनुसूची

(वस्तावेज नं० 3654/74-75 ता० 24-1-75) ।

भूमि नं० 817/सी०-7 ब्लाक (पश्चिम), 35 डिविजन  
जयनगर, बंगलूर-II का एक भाग ।

विस्तीर्ण :-

पूर्व-पश्चिम : 70' } 2800 वर्गफीट  
उत्तर-दक्षिण : 40' }

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 30 अगस्त, 1975 ।

मोहर :

**प्रकरण आई० टी० एन० एस०—**

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अगस्त 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3685/74-75—यतः, मुझे  
आर० कृष्णमूर्ति,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 440 है तथा जो 7-बी० मैन रोड, 4 ब्लाक,  
जयनगर, बंगलूर-11 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
जयनगर, बंगलूर दस्तावेज नं० 3630/74-75 में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 22-1-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री साकरचन्द जे० शाह सपुत्र जानिलाल शाह  
कीर्ति टैक्सटायिल्स, धनलक्ष्मी मार्किट, ग्रहमदावाद।

(2) श्री दीपक एस० शाह (3) श्री जिगर एस० शाह,  
अवयस्क द्वारा साकरचन्द जे० शाह। (अन्तरक)

2. श्री डाक्टर के० वेङ्कटगिरि गोडा प्रोफेसर आफ एकना-  
मिक्स बैंगलूर यूनिवर्सिटी, बैंगलूर-9। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

मकान नं० 440, 7-बी० मैन रोड, IV ब्लाक जयनगर,  
बंगलूर-II 35 डिविजन

क्षेत्रफल पू० प० 75' } 3750 वर्ग फीट है  
उ० द० 50' }

इमारत 16 वर्ग

सीमा

पूर्व: रोड

पश्चिम: सैट नं० 449

उत्तर: सैट नं० 439

दक्षिण: सैट नं० 441

दस्तावेज नं० 3630/74-75 ता० 22-1-75।

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 20 अगस्त, 1975।

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, बंगलूर का कार्यालय

बंगलूर, दिनांक 20 अगस्त 1975

निर्देश सं० सि० प्रार० 62/3689/74-75—यतः, सुखे प्रार० कृष्णमूर्ति, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3/2 है तथा जो बर्ली स्ट्रीट क्रॉस, ल्यान्गफोर्ड टोन, बंगलूर-25 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय जयनगर बंगलूर-11, दस्तावेज नं० 3722/74-75 में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 29-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए खन्तरिज की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रार० सतीश कुमार सुबुल के० रामय्या 3/1, बर्ली स्ट्रीट क्रॉस ल्यान्ग फोर्ड टोन, बंगलूर-25 । (अन्तरक)

2. श्रीमती शाहिदा बेगम पत्नी सी० एम० कलीमुल्ला खान, 10, बर्ली स्ट्रीट क्रॉस ल्यान्ग फोर्ड टोन, बंगलूर-25 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक भूमि नं० 3/2 बर्ली स्ट्रीट क्रॉस, ल्यान्ग फोर्ड टोन, बंगलूर-25 ।

क्षेत्रफल 60' × 80' = 4800 वर्ग फीट ।

सीमा :

पूर्व : सैट नं० 3/3 बर्ली स्ट्रीट क्रॉस,

पश्चिम : नं० 3/1 "मनिला मन्दिर" बर्ली स्ट्रीट क्रॉस

उत्तर : "बी०" 3/2 सैट, बर्ली स्ट्रीट क्रॉस

दक्षिण : बर्ली स्ट्रीट क्रॉस ।

दस्तावेज नं० 3722/74-75 ता० 29-1-75 ।

प्रार० कृष्णमूर्ति

सक्षम अधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20 अगस्त, 1975

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अगस्त 1975

निर्देश सं० सि० प्रार० 62/3690/74-75—यतः, मुझे,  
प्रार० कृष्णमूर्ति,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 3/2 (उत्तरी भाग) है तथा जो बर्ली स्ट्रीट क्रॉस,  
ल्यान्ग फोर्ड टोन, बंगलूर-25 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के  
कार्यालय जयनगर, बंगलूर-11 दस्तावेज नं० 3740/74-75 में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
अधीन ता० 31-1-1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतीत:—

1. श्री प्रार० सतीशकुमार समुच्च के० रामय्या "मनिला  
मन्दिर" 3/1 बर्ली स्ट्रीट क्रॉस ल्यान्गफोर्ड टोन, बंगलूर-25।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शाहिदा बानू पत्नी सी० एम० कलानुल्ला खान,  
नं० 10, बर्ली स्ट्रीट क्रॉस ल्यान्गफोर्ड टोन, बंगलूर-25।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेव:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

रिक्त भूमि नं० 3/2 (एक उत्तरी भाग)। बर्ली स्ट्रीट क्रॉस,  
ल्यान्ग फोर्ड टोन, बंगलूर-25।

क्षेत्रफल पू० प० 80' उ० द० 57' — 4760 वर्ग फीट  
सीमा

पूर्व: सैट नं० 3/3

पश्चिम: सैट नं० 3/1

उत्तर: कार्पोरेशन रोड श्री: गेलिस क्वार्टरम।

दक्षिण: दक्षिणी भाग सैट 3/2

दस्तावेज नं० 3740/74-75 ता० 31-1-75।

प्रार० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख: 20 अगस्त, 1975।

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अगस्त 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3691/74-75:—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 3/3 (एक भाग) है तथा जो बर्ली स्ट्रीट क्रॉस, ल्यान्गफोर्ड टोन, बंगलूर-25 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयनगर, बंगलूर दस्तावेज नं० 3741/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 31-1-1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री आर० चैतन्यकुमार 3/1 बर्ली स्ट्रीट क्रॉस, ल्यान्गफोर्ड टोन, बंगलूर-25 । (अन्तरक)

2. श्री सैफोद्दीन मुल्ला अकबरली जवेरी, 57, I क्रॉस, बालबट्टे विकटर रोड कलासिपाथयम एक्स्टेंशन, बंगलूर-2 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

रिक्त भूमि नं० 3/3 (एक भाग), बर्ली स्ट्रीट क्रॉस, ल्यान्गफोर्ड टोन, बंगलूर-25 ।

क्षेत्रफल  $76' 5" \times 40' = 3060$  वर्ग फीट ।

दस्तावेज नं० 3741/ता० 31-1-75

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 20 अगस्त, 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अगस्त 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3692/74-75:—यत्, मुझे,  
आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3/3 (एक भाग) है तथा जो बर्ली स्ट्रीट क्रॉस,  
ल्यान्गफोर्ड टोन, बंगलूर-25 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय जयनगर, बंगलूर दस्तावेज नं० 3742/74-75 में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख  
31-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त  
अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्नाल:—

1. श्री आर० चैतन्यकुमार, बर्ली स्ट्रीट क्रॉस, ल्यान्ग फोर्ड  
टोन, बंगलूर-25 । (अन्तरक)

2. श्री हुकीमुद्दीन मुल्ला अब्बास भाई जवेरी, 57, आलबर्ट  
विकटोर रोड, I, क्रॉस, कलासिपालयम एक्सटेन्शन, बंगलूर-2 ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

रिक्त भूमि नं० 3/3 (एक भाग), बर्ली स्ट्रीट क्रॉस, ल्यान्ग  
फोर्ड टोन, बंगलूर-25 ।

क्षेत्रफल 80' × 40' = 3200 वर्ग फीट ।

दस्तावेज नं० 3742/74-75 ता० 31-1-75 ।

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख : 20 अगस्त, 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अगस्त 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3693/74-75—यतः, मुझे,

आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 3/3 (एक भाग) है तथा जो बर्ली स्ट्रीट फ़ास, ल्यान्ग फोर्ड टोन, बंगलूर-25 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जवनगर, बंगलूर-11 दस्तावेज नं० 3743/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री आर० चैतन्यकुमार बर्ली स्ट्रीट फ़ास, ल्यान्ग फोर्ड टोन, बंगलूर-25 । (अन्तरक)

2. श्री अम्बास भाई मुल्ला अकबरली जवेरी 57, अलबर्ट बिकटर रोड, 1, फ़ास कलासिपालयम एक्सटेंशन बंगलूर-2 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि नं० 3/3 (एक भाग), बर्ली स्ट्रीट फ़ास, ल्यान्ग फोर्ड, टोन बंगलूर-25 ।

क्षेत्रफल  $75' + 76' \times 40 = 3020$  वर्ग फीट

2

दस्तावेज नं० 3743/74-75 ता० 31-1-75

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख : 20 अगस्त, 1975 ।

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अगस्त 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3749/754-75:—यतः, मुझे,

आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 29/2/41 (एक भाग) है तथा जो 'वेनकटनिवास पातलम्मा टेम्पल स्ट्रीट, बसवनगुडि, बंगलूर-4' में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बसवनगुडि, बंगलूर दस्तावेज नं० 4671/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 22-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मैं, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-266 GI/75

1. श्री (1) श्री० कन्नन सपुत्र श्री वी० ए० ईश्वरन नं० 5, परमहन्स रोड, यादवगिरि एक्सटेंशन, मैसूर (2) के० परमेश सपुत्र श्री० कन्नन, 8055, सानत रीता, एनसियस, कथालिफोनिया, (यू० एस० ए०) (अन्तरक)

2. श्री के० एस० वेनकटायल सेट्टी, इनजिनियर, 379, शद्दानन्दभवन रोड, विश्वेश्वरपुरम, बंगलूर-4, के० सुब्बाराव । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

मकान नं० 29/2/41 (एक भाग) "वेनकट विलास", पातलम्मा टेम्पल स्ट्रीट, 34 डिविशन, अरुमुगम सर्कल के पास, बसवनगुडि, बंगलूर-4 ।

क्षेत्रफल पू० ५० 48 1/2' उ० ६० 58'—5378 वर्ग फीट । सीमा

पूर्व : पातलम्मा टेम्पल स्ट्रीट,

पश्चिम : मकान नं० 29/2/41 का एक भाग

उत्तर : सम्पत्ति नं० 42

दक्षिण : श्रीमति सुजया बसवराज की जगह ।

दस्तावेज नं० 4671/74-75 ता० 22-1-75

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख : 20 अगस्त, 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 20 अगस्त, 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/4656/75-76:—यतः, मुझे,  
आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 29/2/41 पिछला भाग है तथा जो पातलम्मा  
म्पल स्ट्रीट, बसवनगुडि, बंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय बसवनगुडि, बंगलूर दस्तावेज नं० 125/75-76  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
ता० 9-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-  
रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री (1) ऐ० कन्नन सपुल्ल टी० वि० ए० इश्वरन, नं०  
5, परमहन्सा रोड, यादवगिरि एक्सटेंशन मंसूर (2) के०  
परमेश सपुल्ल ऐ० कन्नन, 8055 सानता रीता, एनसियस, क्याकि-  
फोरनया (यू० एस० ए०) (अन्तरक)

2. श्री के० एस० वेनकटायल सेट्टी, इतजनीयर सदाननवा  
भवन रोड, विश्वेश्वरपुरम बंगलूर-1 (अन्तरिती)

3. के० सुब्बाराव ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

#### अनुसूची

मकान नं० 29/2/41, "वेनकविलास", पातलम्मा टेम्पल  
स्ट्रीट, बसवनगुडि, बंगलूर-4

उ० द० 58 पू० प० (1) 5½' (2) 34½', उ०  
द० 12½' + 40' + 20½' ।

सीमा

पूर्व : मकान नं० 29/2/41 का एक भाग जो अन्तरिती को  
बेचा गया ।

पश्चिम : नं० 43 तारा लाडज (गुरुप्रसाद)

उत्तर : नं० 42 और 43, तारा लाडज (गुरुप्रसाद) ।

दक्षिण : श्रीमति सुजाता बसवराज की जमीन और 43 तारा  
लाडज (गुरुप्रसाद) ।

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर ।

तारीख : 20 अगस्त, 1975 ।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 सितम्बर, 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3761/74-75:—यतः, मुझे,

आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 13/ए० (13 और 13/1) है तथा जो बुल टेम्पल रोड, शनकरपुरम में बंगलूर-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय बसवतगुडि, बंगलूर दस्तावेज नं० 4817/74/75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 30-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती जमबुवति नेटकल्लप्पा पत्नी के० ए० नेटकल्लप्पा, 173, सुब्रमसेट्टी रोड, बसवतगुडि, बंगलूर-4 (अन्तरक)

2. (1) डा० बी० एस० पानडुरमगा (2) कनकवल्ली पानडुरनगा 22, न्यू० है स्कूल रोड, विश्वेश्वरपुरम, बंगलूर-4 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि नं० 13/ए० (13 और 13/1) बुल टेम्पल रोड, शनकरपुरम, बंगलूर-4

क्षेत्रफल पू० प० 118' 22774 वर्ग फीट  
उ० द० 193')

सीमा

पूर्व : मुनिसिपल लेन

पश्चिम : बुल टेम्पल रोड

उत्तर : दक्षिण कन्नाडा (ड्राविडा) ब्रह्मनरा मिश्र मनडली कल्याण मन्दिर इमारत।

दक्षिण : नं० 13, बुल टेम्पल रोड का बचा हुआ भाग।

दस्तावेज नं० 4817/74-75 ता० 31-1-75।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 6 सितम्बर 1975।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 अगस्त, 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/3762/74-75:—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 5 और 6 है तथा जो रामसन्द्र, कनकापुर तालुक बंगलूर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कनकापुरा दस्तावेज नं० 6752/74-75 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० देवराज अरसु सपुत्र केम्पराज अरसु पटेल, तुनगति गांव, कसबा होब्ली, कनकापुरा, बंगलूर जिला । (अन्तरक)

2. श्रीमति आर० मीराबाई c/o डा० रानोजी राव के.- 155, जैन टेम्पल स्ट्रीट, वी० वी० पुरम बंगलूर-4 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन सर्वे नं० 5 और 6, 4 एकड़, 8 गुनटे जो रामसन्द्र, कनकापुर तालुक, बंगलूर जिला में स्थित है।

सीमा

पूर्व : तुनगल गौडा उर्फ कोल्ला गौडा ।

पश्चिम : सर्वे नं० 7 और 8 की जमीन ।

उत्तर : कृष्णप्पा की जमीन ।

दक्षिण : हल्ला चिक्कस्नय्या ।

दस्तावेज नं० 6752/74-75 ता० 24-1-1975 ।

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 26 अगस्त, 1975 ।

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 अगस्त, 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3763/74-75:—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 7 और 8 (भागयत) है जो रायसन्द्र, कनकापुर तालुक बंगलूर जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कनकापुरा दस्तावेज नं० 6754/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० देवराज अरसु सपुत कमपराज अरसु पटेल, तुन-गानी गांव, कसबा होब्ली कनकापुरा, बंगलूर जिला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० मीराबाई c/o डा० रानोजी राव के. 155, जैन टेम्पल स्ट्रीट वी० वी० पुरम, बंगलूर-4।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भागयत सर्वे नं० 7 और 8, रायसन्द्र गांव, कनकापुरा तालुक, बंगलूर जिला 4 एकड़ 18 गुनट्ट।

सीमा

पूर्व: अन्तरिती को बेची गयी सम्पत्ति

पश्चिम: अन्तरक की बची हुई सम्पत्ति।

उत्तर: दुर्गे गौडा की जमीन

दक्षिण: चिक्कलुमत्ता की जमीन।

दस्तावेज नं० 6754/74-75 ता० 24-1-75

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 26 अगस्त, 1975।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 अगस्त, 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/3791/74-75:—यतः, मुझे,  
आर० कृष्णमूर्ति,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सैट नं० 75 है, जो इन्डस्ट्रियल सबर्ब, राजाजीनगर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, बंगलूर दस्तावेज नं० 6168/74-75 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० एस० चक्रपानी, भारत आटोमोबैल्स में भागीदार  
1/4 श्री नरसिमहराजा रोड़, बंगलूर-2 (अन्तरक)

2. श्री एस० आर० कनदस्वामी, लक्ष्मी पेपर इन्डस्ट्रीस में भागीदार, 33, टौन रेलवे स्टेशन रोड़, सेलम-1 (तमिलनाडु) ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

सैट नं० 75, इन्डस्ट्रियल सबर्ब, राजाजीनगर, बंगलूर-10  
क्षेत्रफल पू० प०  $\frac{261' + 248'}{2} \times 30 = 12 \frac{1}{4}' =$

31570 वर्ग फीट ।

सीमा

उत्तर : सैट नं० 76

दक्षिण : सैट नं० 74

पूर्व : रोड़

पश्चिम : पानी का नाला

दस्तावेज नं० 6168/74-75 ता० 10-2-75 ।

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

तारीख : 29 अगस्त, 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निदेश सं० 62/4658/74-75:—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 74 है, जो राजाजी नगर, बंगलूर-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर, बंगलूर-10 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० एस० चकपानी सपुत्र सुब्रह्मण्यन चेठियार 1/4 श्री नरसिंहराजा रोड़, बंगलूर-2 (172-10th मैन रोड़ I ब्लॉक जयनगर बंगलूर-11 में रहने वाले)।

(अन्तरक)

2. श्री आर० वेंकटेशन सपुत्र एस० रंगनाथम, 38-टाउन रेलवे स्टेशन रोड़, सेलम-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(दस्तावेज नं० 6591/74-75 ता० 3-3-75)।

खाली भूमि नं० 74 राजाजी नगर, इन्डस्ट्रियल सबर्ब राजाजी नगर, बंगलूर-10।

विस्तीर्ण:—पूरब पश्चिम :  $248' + 236' - 6''$  } = 30000 वर्ग फीट (करीब)

2

उत्तर-दक्षिण : 124'

सीमाएं:—उत्तर: सैट नं० 75

दक्षिण : सैट नं० 73

पूरब : सड़क

पश्चिम : पानी का नाला

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 4-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 10 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 107/75-76—यतः, मुझे,  
के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 5-6-39 करीम नगर में है जो करीमनगर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीम नगर में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 6-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की  
(उपधारा 1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. (1) श्री मुरली धर पुत्र सीताराम अत्तल } निझामाबाद  
(2) श्री मुरली धर पुत्र नरसिंग दास }  
(3) श्री द्वारका दास पुत्र बदरी नाथ सोनी }  
(अन्तरक)

2. (1) श्री कक्कीराला जनार्दन }  
(2) श्री आर० विजय कुमार }  
(3) श्री एम० कैलासम् } करीम नगर  
(4) श्री गंजी अजप्पा }  
(5) श्री जी० प्रकाश }  
(6) श्री जी० सुधाकर }  
(7) श्री जी० शंकर } (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० 5-6-39 बुरुडवाडी (म्यादारी बाड़ा) और  
खुली जमीन तथा चौहखु, और शेड जो करीम नगर में स्थित  
है।

के० एस० वेंकट रामन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 10-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 108/75-76—यतः, मुझे,  
के० एस० वेंकट रामन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 5-6-39 का भाग करीम नगर है, जो करीमनगर  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करीम नगर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 6-1-1975

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—266GI/75

1. (1) श्री मुरलीधर पुत्र सीताराम अत्तल  
(2) श्री मुरलीधर पुत्र नरसिंग दास  
(3) श्री द्वारका दास पुत्र बदरीनाथ सोनी } निक्षामाब  
(अन्तरक)

2. (1) श्री कक्कीराला जनार्दन  
(2) श्री आर० विजय कुमार  
(3) श्री एम० कैलाशम्  
(4) श्री गंजी अंजय्या  
(5) श्री जी० प्रकाश  
(6) श्री जी० सुधाकर  
(7) श्री जी० शंकर } करीमनगर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—5-6-39 का भाग जो बुरुडगल्ली, करीम नगर  
में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 3835=51 वर्ग गज है।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 11 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 109/75-76—यतः, मुझे,  
के० एस० वेंकट रामन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भाग नं० 2-11-30 प्लॉट नं० 5 है, जो  
सरदार पटेल रोड में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 2-1-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
'अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हुसमुतुनीसा बैगम पती स्वर्गीय नवाब जहीर  
यारजंग, सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद (अन्तरक)
2. श्री जै नारायण मिसरा सुपुत्र स्वर्गीय पण्डित राम  
किशोर मिसरा, निवास सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद  
ए-लीकेनहा रेड्डी पिता ए० राम रेड्डी एच० क्वा०  
3-5-907/2 हीमायत नगर हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सम्पत्ति —भाग घर नं० 2-11-30 प्लॉट नं० 5 में सरदार  
पटेल रोड के पास सिकन्दराबाद-विस्तीर्ण नं० 757.77 वर्ग गज ।

के० एस० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 11-9-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद,

हैदराबाद, दिनांक 16 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 116/75-76—यतः, मुझे,  
(के० एस० वेंकट रामन)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० खुली जमीन "जैसे कि तकया अहमद अलीशाह- अल-फातीम  
बी" जो दोमल गुड्डा, हैदराबाद में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 15-1-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अजीजुनीसा बेगम पत्नी स्वर्गीय भीकन अलीयास  
जान मुहम्मद, निवासी 3-2-773, राहमत बाग, चाप्पल  
बाजार, हैदराबाद ।

2. श्रीमती अहमदुनीसा बेगम पुत्री शेक भीकन अलीयास  
जान मुहम्मद, निवासी 3-2-773 राहमत बाग, चाप्पल  
बाजार, हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्री मुहम्मद ईसमाइल 14-11-101 मनगल हाट के  
पास हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति —खुली जमीन 300 वर्ग गज जैसा कि "तक या  
अहमद अली फातीमा बी दोमल गुड्डा बशीर बाग, हैदराबाद ।"

एस० के० वेंकट रामन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 115/75-76—यतः, मुझे,  
के० एस० बेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1-10-179 से 206 बेगमपेट है, जो सिकन्दरा-  
बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 6-1-1975 को

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-  
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'आयकर  
अधिनियम', 1961 (1961 का 43) के  
अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य  
प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम  
1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री मीराज अहमद खान, अमीरपेट, हैदराबाद
- (2) श्री एराज अहमद खान, बेगमपेट, हैदराबाद
- (3) श्री वारूज अहमद खान अमीरपेट, हैदराबाद
- (4) श्री खुशरू एम० खान, बेगम पेट, हैदराबाद  
जिसका मुख्तार नामाधार श्री नौशीर एम० खान
- (5) (a) श्रीअजीज अहमद खान, बेगमपेट, हैदराबाद
- (b) श्रीमती रशीदा बेगम, बेगमपेट, हैदराबाद
- (i) श्रीमीराज महमद खान, बेगमपेट हैदराबाद
- (ii) श्रीमनसब अहमद खान, बेगमपेट
- (c) श्रीमती अम्मीना बेगम, बेगमपेट
- श्रीमती रजिया बेगम, बेगमपेट (अन्तरक)

2. सैसर्स उमाकरन तेजकरन, सुपुत्र स्वर्गीय राजा धर्म करन,  
8-2-547, बंजारा हिल्स, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति :—मकान नं० 1-10-179 से 206 तक जिसका  
क्षेत्रफल 9000 वर्ग गज जिस पर मकान खड़ा है जो बेगमपेट  
सिकन्दराबाद में स्थित है।

के० एस० बेंकट रामन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-9-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 16 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आर० ए० सी० 117/75-76—यतः, मुझे,  
के० एस० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 5-8-44 फतेसुलतान लेन है, जो हैदराबाद  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन तारीख 27-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अकतरुन्नीसा बेगम पत्नी मिरजा अहमद अली  
बेग, 5-8-43 फतेसुलतान लेन हैदराबाद । (अन्तरक)

2. श्रीमती सुसीसा सुपुत्री एम० शनतम्मा, 5-8-5 नामपल्ली,  
हैदराबाद (अन्तरिती)

3. नतु लाल जी सेनीटरी इन्जीनियर घन फाउन्ड्री  
हैदराबाद (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति —तमाम बाग नं० 5-8-44 फतेसुलतान के पास  
हैदराबाद विस्तर्न 498 वर्ग यार्ड ।

के० एस० वेंकट रामन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 16-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता, का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 10 सितम्बर 1975

निर्देश सं० टि० आर०-327/सि० 304/कल०-I/74-75—

यतः, मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है  
और जिसकी सं० 9 और 9/1 है तथा जो राम हरिमिस्त्रि  
लेन कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
5 गवर्नमेंट प्लेस नाम कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-1-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलाई चन्द घोष (अन्तरक)

2. श्री राम नारायण साहू (अन्तरिती)

3. श्री करुणा दास (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

9 और 9/1, राम हरि मिस्त्री लेन, कलकत्ता में अवस्थित  
लगभग 3 कट्टा, 8 छटांक जमीन पर वो कुछ एकतल्ला निवास का  
मंजिल।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

तारीख : 10-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता-16, दिनांक 10 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० सी० 16/अ० रे०-5/कलकत्ता/75-76—  
यतः, मुझे, एस० एस० इनामदार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 234 है तथा जो गोपाल लाल ठाकुर रोड,  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
काशीपुर, बमदम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 31-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विलीप कुमार चटर्जी (अन्तरक)
2. श्री चितरंजन साहा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

### अनुसूची

भूमि का क्षेत्र इमारत सहित 5 रु० 7 छ० 21 वर्ग फी० है  
जिसका 1/2 अविभाजित हिस्सा, नं० 234, पाल लाल ठाकुर  
रोड, थाना, बाराबर, कलकत्ता, पर स्थित है। दलील नं०  
907 तारीख 31-1-1975।

एस० एस० इनामदार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-5, कलकत्ता-16

तारीख : 10-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता 5, का कार्यालय

कलकत्ता-16, दिनांक 8 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० सी० -15/अ० रे०/कलकत्ता/75-76—यतः,  
मुझे, एस० एस० इनामदार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 59 है तथा जो सी० आई० टी० सूची नं० IV 'म'  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदाह,  
24 परगना में है रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 3-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मती शान्ति घोष (अन्तरक)
2. श्री देव ज्योति बर्मन राय तथा श्रीमती गीता बर्मन राय  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि का नाप 4 क० 1 छ० है जो सी आई० टी० सूची नं०  
IV 'म' के अधीन सं० 59 में है। रास्ते का नाम-3, सुराह तीसरा  
रास्ता थाना—बेलियाघाटा, कलकत्ता दलील नं० 8 तारीख  
3-1-1975

एस० एस० इनामदार,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता-16

तारीख : 8 सितम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता-16, दिनांक 8 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० सी० 14/अ० रे०-5/कलकत्ता/75-76—

यतः, मुझे, एस० एस० ईनामदार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० मौजा—बाल्टीकुरी है तथा जो थाना—जोगधा  
जिला—हावड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 17-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

9—266GI/75

(1) श्री माहताब मोल्ला, (2) आखदार रहमान मोल्ला,  
(3) ओसमान मोल्ला, (अन्तरक)

(2) (1) सुनील कुमार दास, (2) अनिल कुमार दास  
(3) अजित कुमार दास (4) रंजीत कुमार दास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि का क्षेत्र 1 बीघा 10 कट्ठाह 1 छ० 23 वर्ग फीट है जो  
मौजा —बाल्टीकुरी थाना—जोगधा, जिला—हावड़ा में स्थित  
है।

दलील नं० 404 तारीख 27-1-1975 ।

एस० एस० ईमानदार,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता-16

तारीख : 8-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री अशीश कुमार चटर्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री चितरंजन साहा

(अन्तरिती)

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कलकत्ता-16, दिनांक 10 सितम्बर 1975

निर्देश सं० ए० सी० 17/अ० रे०-5/कलकत्ता/75-76--  
मतः, मुझे, एस० एस० ईनामदार,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 234 है तथा जो गोपाल लाल ठाकुर रोड  
कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
काशीपुर दम-दम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन तारीख 31-1-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि का क्षेत्र इमारत सहित 5 क० 7 छ० 21 वर्ग फी०  
है जिसका 1/2 अविभाजित हिस्सा, नं० 234, गोपाल लाल ठाकुर  
रोड, धाना बारानागर, कलकत्ता, पर स्थित है।

दलील नं० 908 ता० 31-1-1975।

एस० एस० ईनामदार,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता-16।

तारीख : 10-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 4 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 247/ए० सी० क्यू० 23-387/19-7/74-75—  
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 13-1 रे० सं० नं० 4, (प्लॉट नं० 22  
पैकी 246 वर्ग गज है, तथा जो ग्रथवा लाइन्स, सूरत में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-1-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई  
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थीतः—

1. श्री गिरधर लाल पूनम चन्द शाह स्वयं और एच० यू०  
एफ० को कर्ष की हेसियत में, शान्ता बेन, गिरधर लाल पूनम  
चन्द शाह की पत्नी, रमेश चन्द्र गिरधारी लाल शाह महेश चन्द्र  
गिरधर वकील हरीपुरा, मिथानी बाड के पास, सूरत  
(अन्तरक)

2. मे० आनन्द लेन्ड कार्पोरेशन अपने दास सहियारी द्वारा  
(1) मल्लिका गिरीश चन्द्र गोलवाला, (2) रजनी कान्त बाबूभाई  
गोलवाला, (3) रविकान्त दामोदर दास गजर, (4) तारामनी  
बालकृष्ण गजर, (5) बिपिन चन्द्र गुलाब दास दलाल, (6)  
परेश बसंत लाल दलाल, (7) प्रेमीभाई गोकल भाई पटेल, (8)  
ठाकोर भाई गोकल भाई पटेल, (9) सुमन भाई खंडू भाई देसाई  
(10) रेनुका भरत कुमार देसाई। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 13-1 बाड नं० 13, नोछ  
नं० 4 प्लॉट नं० 12 पैकी कुल माप 247 वर्ग गज है तथा जो ग्रथवा  
लाइन्स, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत  
के जनवरी 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 375 में प्रदर्शित  
है।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, ग्रहमदाबाद

तारीख : 4-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन० एस०—

1. श्री छज्जू

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री अमीर अम्बास व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 23 अगस्त 1975

निर्देश सं० ए०-51/अर्जन—यतः, मुझे, बिशम्बर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ..... है तथा जो ग्राम पंजूर सराय तह० अमरोहा मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमरोहा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) के अधीन तारीख 10-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक किता अराजी भूमि धरी जिसका रकबा 6 एकड़ 6 डि० है। मय एक हवेली के जो कि ग्राम पंजूर सराय तह० अमरोहा जि० मुरादाबाद में स्थित है।

बिशम्बर नाथ,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 23-8-1975

मोहर :



प्ररूप आर्ई० टी० एन० एस०-----

1. श्री मयुरा

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

2. श्री रमेश चन्द्र व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 23 अगस्त 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० आर०-64/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० चक 164 है तथा जो ग्राम खमरिया तह०  
बिस्वा सीतापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
बिस्वा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन 5-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

एक किता आराजी भूमि धरी चक नं० 164 जिसका रकबा  
13.38 एकड़ है। जो कि ग्राम खमरिया तह० बिस्वा जिला  
सीतापुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

तारीख : 23-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 15 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 3-103/अर्जन/75-76/1069—यतः, मुस, ज्योतीन्द्र नाथ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हो० नं० 239/383 ब वा० सं०-2 है, तथा जो फ्रेजर रोड पटना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री गेन्दा लाल अग्रवाल वल्द श्री राम चन्द्र अग्रवाल फ्रेजर रोड, थाना—कोतवाली, पटना (अन्तरक)

2. श्रीमती मनोरमा देवी जोड़े श्री गोविन्द प्रसाद गुप्ता वी श्री कैलाश प्रसाद गुप्ता वल्द श्री नानक चन्द अग्रवाल फ्रेजर रोड, थाना—कोतवाली, पटना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मय मकान, फ्रेजर रोड, पटना तौजी नं० 673 हो० नं० 239/343 ब सं० नं० -6 वा० नं०-2 जो कि दस्तावेज दिनांक 22-1-1975 में पूर्णतया वर्णित है।

ज्योतीन्द्र नाथ,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार, पटना

तारीख : 15-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 10 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 2384/74-75—यतः मुझे, जी० वी० झाबक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 818, 819, विष बाजार है जो कि स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-III, कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट सं० 251/75) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कर्सेन मौजि पटेल और विश्रम मौजि पटेल (अन्तरक)
2. (1) वाण्डेव रोचिरम;  
(2) श्री टुलसिदास रोचिरम;  
(3) भगवन्दास रोचिरम;  
(4) श्री जगदीश रोचिरम;  
(5) श्रीमती गोपिनाथ रोचिरम;  
(6) श्री गोविन्द रोचिरम (मैनर);  
(7) श्री पिशु रोचिरम (मैनर);  
(मैनर का घाडियन—श्रीमती गोपिनाथ रोचिरम (अन्तरिती))

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, विष बाजार स्ट्रीट, डोर सं० 818, 819 में मकान और भूमि (3097 स्क्वयर फीट) (टी० एस० सं० 5/970 (नया) वार्ड सं० 5, कोयम्बतूर)।

जी० वी० झाबक,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-2, मद्रास।

तारीख : 10 सितम्बर, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर, 1975

निदेश सं० 3236/74-75—यतः मुझे, जी० वी० झावक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० डोर सं० 16, नार्थ ईस्ट एक्सटेंशन, तिल्लै नगर, तिरुचि में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०एस०आर० तिरुचि (आकुमेट सं० 18/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) (1) आर० कृष्णसामि रेडियार;
- (2) आर० के० रेंगराज,
- (3) आर० के० रामराज
- (4) आर० के० सुन्दर राज;
- (5) आर० के० जनक राज; (अन्तरक)

(2) श्री वि० इ० ए० एल० सिद्ध अल्लघघन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

तिरुचि तिल्लैनगर, नार्थ ईस्ट एक्सटेंशन, डोर सं० 16 में मकान और भूमि (टी० एस० सं० 44; ब्लाक सं० 4 और वार्ड सं० 3)

जी० वी० झावक,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 10-9-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1975

निदेश सं० /9/21/74—यतः मुझे, जी० रामनातन आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० 15 और 16, सेम्बीयम, मद्रास है, जो में स्थित है (और इसे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16 जनवरी, 75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से

कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा 10—266GI/75

(1) इन्डिया पिस्टन्स रेपको लिमिटेड, मद्रास-2 (अन्तरक)

(3) इन्डिया पिस्टन्स लिमिटेड मद्रास-11 (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास, सेम्बीयम टी० एस० सं० 15 और 16 में मकान और 53 अउन्ड और 3837 स्कुयर फीट की भूमि में पट्टा का असमाप्त भाग

जी० रामनातन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख 10-9-75

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा-269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14-ए आसफ अली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/11/800/75-76-3578-  
यत० मुझे, च० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 33 (न्यू) क 1/3 भाग है, जो कच्चा चौधरी चांदनी चौक दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. चन्द्र कांता देवी, पत्नी डा० आर० एस० शर्मा,

(2) श्रीमती श्री देवी शर्मा, पत्नी श्री अरोहन्त देव शर्मा  
निवासी 5219, कोहलातुर रोड, जवाहर नगर,  
दिल्ली-7 (अन्तरक)

2. श्रीमती तारामणी, पत्नी श्री रामेश चन्द, निवासी 8940  
शीदीपुरा, दिल्ली

(2) श्रीमती गुलाब देवी, पत्नी श्री मुरली मनोहर,  
निवासी 8723, शीदीपुरा, दिल्ली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बांद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

डाई मंजिला जायदाद का 1/3 अविभाजित भाग जो कि फ्रीहोल्ड जायदाद का मकान जिसका म्यूसिपल नं० (पुराना) 8, तथा (नया) 33 है तथा वार्ड नं० 4 है और जो कि कच्चा चौधरी चांदनी चौक, दिल्ली में प्लॉट को भूमि पर जिसका कुल क्षेत्रफल 181 वर्ग गज है तथा जो कि निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : स्ट्रीट

पश्चिम : साझी दिवार

उत्तर : अन्य जायदाद

दक्षिण : अन्य जायदाद

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—नं० /2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 10 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, तारीख 10 सितम्बर, 1975

निर्देश आई० ए० सी०/एक्यू०/11/868/75-76/3578—

यत्तः, मुझे, चं० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी 33 (न्यू) का 1/3 भाग है, जो कुच्चा चौधरी, चांदनी चौक दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-1-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :—

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. चन्द्र कांता देवी, पत्नी डा० आर० एस० शर्मा, तथा श्री सत्या देव शर्मा, सुपुत्र डा० आर० एस० शर्मा निवासी 5219, कोलाहपुर रोड, जवाहर नगर, दिल्ली-110007, (अन्तरक)
2. श्री प्राण नाथ, सुपुत्र श्री केदार नाथ निवासी 8918 शीदीपुरा, दिल्ली  
(2). श्री जय भगवान, सुपुत्र श्री भगवान, सुपुत्र जय नारायण, निवासी 965, तीमारपुर, दिल्ली-7 (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आई मंजिला जायदाद 1/3 अविभाजित भाग जो कि फोहोल्ड जायदाद का मकान जिसका मुन्यसिपिल नं० (पुराना) 8, तथा (नया) 33 है तथा बार्ड नं० 4 है और जो कि कुच्चा चौधरी, चांदनी चौक, दिल्ली में प्लाट की भूमि पर जिसका कुल क्षेत्रफल 181 वर्ग गज है तथा जो कि निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : स्ट्रीट

पश्चिम : सानी दिवार

उत्तर : अन्य जायदाद

दक्षिण : अन्य जायदाद

चं० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 10 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली तारीख 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-11/86/75-76/3578—

यतः मुझे, च० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और सं० के-4 (1/3 भाग) है, जो माडल टाउन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में दूर्य रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19-6-75—पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्घरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शान्ती देवी, पत्नी डा० लाल चन्द गुप्ता निवासी 71-डी, कमला नगर, सब्जी मन्डी, दिल्ली-7 (अन्तरक)
2. श्री बलबीर सिंह मलहोत्रा, सुपुत्र श्री गुरदीत सिंह, मलहोत्रा, निवासी 17/1, शक्ति नगर, दिल्ली-7 (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मंजिला जायदा का 1/3 भाग जिसका क्षेत्रफल 277.4 वर्गगज है तथा जोकि प्लॉट नं० 4, ब्लॉक के में० माडल टाउन में स्थित है तथा मलोकपुट्ट छानो, दिल्ली राज्य, दिल्ली गांव के क्षेत्र में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्लॉट नं० के-5

पश्चिम : प्लॉट नं० के-2

उत्तर : प्लॉट नं० -1/3

दक्षिण : सड़क

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—1/2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 9 सितम्बर, 1975

मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14-ए, आसफ अली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक, 10 सितम्बर, 1973

सं० आई० ए० सी०/एक्यू० II/869/75-76/3578—

यतः मुखे, चं० वि० गुप्ते

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० 33 (न्यू०) का 1/3 भाग है, जो कुच्चा चौधरी चांदनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी का कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती चन्द्र कान्ता देवी, सुपुत्री डा० आर० एस० शर्मा,  
(2) श्रीमती गार्गी देवी शर्मा, पत्नी श्री अपराजीत देव शर्मा,  
निवासी 5219, कोहलापुर रोड, जबहर नगर, दिल्ली-7  
(अन्तरक)

2. श्रीमती रुक्मणी देवी, सुपुत्री श्री भालू राम, निवासी  
एच०-1/73, न्यू० सीलमपुर, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्घाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

जायदाद का 1/3 अविभाजित भाग जिसका मुन्यसिपल नं० पुराना 8 तथा 33 न्या तथा व.ई नं० 4, जोकि कुच्चा चौधरी, चांदनी चौक, दिल्ली में प्लॉट की भूमि पर जिसका कुल क्षेत्रफल 181 वर्गगज है तथा जो निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व :— स्ट्रीट  
पश्चिम :— संयुक्त दिवार  
उत्तर :— अन्य जायदाद  
दक्षिण :— अन्य जायदाद

चं० वि० गुप्ते,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज—1/2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 10-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14 ए, असफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक, 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/86/75-76/3578—  
यत : मुझे, च० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० के-4 (1/3 भाग) है, जो माडल टाऊन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शांति देवी, पत्नी श्री लाल चन्द गुप्ता निवासी 71-डी, कमला नगर, सञ्जी मण्डी दिल्ली-7 (अन्तरक)

2. श्री जोगिन्द्र सिंह मलहोत्रा, सुपुत्र श्री गुरदित सिंह मलहोत्रा, निवासी 17/1, शक्ति नगर, दिल्ली-7 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

आईमंजिला जायदाद का 1/3 भाग जिसका क्षेत्रफल 277.4 वर्गगज है तथा जोकि प्लॉट नं० 4, ब्लाक नं० के में माडल टाऊन में स्थित है तथा मलोकपुर छाती, दिल्ली राज्य, दिल्ली गांव के क्षेत्र में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व :— प्लॉट नं० के-5

पश्चिम :— प्लॉट नं० के-2

उत्तर :— प्लॉट नं० के-1/3

दक्षिण :— सड़क

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1/2, दिल्ली नई दिल्ली-1

दिनांक : 9 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14-5 ए, आसफ अली रोड नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक, 9 सितम्बर, 1975

सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/864/75-76/35789—

यतः मुझे च० वि० गुप्ते,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० के-4 (1/3 भाग) है, जो माडल टाऊन, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयो-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः—

1. श्रीमती शांति देवी, पत्नी श्री लाल चन्द गुप्ता  
71-डी, कमला नगर, सखी मंडी, दिल्ली-7 (अन्तरक)

2. श्री गुरदीत सिंह मलहोत्रा, सुपुत्र श्री जैदयाल मलहोत्रा,  
निवासी 17/1, शक्ति नगर, दिल्ली-7 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी, अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हाई मंजिला जायदाद का 1/3 भाग जिसका क्षेत्रफल 277.4 बर्गगज है तथा जोकि प्लॉट नं० 4, ब्लाक नं० के में माडल टाऊन में स्थित है तथा मलोकपुर चिनोए, दिल्ली राज्य, दिल्ली गांव के क्षेत्र में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व :— प्लॉट नं० के-5  
पश्चिम :— प्लॉट नं० के-2  
उत्तर :— प्लॉट नं० के-1/3  
दक्षिण :— सड़क

च० वि० गुप्ते,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज—1/2, दिल्ली नई दिल्ली-1

दिनांक : 9 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/867/75-76/3578—यतः मुझे च० वि० गुप्ते,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 60 तथा 61 के बीच में खसरा नं० 153/60 है, जो दरयागंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती चमेली देवी, पत्नी श्री चेडी लाल, सुपुत्री स्वर्गीय श्री कोकी मल, निवासी शेख सराए, बलन्द शहर, (यू० पी०) (अन्तरक)

2. श्री मोहिन्द्र सिंह, सुपुत्र चौधरी हरी सिंह, निवासी X/634, गंज मीर खान, दरयागंज, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लीजहोल्ड प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 52.35 वर्ग गज है तथा जोकि प्लॉट नं० 60 और 61 के बीच, दरयागंज (दक्षिण) में खसरा का नं० 153/56, रवेन्यू इस्टेट, दरयागंज, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व :— प्लॉट नं० 61 मुन्यसिपल नं० X1/4983-84

पश्चिम :— प्लॉट नं० 60 मुन्यसिपल नं० X1/5000

उत्तर :— खुली भूमि

दक्षिण :— दयानन्द रोड

च० वि० गुप्ते,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक : 10 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-1

4/14 ए आसफअली रोड, अग्रवाल बिल्डिंग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० II/एस०आर० III/फरवरी/  
204(II) 74-75/3575—यतः, मुझे एस० सी० परोजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 60/13 ओल्ड राजिन्दर नगर है, जो नई दिल्ली  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
28-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे,  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. श्री गोपालजी भाई पुत्र श्री राला भाई (रजि० जर्नल  
अर्दानी श्री जसबीर सिंह पुत्र डा० प्रेम सिंह चावला)  
निवासी 5/30, ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री चतुर लाल पुत्र श्री लाउजी निवासी 50/13 ओल्ड  
राजिन्दर नगर, नई दिल्ली, । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लोजहोल्ड पर सरकारी क्वार्टर न० 60/13 प्लाट का  
क्षेत्रफल 85.9 वर्ग गज जो कि ओल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली  
में है।

एस० सी० परोजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज- 3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 6-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, दिल्ली-1 4/14ए आसफअली रोड,

अप्रवाल बिल्डिंग, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 6 सितम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० III/एल० आर० II/जन०/  
755 (18)/74-75/3575—यतः, मुझे एस० सी० परोजा  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 1/3 भाग (अविभाजित) है, जो जेड-2, राजौरी  
गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई  
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 16-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती पुष्पा रानी पत्नी श्री सैन दास आनन्द, द्वारा मोती  
महल, 116 वाटर फोल्ड मार्ग, (टर्नर रोड), बांद्रा, बोम्बे-50  
(अन्तरक)

2. श्री हरबन्स सिंह पुत्र श्री अर्जन दास जेड-2, राजौरी  
गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

3. श्री रामशेर सिंह, जेड-2, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/3 भाग डई मजिलों जायदाद का जिसका न० जेड-2 राजौरी  
गार्डन, नई दिल्ली साथ में जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 778  
वर्ग गज जो कि गांव तातारपुर नई दिल्ली में निम्न सीमाओं से घिरा  
है :—

पूर्व : मकान न० जेड-3, और जेड-3ए

पश्चिम : मकान न० जेड-1

उत्तर : मकान न० जे०-205 और जे० 206 और जे०-206ए

दक्षिण : सड़क

एस० सी० परोजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 6-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

4/14 ए आसफअली रोड, अग्रवाल बिल्डिंग, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 6 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० III/एस० आर० II/जन०/  
756(19)/74-75/3575---यतः, मुझे एस० सी० परोजा  
आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 2/3 भाग (अविभाजित) है, जो जेड-2 राजौरी  
गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था, या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पुष्पा रानी श्री सैन दास आनन्द द्वारा मोती  
महल, 116 वाटरफोल्ड मार्ग, (टर्नर रोड) बांद्रा-  
बोम्बे-50 (अन्तरक)।

2. श्री अजीन्दर पाल सिंह पुत्र श्री हरबन्स सिंह, जेड-2,  
राजौरी गार्डन नई दिल्ली (अन्तरिती)।

3. श्री शमशेर सिंह, जेड-2 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

2/3 भाग जायदाद न० जेड-2 राजौरी गार्डन, नई दिल्ली साथ  
में जमीन का प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 778 वर्ग गज जो कि गांव  
ततारपुर नई दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरा है :—

पूर्व : मकान न० जेड-3 और जेड-3ए

पश्चिम : मकान न० जेड-1

उत्तर : मकान न० जे०-205, जे०-206 और जे०-206ए

दक्षिण : सड़क

एस० सी० परोजा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 6-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनां 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एम० आर०/इंदौर/21-1-75—अतः, मुझे एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है। और जिसकी सं० मकान बना हुआ है, जो परदेशीपुरा नं० 7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-1-75 पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य से उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अन्तर्गत्, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती विरदीबाई विधवा सुन्दरलाल 13 सविलामाता बाजार इन्दौर (अन्तरक)।
2. श्री लोकेन्द्र कुमार पिता निर्मल कुमार संरक्षक माता मजलीबाई पत्नी निर्मल कुमार 13 सविलामाता बाजार इन्दौर (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान बना हुआ जूना पीठा नं० 32 कलाथ मार्किट नं० 7 परदेशीपुरा नं० 6 इन्दौर

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 8-8-75  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एस० आर०/उज्जैन/16-1-75—यतः, मुझे एम० एफ० मुंशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 243/18 खुला प्लॉट नं० 3 है, जो दशहरा मंदान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुरेंद्र कुमार बल्द टीकमलाल माधव नगर उज्जैन (अन्तरक)

2. श्री सुरेंद्र सिंह (2) श्रीरेंद्र सिंह (3) निरेंद्र सिंह कन्यान करोसिन उज्जैन (अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

243/18 खुला प्लॉट नं० 3 (एक हिस्सा सुनिश्चित नं० 6 1027) दशहरा मंदान, उज्जैन) ।

एम० एफ० मुंशी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 9 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निदेश सं० एम० आर०/दमोह/ 17-1-75—अतः, मुझे, एम० एफ० मुंशी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० हल्के नं० 59 है, जो गल्लामंडी प्लॉट नं० 17 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, दमोह में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-1-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरी चन्द बल्द करम चन्द सालूजा पंजाबी निवास चिरमिनी तह महेंद्रगढ़ जिला-सरगुजा

2. श्री रमेशवर प्रसाद (माइनर) बल्द प्रसोतमदास (2) सुरेंद्र कुमार (माइनर) बल्द देवीनन्दन छिन्दवाड़ा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

हल्का नं० 59 आर० आई० नं० 356 प्लॉट नं० 17 मोहल्ला मां गंज नं० 2 दमोह ।

एम० एफ० मुंशी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

तारीख : 9-9-1975

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निदेश सं. एम० आर०/इंदौर/27-1-75—अतः मुझे एम०  
एफ० मुंशी आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3 है, जो जमनानगर कालौनी में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इंदौर में रजिस्ट्रीकृत अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-1-75 को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधीनतः:—

1. श्री शिवसिंह वल्द नारायण सिंह चौहान निवास 37  
जही कालौनी इंदौर (अन्तरक)

2. श्री हीरा लाल खतरी वल्द सबूदयाल निवास परदेशी  
पुरा रोड नं० 7 म० नं० 11 इंदौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक हिस्सा प्रोपर्टी का प्लॉट नं० 3 जमनानगर कालौनी  
इंदौर

एम० एफ० मुंशी,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 9-9-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एम० आर०/सागर/30-1-75—अतः, मुझे एम० एफ० मूशी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान का आधा हिस्सा है, जो तिलकगंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री निबुवावाले बद्रस द्वारा मैनेजिंग पार्टनर प्रेमचन्द बल्ल जमनाप्रसाद सागर (अन्तरक)।
2. श्री विमलचन्द चन्द गजाधर प्रसाद तह० रेहली जिला सागर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा हिस्सा मकान बना हुआ हाकगंज ग्रीन मार्केट तिलकगंज वार्ड तह० और जिला सागर।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 9-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निदेश सं० एम० आर०/इन्दौर/27-1-75—अतः, मुझे,  
एम० एफ० मुंशी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है और

जिसकी सं० मकान नं० 17 है, जो व्याकेट मार्केट में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 27-1-75

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चन्द्रा भान बलद अमलदास निवास राधा नगर इंदौर  
(अन्तरक)

2. श्रीमती ईश्वरी बाई पति भगतमल ब्लाक नं० 17  
व्याकेट मार्केट इंदौर  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 17 व्याकेट मार्केट, इंदौर

एम० एफ० मुंशी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निदेश सं० एम० आर०/इन्दौर/22-1-75--अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि बनी हुई है जो चितावद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22 जनवरी 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती अस्लेश पुत्री चन्द्र कांत होलकर

(2) श्रीमती मानिनी पुत्री चन्द्रकांत निवास 62 न्यू प्लामिया इंदौर। (अन्तरक)

2. श्री विजय ट्रेनिंग कं० एजि० 52 ऊषा गन्ज मैन रोड इंदौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बनी हुई भूमि चितावद इंदौर में नीमावर रोड इंदौर।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1975  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निदेश सं० एम० आर०/इंदौर/22-1-75—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि बनी हुई है, जो चितावद में स्थित है (और इससे उभावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और / या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूची में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती अस्लेशा पुत्री चन्द्रकांता होलकर

(2) श्रीमती मानिकी पुत्री चन्द्रकांता निवास 62 न्यू प्लासिया इंदौर (अन्तरक)

2. श्री विजय ट्रनिंग कं० रजि० यू 52 ऊषा गंज मैन रोड, इंदौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बनी हुई भूमि चितावद इंदौर में नीमावर रोड इंदौर

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 9-9-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पर्यटन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निदेश सं० एस० आर०/इंदौर/22-1-75—अतः, मुझे  
एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम

961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम', कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि है, जो चितावद में स्थित है (और इससे  
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता

अधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन 22-1-75 को पूर्वोक्त  
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) अस्लेशा पुत्री चन्द्र कान्त होलकर

(2) श्रीमति मानिकी पुत्र चन्द्रकांत निवास न्यू प्लाकिया  
62 इंदौर (अन्तरक)

3. विजय ट्रेनिंग कं० रजि० 52 ऊषागंज मैन रोड, इंदौर  
(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि चितावद इंदौर में नीमावर रोड, इंदौर

एम० एफ० मुन्शी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पर्यटन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निदेश सं० एम० आर०/रायपुर/10-1-75—अतः, मुझे एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 30 है, जो पंचशील नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रेम चन्द जैन वलद सुधर, मल पंचशील नगर, रायपुर (अन्तरक)

2. श्री रमेश कुमार वलद बनसीदास मास्टर दिनेश कुमार नं० ब० पंचशील नगर, रायपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 30 बंगलौर पंचशील नगर, रायपुर।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 9 सितम्बर 1975

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निदेश सं० एस० आर०/इन्दौर/28-1-75—अतः, मुझे,

एम० एफ० मन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 162 है, जो रानीपुरा मैन रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-1-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हाजी हाथामअली वल्द हाजी हसन अली निवास 15 बैहरा बाखल, इन्दौर (अन्तरक)।

2. (1) श्री अली हुसैन (2) मुफल भाई वल्द हाजी हाथम अली निवास 15 बैहरा बाखल, इन्दौर (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 162 (पुराना नं० 8 और 10) रानीपुरा मैनरोड, इन्दौर

एम० एफ० मन्शी

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

दिनांक : 9 सितम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री हेमराज लक्ष्मन दास सिंधी सिमिनी जिला रायपुर  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्री सागरमल प० शिव नारायण अग्रवाल रायपुर  
(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भोपाल अर्जन-रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० एस० आर०/रायपुर/22-1-75 :—अतः, मुझे एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० महान है, जो सदर बाजार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 12/1943 और 12/195 रायपुर।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 9 सितम्बर 1975

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एस० आर०/शहडोल/15-1-75—अतः, मुझे  
एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि

स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 107 है, जो शहडोल में स्थित है  
(और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहडोल में रजिस्ट्रीकृत  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-1-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री केदार नाथ ढोड़ी पिता स्व० फकीरचन्द निवास तह०  
सुहागपुर जिला शहडोल (अन्तरक)

2. श्रीमती संतोष ढोड़ी पत्नी केदारनाथ ढोड़ी निवास शहडोल  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-  
नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

वाई नं० 16 नगर पालिका क्षेत्र स्थित शहडोल भूमि खसरा  
नं० 107 पर बने मकान दो खण्ड पूरा भाग और उससे लगी हुई  
भूमि एवं इमारत वगैरह का आधा भाग।

एम० एफ० मुन्शी  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 9 सितम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एस० आर०/रायपुर/9-1-75—अतः, मुझे,  
एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, जो बूढ़ापारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-ब की उपधारा ) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती जसमुति पति चन्दूलाल, तहसील महासमुद, जिला रायपुर। (अन्तरक)

2. श्री जमनादाम वल्द जगजीवन सोनी, बूढ़ापारा जिला रायपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ख० नं० 2018/2 का भाग रकबा 0.20 डिस० लगा नं० 22 पै० जमीन पर बना पक्का मकान एक मंजिला तहसील महासमुद, जिला रायपुर।

एम० एफ० मुन्शी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9 सितम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एम० आर०/रायपुर/1-1-75—अतः, मुझे,  
एम० एफ० मुन्शी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 9/352 है, जो बूढ़ापारा में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधि-  
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-1-75 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम;  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सर्वश्री (1) भंवर लाल वल्द रतन लाल, (2) विजय  
कुमार वल्द भंवरलाल, (3) अजय कुमार वल्द भंवरलाल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रम्माबाई जोर्जे पुखराज गोलदा, बूढ़ापारा,  
रायपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाह में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

एक पुराना मकान म० नं० 9/352 एवं 9/353, बूढ़ापारा,  
रायपुर।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9 सितम्बर 75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एम० आर०/रायपुर/16-1-75—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 4/835 है, जो फाफाडिह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राधाबाई बेवा पी० एस० नारायण राव साकिन फाफाडिह, रायपुर। (अन्तरक)

2. श्री केशवजी बलद रतनसी साहब, फाफाडिह, जिला रायपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसन्धी

वैयशुदा मकान नं० 4/835 वा के शहर रायपुर फाफाडिह तहसील जिला रायपुर।

एम० एफ० मुन्शी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एम० आर०/रायपुर/27-1-75—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक मंजिला पक्का मकान है, जो महासमुन्द में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आनन्द पालपानाभन नायर वत्त शकुमारन नायर महासमुन्द तहसील रायपुर जिला। (अन्तरक)

2. (1) श्री जीतेन्द्र, (2) देवेन्द्र पिता खेमराज, महासमुन्द जिला रायपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किस व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मूर्त स्वामी कृषि भूमि पर स्थित मकान एक मंजिला पक्का मकान 90 फुट बाई 30 फुट महासमुन्द जिला रायपुर।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1975

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एम० आर०/अशोकनगर/22-1-75—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्रोपर्टी है, जो सुभाष गंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, अशोकनगर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कमला बाई पति बाबू लाल जैन, मुंगावली गुना (अन्तरक)

2. श्री केदार सिंह वल्लभ हरनाम सिंह, कमल सिंह वल्लभ हरनाम सिंह, बछराज सिंह, उद्यम सिंह निवास खिरिया तेल पर, अशोक नगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी सुभाष गंज, वार्ड नं० 2 अशोक नगर।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1975  
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल]

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एम० आर०/ग्वालियर/22-1-75—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 25/56/1/6 है, जो सिथोले साहेब का बाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्वालियर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-1-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती सरजुबाई पति बद्रीप्रसाद, गांव आलमपुर, जिला भिन्ड ।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती शीला देवी गुप्ता पति बालमुकुद गुप्ता और साकेत चन्द वल्ह बालमुकुद वर्गी की गोठ, जगकगंज, ग्वालियर ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर मकान का नं० 25/57/1/6 और पुराना नं० 133/2 वार्ड नं० 21, सिथोले साहेब का बाड़ा, लक्ष्मर, ग्वालियर ।

एम० एफ० मुन्शी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एम० आर०/ग्वालियर/24-1-75—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फस्ट फ्लोर है, जो सिथोले साहब का बाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सरजूबाई पति बद्रीप्रसाद इटोरिया, गांव आलमपुर, जिला भिन्द । (अन्तरक)

2. श्री प्रकाश चन्व गुप्ता, सतीश चन्द, बालमुकुद गुप्ता, वर्ग की गोठ, जनकगज, लखर, ग्वालियर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फस्ट फ्लोर और पास के मकान न० 25/571/6 और पुराना न० 133/2 वार्ड न० 21 सिथोले साहब का बाड़ा, लखर, ग्वालियर

एम० एफ० मुन्शी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9/9/1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एम० आर०/रायपुर/30-1-75—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एगरीकलचर भूमि है, जो टाट विन्द में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गनेश प्रसाद, महेश प्रसाद, श्रीमती कस्तूरीबाई, निवास गोलबाजार, रायपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती कमला वाई पति गोविन्द लाल, अग्रवाल, निवास फाफाडीह, रायपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एगरीकलचर भूमि गांव टाटविन्द, रायपुर।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एम० आर०/रायपुर/30-1-1975—अतः, मुझे एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एगरीकंचन भूमि है, जो चांदनी डीह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चदश प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थी :—  
14—266GI/75

1. सर्वश्री गणेश प्रसाद, महेश प्रसाद, श्रीमती कस्तूरीबाई, निवास गोलाबाजार, रायपुर। (अन्तरक)

2. श्री रामस्वरूप धलद प्यारेलाल चन्द्राकर, निवास टाटीबन्ध रायपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एगरीकंचन भूमि गांव चांदनीडीह, रायपुर।

एम० एफ० मुन्शी  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एम० आर०/इन्दौर/18-9-75—अतः, मुझे,  
एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० प्लॉट नं० 59 है, जो जौरा कम्पाउन्ड में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-9-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
घटायित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेन्द्र कुमार वल्द भनवर लाल सेठी, मानिक भवन  
तुकोगंज, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती ताराबाई पति डा० शिवलाल जैन, 460 महात्मा  
गांधी रोड, कृष्णापुरा मैन रोड, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,  
जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 49 जौरा कम्पाउन्ड, इन्दौर एरिया 2760  
सकवायर फीट।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एम० आर०/इन्दौर/18-1-75—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 12 है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-1-1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री राम प्रसाद बल्द हीरालाल निवास 27/2 दौलतगंज, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्रीमती गुलाब बाई पति बन्नीनारायण, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा प्लॉट का नं० 12 इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एस० आर०/रायपुर/17-1-75—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एगरीकंचन भूमि है, जो टाटीबन्द में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—:

1. श्री पचकौड़ (2) रजऊ पी० दुकालू साहू, टाटीबन्द, तहसील व जिला रायपुर। (अन्तरक)

2. श्री जितेन्द्र कुमार राठौड़ वल्द कानजी भाई राठौड़ केलकर पारा, रायपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एगरीकंचन भूमि, गांव टाटीबन्द, रायपुर।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एम० आर०/उज्जैन/18-1-75—अतः, मुझे  
एम० एफ० मुन्शी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० मकान नं० 4/575 है, जो नई पेठ में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रजिस्ट्रीकृत अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-1-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री घनश्याम बल्द मांगीलाल, (2) कुलश्याम बल्द  
मांगीलाल, नई पेठ, उज्जैन। (अन्तरक)

2. डा० कनकमल बल्द नाथू लाल, माधव नगर, उज्जैन।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 4/475 बना हुआ मोहल्ला नई पेठ, शहर उज्जैन।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9 सितम्बर 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एम० आर०/इन्दौर/28-1-75—अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० चार मंजिला है, जो मल्हार गंज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मानिक चन्द, उंकार लाल, (2) श्रीमती गुलाबबाई पति कस्तूरचंद, (3) धानया कुमार कस्तूर चंद, (4) हेमन्त कुमार मानिक चन्द, (5) बसन्त कुमार मानिक चन्द, (6) राजेन्द्र कुमार कस्तूर चंद, (7) नरेन्द्र कुमार कस्तूर चंद, (8) अरुण कुमार कस्तूरचंद, 30-31 मल्हारगंज मैन रोड, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री चाँदमाल बल्द मोतीलाल, भिलाई बाग, जिला धार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

चार स्टोरी भकान 30/31 मल्हार गंज, मैन रोड, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एस० आर०/इन्दौर/29-1-75—अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 107 है, जो श्रीनगर कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नरसिंह लाल वल्द बैजनाथजी चौधरी, 40 नायका ओली, विवेक पथ, नीमच कैंट। (अन्तरक)

2. श्रीमती धनकुबर पति श्री ओंकार सिंह, कटिवाड़ा, हा० मु० 3/2 न्यू प्लामिया, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान का प्लॉट नं० 107, श्रीनगर कालोनी, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एम० आर०/इन्दौर/17-1-75—अतः, मुझे,  
एम० एफ० मुन्शी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० म० नं० 40 है, जो पिपली बाजार में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-1-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत धिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री गुलाबचन्द वल्द कन्हैयालाल, निवास 2/2 निहाल-  
पुरा, इन्दौर।

2. श्री राधेश्याम वल्द हरदेवलाल, निहालपुरा, इन्दौर।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 40, बना हुआ मोहल्ला पिपली बाजार, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकार  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 सितम्बर 1975

निर्देश सं० एम० आर०/इन्दौर/1-1-75—अतः, मुझे,  
एम० एफ० मुन्शी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
परम्परा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 52/5 है, जो साउथ तुर्कों गंज में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1-1-75  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-  
शत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था  
छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

15-266GI/75

1. श्रीमती कान्ता बाई पति राम रतन अग्रवाल, 13 छोटी  
ग्वाल टोली, इन्दौर। (अन्तरक)

2. (1) श्रीमती भद्रबाला पति कैलाश चन्द्र तिवेदी, 249  
नयापुरा इन्दौर।

(2) राणा सती कन्स्ट्रक्शन एंड इन्टरप्राइजेज प्रा०  
लिमिटेड, 11 साधी कालोनी, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 52/5 साउथ तुर्कों गंज स्ट्रीट नं० 1, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 9-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 सितम्बर 1975

निदेश सं० 280/एकुरे III/ 75-76/कल०—अतः मुझे,  
एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट 1 ए, एक तल्ला पर है तथा जो 1 डी,  
भन्डेमिला गार्डनस, कल० स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-  
लय, मियालदह, 24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेमर्स जेयर एन्ड को० 12, नेताजी सुभाष रोड,  
कलकत्ता (अन्तरक)

(2) श्रीमती कल्याणी सेन 1 डी, मन्डेमिला गार्डनस,  
कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट सं० 1 ए, एक तल्ला पर साथ उसका अन्मान्य जेन्ट  
अधिकार या सुविधादि साथ 13/203 हिस्सा जमीन का, जो पौर  
सं० 1 डी, मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता पर अवस्थित और जो  
सब-रजिस्ट्रार, मियालदह, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल  
सं० 19/1975 का अनुसार है।

एन० के० बालसुब्रमनियन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III  
54, रफी अहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख 15-9-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 281/एकुरे III/75-76/कल०—अतः मुझे,  
एन० के० बालसुब्रह्मनियन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० फ्लैट 2ए, दो तल्ला पर है तथा जो 1डी मन्डेमिला  
गाडेंस, कल० स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सियालदह, 24 परगणा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्सरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेयर्स जेयरएन्ड को०, 12 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती श्रीलता खास्तगीर, 1 डी, मन्डेमिला गाडेंस,  
कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 2ए दो तल्ला पर साथ उसका अन्सान्य जयेन्ट  
अधिकार या सुविधादि साथ 13/203 हिस्सा जमीन का, जो पौर  
सं० 1 डी, मन्डेमिला गाडेंस, कलकत्ता पर अवस्थित और जो  
सब-रजिस्ट्रार, सियालदह, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल  
सं० 20/1975 के अनुसार है।

एन० के० बालसुब्रह्मनियन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III,

54, रफी अहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 15-9-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मेसर्स जेयर एन्ड को०, 12 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

(2) श्रीमती मानसी बोस, 1 डी, मन्डेमिला गार्डनस,  
कलकत्ता (अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 सितम्बर 1975

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

निदेश सं० 282 एकु० आर० III/ 75-76—अतः मुझे,  
एन० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० प्लेट 3 ए, तीन तल्ला है तथा जो 1 डी, मन्डेमिला  
गार्डनस, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सियालदाह 24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

(क), अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये,  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

प्लेट सं० 3 ए, तीन तल्ला पर साथ उसका अन्मान्य जयेन्ट  
अधिकार या सुविधादि साथ 13/203 हिस्सा जमीन का, जो पौर  
सं० 1 डी, मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता पर अवस्थित और जो  
सब-रजिस्ट्रार, सियालदाह, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल  
सं० 21/1975 के अनुसार है।

एन० के० बालसुब्रमनियन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III,  
54, रफी अहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 15-9-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 सितम्बर 1975

निदेश सं० 283/एकु०रे० III/75-76/कलकत्ता—अतः,  
मुझे, एन० के० बालसुब्रमनियन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट 4 ए, चार तल्ला पर है तथा जो 1 डी,  
मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सियालदह, 24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-1-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-  
फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वांछित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,  
उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा  
269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित  
व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मेसर्स जेयर एन्ड को०, 12 नेताजी सुभाष रोड,  
कलकत्ता (अन्तरक)

(2) श्री अतिन्द्र नाथ शी, 1 डी, मन्डेमिला गार्डनस,  
कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट सं० 4 ए, चार तल्ला पर साथ उसका अन्यन्य जयेन्ट  
अधिकार या सुविधादि साथ 13/207 हिस्सा जमीन का, जो पौर  
सं० 1 डी, मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता पर अबस्थित और जो  
सब-रजिस्ट्रार, सियालदह, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल  
सं० 22/1975 के अनुसार है।

एन० के० बालसुब्रमनियन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-III,  
54, रफी अहमद क़िदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

दिनांक : 15-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, तारीख 15 सितम्बर 1975

निदेश सं० 284/एकु०रे०-III/75-76/कल०—यतः, मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का वारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट 5ए०, पाँच तल्ला पर है तथा जो 1 डि मन्डेमिल्ला गार्डेंस, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अगुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह, 24 परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वारन, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स जेयर एण्ड को०, 12 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रमिला पात्र, 1 डि.मन्डेमिल्ला गार्डेंस, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 5ए०, पाँच तल्ला पर साथ उसका अन्यान्य जयेन्ट अधिकार या सुविधादि साथ 13/207 हिस्सा जमीन का जो पौर सं० 1 डि.मन्डेमिल्ला गार्डेंस, कलकत्ता पर अब-स्थित और जो सब-रजिस्ट्रार, सियालदह, 24 परगना द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० 23/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद  
किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 15-9-1975

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 285/एकु० रे०-III/75-76/कल०—यतः, मुझे,  
एल० के० बालमुन्नमनियन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्राम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट नं० 6ए छह: तल्ला पर है तथा जो  
1 डि. मन्डेमिला गार्डनस, बलवत्ता में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय सियालदह, 24-परगणा में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 6-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्राम  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाधत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स जेयर एण्ड को० 12 नेताजी सुभाष रोड,  
कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री मोहिनी राय 1 डि. मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

### अनुसूची

फ्लैट सं० 6ए छह: तल्ला पर साथ उसका अन्यान्य जयन्ट  
अधिकार या सुविधादि साथ 13/207 हिस्सा जमीन का जो  
पौर सं० 1 डि. मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता पर अवस्थित  
और जो सब-रजिस्ट्रार, सियालदह, 24-परगणा द्वारा  
रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 24/1975 का अनुसार है:

एल० के० बालमुन्नमनियन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 54, रफीअहमद

किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 15-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, तारीख 15 सितम्बर 1975

निदेश सं० 286/एकु०रे०-III/75-76/कल०—अतः, मुझे,  
एल० के० बालसुब्रमनियन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० प्लेट 7ए, सात तल्लापर है तथा जो 1 डि,  
मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सियालदह 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स जेयर एण्ड को० 12 तेनाजी सुभाष रोड,  
कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री एस० एन० सेन 1 डि, मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

### अनुसूची

प्लेट सं० 7ए, सात तल्लापर साथ उसका अन्यान्य  
ज्येन्ट अधिकार या सुविधादि साथ 13/207 हिस्सा जमीनका  
जो पौर सं० 1 डि, मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता पर अवस्थित  
और जो सब-रजिस्ट्रार, सियालदह, 24-परगना द्वारा  
रजिस्ट्रीकृत दलील सं० 25/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III,  
54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 15-9-75

मोहर:

## प्रकृष आई० टी० एन०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, तारीख 15 सितम्बर 1975

निदेश सं० 287/एकु० रे०-III/75-76/कल०—यतः, मुझे,  
एल० के० बालसुब्रमनियन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2बी०, दो तल्ला पर है तथा जो 1डि०, मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह, 24-परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
16-266GI/75

1. मैसर्स जेयर एण्ड को० 12 नेताजी सुभाष रोड,  
कलकत्ता (अन्तरक)

2. (1) सचिन्द्र चन्द्र चक्रवर्ती (2) श्रीमती गीता रानी  
चक्रवर्ती 1डि, मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट सं० 2बी०, दो तल्ला पर साथ उसका अन्यान्य ज्येष्ठ अधिकार या सुविधादि साथ 10/207 हिस्सा जमीन-का जो पौर सं० 1 डि, मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता पर अवस्थित और जो सब-रजिस्ट्रार, सियालदह, 24 परगणा द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० 26/1975 के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III,

54, रफीअहमद क़िदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 15-9-75

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता का कार्यालय

कलकत्ता-16, तारीख 15 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 288/एकुरे०-III/75-76/कल०—अतः, मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट 5बी, पांच तला पर है तथा जो 1 डि, मन्डेमिला गार्डनस कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह, 24-परगणा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

1. मैसर्स जेयर एण्ड को० 12 नेताजी सुभाष रोड, (अन्तरक)

2. श्रीमती नमिता भट्टाचार्य, 1 डि, मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट सं० 5बी, पांच तला पर अन्यान्य जयेन्ट अधि-कार या सुविधादि साथ 10/207 हिस्सा जमीन का जो पोर सं० 1 डि, मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता पर अवधित है और जो सब-रजिस्ट्रार सियालदह, 24 परगणा द्वारा, रजिस्ट्रीकृत दलील सं० 27/1975 के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 15-9-75

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -III, कलकत्ता-16

कलकत्ता, तारीख 15 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 289/ए०कु०रे०-II/75-76/कलकत्ता—अतः  
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट 6बी० छय तल्लापर है तथा जो  
1 डि, मन्डेमिला गार्डन्स, कलकत्ता में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, सियालदह, 24 परगना में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
6-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मैसर्स जेयर एण्ड को० 12, नेताजी सुभाष रोड, कल-  
कत्ता (अन्तरक)

2. श्रीमती सान्तना भट्टाचार्य, 1 डि, मन्डेमिला गार्डन्स  
कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी ५  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट सं० 6 बी०, छय तल्लापर अन्यान्य जयन्त अधिकार  
या सुविधादि साथ 10/207 हिस्सा जमीन का जो पौर  
सं० 1 डि, मन्डेमिला गार्डन्स, कलकत्ता पर अवस्थित और  
जो सब-रजिस्ट्रार, सियालदह, 24 परगना द्वारा रजिस्ट्रीकृत  
दलील सं० 28/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III  
54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 15 सितम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 15 सितम्बर 1975

निदेश सं० 290/ए०कु०रे०-III/74-75/कल०—यतः मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट 3बी० तीन तल्ला पर है तथा जो 1डि०, मन्डेमिला गार्डेंस, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह, 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. मैसर्स जेयर एण्ड को०, 12 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता। (अन्तरक)

2. श्रीमती सुभ सरकार 1डि०, मन्डेमिला गार्डेंस, कल०-19 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रतिप्राक्षेप, यदि कोई भी हो, तो :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट सं० 3बी०, तीन तल्ला पर अन्यान्य जयन्त अधिकार या सुविधादि साथ 10/207 हिस्सम जमीन का जो पोर सं० 1डि०, मन्डेमिला गार्डेंस, कलकत्ता पर अवस्थित और जो सब-रजिस्ट्रार सियालदह, 24 परगना द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील सं० 29/1975 के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III

54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 15-9-75

मोहर :



प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 15 सितम्बर 1975

निदेश सं० 291/ए०कु०रे०-II/75-76/कल०—अतः मुझे,  
एल० के० बालसुब्रमनियन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)  
की धारा, 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट सं० 7बी०, सात तल्ला पर है तथा  
जो 1डि०, मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह, 54  
परगना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 6-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मैसर्स जेयर एण्ड को० 12 नेताजी सुभाष रोड  
कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्रोमती अंशु प्रकाश भट्टाचार्य, डि० मन्डेमिला  
गार्डनस, कलकत्ता-16 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4 5  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
'आयकर अधिनियम', 1961 (1961 का 43) के  
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 7बी०, सात तल्ला पर अन्यान्य जयन्ट अधि-  
कार या सुविधादि साथ 10/207 हिस्सा जमीन का जो  
पौर सं० 1डि० मन्डेमिला गार्डनस, कलकत्ता पर अवस्थित  
और जो सब-रजिस्ट्रार सियालदह, 24 परगना द्वारा रजिस्ट्रीकृत  
दलील सं० 30/1975 के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

तारीख : 15-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 15 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 292/ए०कु०रे०-III/75-76/कलकत्ता---यतः  
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन, आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त  
अधिनियम कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० फ्लैट 4वी०, चार तल्ला पर है तथा जो 1डि०,  
मन्डेमिला गार्डनन्स, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, सियालदह, 24 परगना में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. मैसर्स जेथर एण्ड को०, 12 नेताजी सुभाष रोड,  
कलकत्ता । (अन्तरक)

2. (1) मुनील चन्द्र चटर्जी (2) अचला चटर्जी, 1  
डि० मन्डेमिला गार्डनन्स, कलकत्ता । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित,  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फ्लैट सं० 4वी०, चार तल्ला पर अन्याय जयेन्ट अधिकार  
या सुविधादि साथ 10/207 हिस्सा जमीन का जो पौर  
सं० 1डि०, मन्डेमिला गार्डनन्स, कलकत्ता पर अवस्थित और  
जो सब-रजिस्ट्रार सियालदह, 24 परगना द्वारा रजिस्ट्रीकृत  
दलील सं० 31/1975 के अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54, रफीग्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 15-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 सितम्बर 1975

निदेश सं 181/एक्यूजीशन/देहरादून/74-75/1154—अतः  
मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विश्वबन्धु खन्ना पुत्र श्री चुन्नी लाल खन्ना, निवासी जम्मू तबी (2) श्री विजय कुमार खन्ना और (3) श्री अशोक कुमार खन्ना पुत्रगण श्री चुन्नी लाल खन्ना निवासी जम्मू तबी (अन्तरक)

2. श्री मूलराज सिंह तलवार पुत्र स्व० श्री प्यारे लाल और (2) श्रीमती चन्द्र कान्ता पत्नी श्री मूलराज सिंह और (3) रावीन्द्र कुमार और (4) राजकुमार पुत्रगण श्री मूलराज सिंह, देहरादून रोड, सहारनपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

अचल सम्पत्ति रहाशी मकान दो मंजिला साथ में नौकरों के क्वार्टर्स और गैरेज जो नई छावनी सड़क 21, देहरादून में स्थित है, 1,50,000/- रु० मूल्य में बेचा गया है।

एफ० जे० बहादुर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 1-9-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 अगस्त 1975

निर्देश सं० 153/अक्युजीशन/मेरठ/74-75—अतः मुझे,  
एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य रु० 25,000/- से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 16-1-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से भ्रम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पुरुषोत्तम लाल कोहली पुत्र श्री जय किशन  
लाल निवासी 6 साकेत सिविल लाइन्स मेरठ । (अन्तरक)

(2) श्री महाराज सिंह पुत्र श्री उमराऊ सिंह निवासी  
अबु लेन, मेरठ निवासी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अपेक्षा :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान एक मंजिल जो 6, साकेत  
सिविल लाइन्स मेरठ में स्थित है 1, 80, 000/- रु० में  
बेचा गया है ।

एफ० जे० बहादुर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 1-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 अगस्त 1975

निर्देश सं० 61/अक्रयुजीशन/कैराना/74-75/1155—अतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो शामली रोड में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैराना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा, 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) श्री बनारसी दास पुत्र नन्द लाल, शामली डा० शामली, परगना शामली, जिला मुजफ्फरनगर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती ब्रह्मवती देवी पत्नी श्री गोपी चन्द निवासी शामली जिला मुजफ्फरनगर ग्राम जाल

श्री इन्द्र पाल पुत्र श्री गहज राम निवासी ग्राम जाल, परगना शामली जिला मुजफ्फरनगर

श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री नयन सिंह निवासी शामली, जिला मुजफ्फरनगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति (प्लॉट) दीवार के साथ जो शामली बुद्धाना रोड पर स्थित है, 42,000/- रुपया मूल्य में बँचा गया है ।

एफ० जे० बहादुर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 अगस्त 1975

निर्देश सं० 103/अक्रयुजीशन/गजियाबाद/75-76/1156—

अतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सतीश कुमार पुत्र लाला कान्ता प्रसाद निवासी  
डी०/31 माडल टाउन, देहली (अन्तरक)

(2) श्री बनबारी लाला गुप्ता पुत्र लाला मुरारी लाल  
गुप्ता निवासी 136 व 137 गुप्ता भवन, भोला नाथ नगर,  
शाहदरा, देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 26, 30, 46, 50, 55, 56, 58, 65 से 69 नं० 129, 130, 132 और 133 खसरा नं० 1357/3 जो रिशी मार्किट कलौनी, ग्राम लौनी जिला मेरठ में स्थित है 46,000/- मूल्य में बेची गई है।

एफ० जे० बहादुर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज कानपुर

तारीख : 22-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अगस्त 1975

निर्देश सं० 38/अक्युजीशन/गजियाबाद/75-76/1157—

अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री सोमदत्त टकीयार पुत्र श्री एम० आर० टकीयार मार्फत टूयकबल बायरनीटिंग कम्पनी देहली गेट, गजियाबाद, जिला मेरठ (अन्तरक)

(2) श्रीमती उषा रानी पत्नी श्री सुभाष चन्द निवासी 57, पूरब राईट गंज गजियाबाद परगना लोनी, तह० गजियाबाद, जिला मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अवल सम्पत्ति, रहाशी प्लाट नं० के० एफ०/35 ब्लॉक एफ० जिसा का क्षेत्रफल 864.17 मुरबागज है और जो कबी नगर गजियाबाद जिला मेरठ में स्थित है 38,023.48 मूल्य में बँचा गया है।

एफ० जे० बहादुर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 19-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 23 अगस्त 1975

निर्देश सं० 165/अक्षयूजीशन/गाजियाबाद/75-76/1158—  
अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो प्लॉट नं० 1-31 काबी नगर गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

27-5-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री ए० एल० सक्सेना पुत्र श्री जीवन सहाय सक्सेना निवासी भरतपुर, राजस्थान

(2) श्री रमेश कुमार सक्सेना पुत्र श्री ए० एल० सक्सेना, निवासी भरतपुर, राजस्थान

(3) श्री रजेश कुमार सक्सेना पुत्र श्री ए० ल० सक्सेना, निवासी भरतपुर, हाल बम्बे

(अन्तरक)

(4) श्री उत्तम चन्द पुत्र श्री भोला राम, 133, चान्दपुरी, गाजियाबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के 'अध्याय 20-क' में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० ए०-31 जिस का क्षेत्रफल 1422.22 मुरबागज है जो कि काबीनगर गाजियाबाद में स्थित है 49,777.70 रु० मूल्य में बेची गई है।

एफ० जे० बहादुर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 23-8-1975

मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 अगस्त 1975

निर्देश सं० 104/अक्यूजीशन/गजियाबाद/75-76/1159—  
अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची  
के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, गजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-5-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1).  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री राज कुमार पुत्र लाला कान्ता प्रसाद निवासी  
डी/31, माडल टाउन, देहली, वर्तमान निवासी 8 बी०  
गुजराबाला टाउन, देहली, (अन्तरक)

(2) श्री बिहारी लाल गुप्ता निवासी लाला मुरारी  
लाल गुप्ता निवासी 136 और 137 गुप्ता भवन, भोला  
नाथ शाहदरा, देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अक्षय सम्पत्ति प्लॉट नम्बर 155 से 161 जिस का  
क्षेत्रफल 200 मुरबागज है प्रत्येक खसरा नं० 1357/3 और  
प्लॉट नम्बर 168, 169, 175, 176, 185 से 186 जिस का  
क्षेत्रफल 233 मुरबागज है प्रत्येक खसरा नं० 1357/2 जो  
रिशी माकिट कलौनी ग्राम मेरठ में स्थित है 39,000/-  
मूल्य में बेचा गया है।

एफ० जे० बहादुर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 22-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अगस्त 1975

निर्देश सं० 236/ए० सी० क्यू० 23-391/19-8/75-76—यतः मुझे, पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 190 पैकी खुली जमीन कुल माप 7733 वर्ग गज है, तथा जो उघना त चोरासी, जि० सूरत में स्थित है (और इससे उवाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री चन्दुलाल मणीलाल बास्तावाला संदीप चन्दुलाल (सगीर) बास्तावाला अपने वाली, एच० यू० एफ० के कर्ता श्री चन्दुलाल मणीलाल बास्तावाला, सूरत (अन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तमदास प्रानजीवन दास कनैयालाल प्रानजीवनदास, हंसाबेन पुरुषोत्तमदास, कान्ताबेन चन्द्रकान्त, रमाबेन इश्वरलाल, ताराबेन कनैयालाल, वसंतीबेन प्रमोद कुमार, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

खुली जमीन, सर्वे नं० 190 पैकी कुल माप 7733 वर्ग गज, जो उघना, त चोरासी, जि० सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के 17-1-1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 194 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 29-8-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अगस्त 1975

निर्देश सं० 237/ए० सी० क्यू० 23-391/19-8/  
75-76---यतः मुझे पी० एन० मित्तल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 190 पक्की, खुली जमीन कुल  
माप 7732 वर्ग गज है, तथा जो उघना, त० चोरासी,  
जि० सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 21-1-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री विठलदास मणीलाल वास्तावाला प्रताप कुमार  
विठलदास (सगीर) अपने वाली तथा एच०  
यू० एफ० के कर्ता विठलदास मणीलाल वास्तावाला  
मारफत बम्बई (अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रकान्त प्रानजीवनदास इश्वरलाल प्रानजीवन  
दास दिनेशकुमार पुरुषोत्तमदास (सगीर) प्रदीपकुमार  
पुरुषोत्तमदास (सगीर) अपने वाली चन्द्रकान्त  
प्रानजीवन दास द्वारा, अनीत कुमार प्रानजीवन  
दास (सगीर) अपने वाली चन्द्रकान्त प्रानजीवनदास  
द्वारा, अशोककुमार इश्वरलाल (सगीर) अपने  
वाली इश्वरलाल प्रानजीवन दास द्वारा, किरन  
कुमार इश्वरलाल (सगीर) अपने वाली इश्वरलाल  
प्रानजीवनदास द्वारा, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 190 पक्की कुल माप  
7732 वर्ग गज है तथा जो उघना त० चोरासी, जि० सूरत  
में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के 6-1-  
1975 के रजिस्ट्रीकृत विवेक नं० 47 में निर्दिष्ट है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 29-8-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अगस्त, 1975

निर्देश सं० 238/ए० सी० क्यू० 23-391/19-8/75-76

—यतः मुक्त पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 190 पक्की खुली जमीन कुल माप 6600 वर्ग गज है, तथा जो उघना, त० चोरासी, जि० सूरत में स्थित है (और इससे उपायबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए यत पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

(1) श्री नरवरलाल मणीलाल बास्तावाला सुनील कुमार नटवरलाल (सगीर) और नीलेश कुमार नटवरलाल (सगीर) अपने वाली तथा एच० यू० एफ० के कर्ता नटवरलाल मणीलाल बास्तावाला द्वारा, सूरत (अन्तरक)

(2) श्री प्रमोद कुमार प्रानजीवनदास, सुरेश कुमार प्रानजीवन दास, नरेन्द्र कुमार प्रानजीवनदास, भारतीबने, सुरेश कुमार मनोज कुमार कनैयालाल (सगीर), परेश कुमार कनैयालाल (सगीर) अतुल कुमार कनैयालाल (सगीर) अपने वाली तथा एच० यू० एफ० के कर्ता कनैयालाल प्रानजीवनदास द्वारा, सूरत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 190 पक्की जिसका कुल माप 6600 वर्ग गज है और जो उघना, त० चोरासी, जि० सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के 21-1-1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 246 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद।

तारीख : 29-8-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29-8-1975

निर्देश सं० 239/ए० सी० क्यू० 23-391/19-8/  
75-76—अतः मुझ पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 190 पक्की खुली जमीन कुल माप 7732 वर्ग गज है, तथा जो उधना, त० चोरासी, जि० सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 21-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 26) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

18—226G1/75

(1) श्री चन्दुलाल मणीलाल वास्तावाला सदीप चन्दुलाल वास्तावाला (सगीर) अपने वाली व एच० यू० एफ० के कर्ता चन्दुलाल मणीलाल वास्तावाला मारफत, सूरत । (अन्तरक)

(2) श्री पुरुषोत्तमदास प्रानजीवनदास, कनैयालाल प्रानजीवनदास, हंसाबेन पुरुषोत्तमदास, कान्ताबेन चन्द्रकान्त, रमाबेन इश्वरलाल, नाराबेन कनैयालाल, वसंतीबेन प्रमोद कुमार, सूरत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन, सर्वे नं० 190 पक्की जिसका कुल माप 7732 वर्ग गज है और जो उधना, त० चोरासी, जि० सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के 21-1-1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 245 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद।

तारीख: 29-8-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 29 अगस्त 1975

निर्देश सं० 240/ए० सी० क्यू० 23-391/198/75-76—

अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० सर्वे नं० 190 पैकी खुली जमीन कुल माप 7733  
वर्ग गज है तथा जो उधना तहसील चौरासी जिला सूरत में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-1-1975 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के  
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ब्रिजलाल मणीलाल बास्तावाला प्रनौकुमार ब्रिजलाल  
(सगीर) अपने वाली तथा एच० यू० एफ० के कर्ता श्री ब्रिजलाल  
मणीलाल बास्तावाला, बम्बई। (अन्तरक)

2. श्री चन्द्रकान्त प्रानजीवनदास ईश्वर लाल प्रानजीवनदास  
दिनेश कुमार पुरुषोत्तमदास (सगीर) प्रदीप कुमार पुरुषोत्तमदास  
(सगीर) अपने वाली पुरुषोत्तमदास प्रानजीवनदास द्वारा अनील  
कुमार चन्द्रकान्त (सगीर) अपने वाली चन्द्रकान्त प्रानजीवनदास  
बास्तावाला द्वारा अशोक कुमार ईश्वर लाल (सगीर) किरन  
कुमार ईश्वर लाल (सगीर) अपने वाली ईश्वर लाल प्रानजीवन-  
दास द्वारा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 190 पैकी जिसका कुल माप 7733  
वर्ग गज तथा जो उधना ता: चौरासी, जिला सूरत में स्थित है  
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के 7-1-1975 के रजिस्ट्री-  
कृत विलेख नं० 64 में निर्दिष्ट है।

पी० एन० मित्तल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II  
अहमदाबाद

तारीख : 29-8-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 1 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 241/ए० सी० व्यू०-23-458/19-7/74-75—  
अतः मुझे पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 61 पैकी 61-ए० पैकी और 61-बी पैकी नोंध नं० 252, 253 और 254 पैकी म्यु० वार्ड नं० 13 है तथा जो गोड़ छोड़ रोड अठना तहसील चौरासी जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री (1) अबूलीभाई असगरीभाई
- (2) हैदरभाई असगरी भाई
- (3) जाकिस भाई असगरी भाई
- (4) सरीनभाई असगरी भाई
- (5) नीनाभाई असगरी भाई

- (6) नीगेस भाई असगरी भाई
- (7) इसुफ इब्राहिम
- (8) मुनाहिर इब्राहिम
- (9) अजिम इब्राहिम
- (10) मोहम्मद इब्राहिम
- (11) खैसन भाई इब्राहिम
- (12) शाहेरा भाई इब्राहिम
- (13) सकीना इब्राहिम
- (14) नफीसा इब्राहिम
- (15) नसीमा इब्राहिम
- (16) जोइबीभाई बदूदीन
- (17) नाहेर भाई बदूदीन
- (18) अब्बास बदूदीन
- (19) जुलेखा बदूदीन
- (20) फातेमा भाई बदूदीन ।

18 बेगमपुरा हैदरअली कासमजी स्ट्रीट सूरत । (अन्तरक)

2. श्री चुनीलाल डाहयाभाई पटेल कान्ती लाल छोटूभाई पटेल 13 सर्जन सोसायटी अठवा लाइन्स सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 61 पैकी 61-ए० पैकी 61-बी पैकी और नोंध नं० 252, 253 और 254 पैकी म्यु० वार्ड नं० 13 कुल माप 1316 वर्ग गज है तथा जो गोड़ छोड़ रोड अठवा तहसील चौरासी जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जनवरी 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 284 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II अहमदाबाद

तारीख : 1-9-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 1 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 242/ए० सी० क्यू० 23-393/19-7/75-76---

अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 61 पैकी 61-ए पैकी और 61-बी पैकी नोंध नं० 252, 253 और 254 पैकी म्यु० वार्ड नं० 13 है तथा जो गोड छोड़ रोड अठवा तहसील चौरासी जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहे था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उधपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री

- (1) अबूलीभाई असगरभाई,
- (2) हैदरभाई असगर भाई,
- (3) जाकिर भाई असगर भाई,

- (4) श्रीरीनबाई असगरभाई
- (5) नीनाबाई असगरभाई
- (6) नगिसबाई असगरभाई
- (7) इमुफ इब्राहीम
- (8) मुनाहिर इब्राहीम
- (9) आजिम इब्राहीम
- (10) मोहम्मद इब्राहीम,
- (11) खैसमबाई इब्राहीम
- (12) शोहराबाई इब्राहीम
- (13) सकीना इब्राहीम
- (14) नफीसा इब्राहीम
- (15) नसीमा इब्राहीम
- (16) जोएथभाई बदूदीन
- (17) नाहेरभाई बदूदीन,
- (18) अबबास बदूदीन,
- (19) जुलेखाबाई बदूदीन
- (20) फातेमाबाई बदूदीन ।

18 बेगमपुरा, हैदरअली कासमजी स्ट्रीट, सूरत । (अन्तरक)

2. श्री अमृतलाल कानजीभाई पटेल और रंजीतभाई कान्जी-भाई पटेल, ओरगाम, तहसील वाडोली । (अन्तरिती)  
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 61 पैकी, 61-ए पैकी और 61बी पैकी, और नोंध नं० 252, 253 और 254 पैकी, म्यु० वार्ड नं० 13, प्लॉट नं० 6 कुल माप 1978 वर्ग गज है तथा जो गोड छोड़ रोड, अठवा, तहसील चौरासी, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जनवरी 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 287 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 1-9-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० 243/ए० सी० क्यू०-23-259/19-8/74-75—  
अतः मुझे, पी० एन० मित्तल आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सर्वे नं० 61 पैकी, 61-ए पैकी, 61-बी पैकी,  
म्यु० वार्ड नं० 13, नोड नं० 252, 253 और 254 पैकी है,  
तथा जो गोड़ छोड़ रोड, अठवा, तहसील चौरासी, जिला सूरत  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-1975  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के अनु-  
सरण, में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री

- (1) अशुलीभाई असगरभाई,
- (2) हैदरभाई असगरभाई,
- (3) जाकिर भाई असगरभाई,
- (4) शीरीन बाई असगर भाई,

- (5) नीनाबाई असगरभाई,
- (6) नगिस बाई असगरभाई,
- (7) इसुफ इब्राहीम,
- (8) मुनाहिर इब्राहीम,
- (9) आजिम इब्राहीम,
- (10) मोहम्मद इब्राहीम,
- (11) खैसनबाई इब्राहीम,
- (12) शाहेर बाई इब्राहीम,
- (13) सकीना इब्राहीम,
- (14) नफीता इब्राहीम
- (15) नसीमा इब्राहीम,
- (16) जोएफभाई बद्रुद्दीन,
- (17) नाहेरभाई बद्रुद्दीन,
- (18) अब्बास बद्रुद्दीन,
- (19) जुलेखाबाई बद्रुद्दीन,
- (20) फातिमाबाई बद्रुद्दीन।

18, बेगमपुरा, हैदरअली, कासमजी स्ट्रीट, सूरत। (अन्तरक)

2. श्री वल्लीभाई डाह्याभाई पटेल, डाह्याभाई रामभाई,  
13, सर्जन सोसायटी, अठवा लाइन्स, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अत्रोद्देश्यकारी के  
पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 61 पैकी, 61-ए पैकी, 61-बी  
पैकी, म्यु० वार्ड नं० 13, नोड नं० 252, 253 और 254 पैकी,  
प्लॉट नं० 4, कुल माप 1590 वर्ग गज है और जो गोड़ छोड़ रोड,  
अठवा तहसील चौरासी, जिला सूरत में स्थित है, जैसा कि  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जनवरी 1975 के रजिस्ट्रीकृत  
विलेख नं० 286 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल  
सक्षम अधिकारी

तारीख : 1-9-1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मोहर : अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर, 1975

निर्देश सं० 244/ए० सी० क्यू० 23-394/19-7/74-75—

यतः मुझे, पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 61 पैकी, 61-ए पैकी, 61-बी पैकी, म्यु० वार्ड नं० 13, नोंध नं० 252, 253 तथा 254, कुल माप 1149 वर्ग गज है, तथा जो छोड़ छोड़ रोड, अठवा, तहसील चौरासी जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या; अन्य, या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री

- (1) अब्दुलीभाई असगरभाई,
- (2) हैदरभाई असगरभाई,
- (3) जाकिर भाई असगर भाई
- (4) सीरीनबाई असगरभाई

- (5) नीनाबाई असगरभाई,
- (6) नगिसबाई असगरभाई,
- (7) इसुफ इब्राहीम
- (8) मुनाहिर इब्राहीम,
- (9) आजिम इब्राहीम,
- (10) मोहमद इब्राहीम
- (11) खैरुनबाई इब्राहीम,
- (12) शोहराबाई इब्राहीम,
- (13) सकीना इब्राहीम,
- (14) नफीसा इब्राहीम,
- (15) नसीमा इब्राहीम,
- (16) जोएथभाई बद्रीन,
- (17) ताहेरभाई बद्रीन,
- (18) अब्बास बद्रीन,
- (19) जुलेखाबाई बद्रीन,
- (20) फातिमाबाई बद्रीन ।

18, बेगमपुरा, हैदरअली कासमजी स्ट्रीट, सूरत । (अन्तरक)

2. कान्तीलाल छेलीभाई पटेल, 13, सर्जन सोसायटी, अठवा लाईन्स, सूरत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 61 पैकी, 61-ए पैकी और 61-बी पैकी, नोंध नं० 252, 253 और 254, म्यु० वार्ड नं० 13 में कुल माप 1149 वर्ग गज है तथा जो गोड़ छोड़ रोड, अठवा, तहसील चौरासी, जिला सूरत में स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जनवरी 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 285 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 1-9-1975

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

प्रारूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 245/ए० सी० व्यू०-23-460/19-8/74-75—

यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 61 पैकी, 61-ए पैकी और 61-बी पैकी,  
म्यु० वार्ड नं० 13, नोथ नं० 252, 253 और 254 पैकी है, तथा  
जो गोड छोड रोड, अठवा, तहसील चौरासी, जिला सूरत में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह से प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सर्वश्री

- (1) अबूलीभाई असगरभाई,
- (2) हैदरभाई असगरभाई,
- (3) जाकिरभाई असगरभाई,
- (4) शीरीनभाई असगरभाई,

- (5) नीनाबाई असगरभाई,
- (6) नगिसबाई असगरभाई,
- (7) इसुफ इब्राहीम,
- (8) मुनाहिर असगरभाई,
- (9) आजिम इब्राहीम,
- (10) मोहम्मद इब्राहीम,
- (11) खैरनबाई इब्राहीम,
- (12) शाहेराबाई इब्राहीम,
- (13) सकीना इब्राहीम,
- (14) नफीसा इब्राहीम,
- (15) नसीमा इब्राहीम,
- (16) जोइबभाई बद्रूदीन,
- (17) ताहेरभाई बद्रूदीन,
- (18) अब्बास बद्रूदीन,
- (19) जुलेखाबाई बद्रूदीन,
- (20) फातेमाबाई बद्रूदीन,

18, बेगमपुरा, हैदरअली कासमजी स्ट्रीट, सूरत । (अन्तरक)

2. श्री कान्तीलाल डाहयाभाई पटेल, वल्लभभाई मोरारजी  
पटेल, 23, सर्जन सोसायटी, अठवा लाइन्स, सूरत । (अन्तरिती)  
की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 61 पैकी, 61-ए पैकी और  
61-बी पैकी, नोथ नं० 252, 253 और 254 पैकी, जो म्यु०  
वार्ड नं० 13 में है, जिसका कुल माप 1145 वर्ग गज है और  
प्लॉट नं० 2 से प्रख्यात है जो गोड छोड रोड, अठवा, तहसील  
चौरासी, जिला सूरत में स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,  
में सूरत के जमवरी 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 242 में  
प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 1-9-1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहर :

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 सितम्बर 1975

निर्देश सं० 246/ए० सी० क्यू०-23-395/19-7/74-75---

अतः मुझे पी० एन० मित्तल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा

269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 61 पैकी, 61-ए पैकी और 61-बी पैकी, म्यु० वार्ड नं० 252, 253 और 254 पैकी, कुल माप 1756

वर्ग गज है तथा जो गोड-घोड-रोड, अठवा, तहसील चौरासी, जिला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बात उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

1. सर्वश्री

- (1) अबूलीभाई असगरभाई,
- (2) हैदरभाई असगरभाई,
- (3) जाकिरभाई असगरभाई,
- (4) सीरीनबाई असगरभाई,

- (5) नीनाबाई असगरभाई,
- (6) नगिसबाई असगरभाई,
- (7) दसुफ इब्राहीम,
- (8) मुनाहीर इब्राहीम,
- (9) आजिम इब्राहीम,
- (10) मोहम्मद इब्राहीम,
- (11) खैरुनबाई इब्राहीम,
- (12) शाहेराबाई इब्राहीम,
- (13) सकीना इब्राहीम,
- (14) नफीसा इब्राहीम,
- (15) जोइबभाई बद्रूदीन,
- (16) नसीमा इब्राहीम,
- (17) ताहेरभाई बद्रूदीन,
- (18) अब्बास बद्रूदीन,
- (19) जुलेखाबाई बद्रूदीन,
- (20) फातिमाबाई बद्रूदीन।

18, बेगमपुरा, हैदरअली कासमजी स्ट्रीट, सूरत। (अन्तरक)

2. मनगभाई, डाह्याभाई पटेल, 23, सर्जन सोसायटी, अठवा लाइन्स, सूरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 61 पैकी, 61-ए पैकी और 61-बी पैकी, नोड नं० 252, 253 और 254 पैकी, म्यु० वार्ड नं० 13, कुल माप 1756 वर्ग गज है, जो गोड-घोड रोड, अठवा, तहसील चौरासी, जिला सूरत में स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के जनवरी 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 283 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

तारीख: 1-9-1975 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मोहर:

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

स्टेनोग्राफर परीक्षा, 1976

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्टूबर 1975

सं० एफ० 13/6/75-ई०-I (बी०)—भारत के राजपत्र, दिनांक 4 अक्टूबर, 1975 में मंत्रिमण्डल सचिवालय (कामिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे दिए गए पैरा 2 में उल्लिखित अस्थायी सेवाओं और पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, बिल्ली, बिसपुर (गोहाटी), हैबराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग, त्रिवेन्द्रम तथा विदेश-स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 23 मार्च, 1976 को एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी :—

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपाबंध-II, पैरा 11)।

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर जिन सेवाओं और पदों पर भर्ती की जानी है उनके नाम और विभिन्न सेवाओं और पदों से संबद्ध रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्न लिखित है :—

- (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) (स्टेनोग्राफर उपसंवर्ग का ग्रेड-II)—5\*\*
- (ii) केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा ग्रेड-II (इस ग्रेड का चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए)—30  
(इसमें 5 रिक्तियां अनुसूचित जातियों तथा 2 रिक्तियां अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)।
- (iii) सशस्त्र सेना मुख्यालय स्टेनोग्राफर सेवा, ग्रेड-II—5\*\*
- (iv) भारत सरकार के कुछ ऐसे विभागों/संगठनों तथा संबद्ध कार्यालयों में स्टेनोग्राफर के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख)/रेल बोर्ड सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा/केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय स्टेनोग्राफर सेवा में सम्मिलित नहीं हैं—\*

\*रिक्तियां सरकार द्वारा सूचित नहीं की गईं।

\*\*अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई है, तो सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों में से किसी एक अथवा एक से अधिक के लिए परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवा/पद के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उपाबंध-I में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा, प्रत्येक सेवा (पद) के लिए अलग-अलग नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

नोट :—इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले कुछ विभागों/कार्यालयों को केवल अंग्रेजी स्टेनोग्राफरों की ही आवश्यकता होगी, और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति केवल उन्हीं उम्मीदवारों में से की जाएगी जिन्हें लिखित परीक्षण तथा अंग्रेजी के स्टेनोग्राफी परीक्षण के आधार पर आयोग द्वारा अनुशंसित किया जाता है (द्रष्टव्य : नियमावली के परिशिष्ट-I का पैरा 3)।

4. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह किन सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार एक से अधिक वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता-क्रम में उसके स्थान को ध्यान में रखते हुए, नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भली भांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन-पत्र में सेवाओं/पदों के लिए मूलतः उल्लिखित वरीयता-क्रम में परिवर्तन से संबद्ध किसी भी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसा करने का अनुरोध 31 अगस्त, 1976 को या उससे पूर्व संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में न प्राप्त हो जाए।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। वह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर कूपन पर उम्मीदवार का नाम और पता तथा परीक्षा का नाम स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर पैसा देकर भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र स्टेनोग्राफर परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। स्टेनोग्राफर परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, के पास 17 नवम्बर, 1975 को या उससे पहले (17 नवम्बर, 1975 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा ग्रंथमाला एवं निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 1 दिसम्बर, 1975 तक) प्रेषण पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

7. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाबंध-I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से प्रेषण करें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकत्रित अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपाबंध-I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

8. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंधित उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रुथी  
उप सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग।

#### उपाबंध-I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में ₹० 12.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹० 3.00) की राशि का रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में देय बैंक डाफ्टों द्वारा भुगतान प्रेषण करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, अन्यथा किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राशि संबंध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगलादेश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है या निम्न प्रकार का भूतपूर्व सैनिक है।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर निर्माण प्रभारित कर्मचारी की हैसियत से कार्य कर रहे हों, उन्हें अपना आवेदन-पत्र संबद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो आवेदन-प्रपत्र के अन्त में पृष्ठांकित को भर कर उसे आयोग को भेज देगा। इन उम्मीदवारों को अपने ही हित में अपने आवेदन की अग्रिम प्रतियां आयोग को सीधे भेज देनी चाहिए। निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर इन पर अन्तिम रूप से विचार कर लिया जाएगा किन्तु मूल आवेदन आयोग में सामान्यतः अन्तिम तारीख के बाद 15 दिन के अन्दर पहुंच जाने चाहिए। सरकारी सेवा में पहले ही लगा कोई व्यक्ति यदि निर्धारित शुल्क के साथ अपने आवेदन-पत्र की अग्रिम प्रति नहीं भेजता है या उसके द्वारा भेजी गई अग्रिम प्रति आयोग के कार्यालय में अन्तिम तारीख को या उससे पहले प्राप्त नहीं होती है तो आयोग में अन्तिम तारीख के बाद प्राप्त हुए उसके उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा जो उसके कार्यालय या विभाग के अध्यक्ष के माध्यम से प्रस्तुत किया गया हो।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया, तो उसे ₹० 3.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में ₹० 1.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए प्रारक्षित रखा जा सकेगा।

#### उपाबंध-II

##### उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 5 में उल्लिखित रीति द्वारा इस परीक्षा से संबंधित नोटिस, नियमावली आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त

किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं भी या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

जो उम्मीदवार किसी विदेश-स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो तथा नियमावली के परिशिष्ट-1 के पैरा 3 के अनुसार प्रश्न-पत्र (ii) निबंध तथा प्रश्न-पत्र (iii) सामान्य ज्ञान का उत्तर हिन्दी में लिखने तथा स्टेनोग्राफर परीक्षण हिन्दी में ही देने का विकल्प दे उससे स्टेनोग्राफी परीक्षणों के लिए अपने ही खर्च पर विदेश-स्थित किसी भी ऐसे भारतीय मिशन में बैठने के लिए कहा जा सकता है जहां इस प्रकार का परीक्षण आयोजित करने के लिए आवश्यक प्रबन्ध उपलब्ध हों।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियां/उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए, रेखा या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट :—उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा की नियमावली के परिशिष्ट-1 के पैरा 3 के अनुसार अपने आवेदन-पत्र के कालम 8 में स्पष्ट रूप से उस भाषा का उल्लेख कर देना चाहिए, जिसमें वे निबंध तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्रों का उत्तर देने के इच्छुक हैं तथा स्टेनोग्राफी परीक्षण देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अंतिम माना जाएगा और उक्त कालम में परिवर्तन करने से संबंध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त कालम में कोई भी प्रविष्टि नहीं की गई होगी तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त प्रश्न-पत्र का उत्तर तथा आशुलिपि का परीक्षण अंग्रेजी में दिया जाएगा।

(ii) भरा हुआ आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या प्रंडमान निकोबार द्वीपसमूहों तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 17 नवम्बर, 1975 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या प्रंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूहों तथा लक्षद्वीप में रह रहा था।

“भूतपूर्व सैनिक” का आशय उस व्यक्ति से है, जो आसाम राइफल्स, डिफेंस सिक्कूरिटी कोर, जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स, जम्मू वह काश्मीर मिलिशिया, लोक सहायक सेना और प्रादेशिक सेना को छोड़कर भूतपूर्व भारतीय रियासतों सहित संघ की सशस्त्र सेनाओं (पर्याप्त नौ, थल या वायु सेना) में किसी भी रैंक (वाहे लड़ाकू हो या गैर-लड़ाकू) में शपथ-ग्रहण करने के बाद से 17 नवम्बर, 1975 तक 6 मास की सतत सेवा कर ले, और

(i) दुर्व्यवहार या अकृशलता के कारण पदच्युत या सेवा मुक्त न होकर अन्यथा निमुक्त हुआ हो या निर्मुक्त होने तक रिजर्व में स्थानान्तरित कर दिया गया हो, या

(ii) जिसे यद्यः पूर्वोक्त निर्मुक्त होने या रिजर्व में स्थानान्तरित होने का हकदार बनने के लिए अपेक्षित सेवा अवधि पूरी करने के लिए 17 नवम्बर, 1975 तक छह मास सेवा करनी है। गैर-सरकारी नौकरी में लग या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अन्तिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए उपाबंध-1)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० × 7 से० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।
- (v) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहां लागू हो वहां आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त भव (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा-परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित

परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के 1976 के जून मास में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को उस समय तैयार रखना चाहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद उन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं, उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और ये उम्मीदवार पुनः विचार किए जाने का वादा नहीं कर सकेंगे।

मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों के विवरण पैरा 4 और 5 में दिए गए हैं।

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए :



तथा इस प्रकार भरा जाए : "Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office".

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह प्रवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट—

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से प्राप्त किए जाएं और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय बनाए जाएं तथा विधिवत् रेखांकित हों। किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 12.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 3.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च-

आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवा सकते हैं और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष "051—Public Service Commission Examination Fees" में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र :—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मेट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्व-विद्यालय द्वारा मेट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मेट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जो उम्मीदवार उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर/प्रिंसिपल से दिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मेट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के वाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उनकी जन्म तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मेट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की केवल आयु से संबंध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ही भेजनी चाहिए।

नोट 2 :—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।



**नोट 3 :—**जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल, (iii) श्री अरविंद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी, का हायर-सेकेंडरी कोर्स या (iv) दिल्ली पालीटेकनीक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो, उसे संबद्ध स्कूल के प्रिंसिपल से, पैरा 3(i) के नीचे नोट 3 के बाद निर्धारित प्रपत्र पर लिया गया आयु का प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिए और इसके प्रतिरिक्त आयु के प्रमाण के रूप में कोई अन्य प्रमाण-पत्र अपेक्षित नहीं होगा।

**नोट 4 :—**जो उम्मीदवार पहले से ही स्थायी सरकारी सेवा में हों, उनकी सेवा पुस्तिका की प्रविष्टियों को जन्म की तारीख और शैक्षिक योग्यताओं के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।

(iii) **शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:**—उम्मीदवार को किसी प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। प्रस्तुत प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षानिकाय) का होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे के प्रमाण में कोई अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस साक्ष्य के औचित्य पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

**नोट 1 :—**जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका है जिसके उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र हो जाता है किन्तु उसे परीक्षा परिणाम सूचित नहीं किया गया है और वह ऐसी अर्हक परीक्षा में प्रवेश पाने का इच्छुक है तो वह आयोग की उक्त परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र नहीं होगा।

**नोट 2 :—**जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के साथ केवल एस०एस०एल०सी० परीक्षा परिणाम की प्रविष्टियों वाले पृष्ठ की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

**नोट 3 :—**जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल, (iii) श्री अरविंद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी, का हायर सेकेंडरी कोर्स या (iv) दिल्ली पालीटेकनीक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो उसे संबद्ध स्कूल के प्रिंसिपल/हैडमास्टर से नीचे नोट में निर्धारित फार्म पर लिया गया शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिए।

**उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म,**  
[दृष्टव्य : पैरा 3 (ii) का नोट 3 और उपर्युक्त नोट 3]  
प्रमाणित किया जाता है कि :

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी\* —————

सुपुत्र/सुपुत्री\* श्री —————

इस विद्यालय की ————— कक्षा में जो कि हायर सैकेंडरी स्कूल/इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन/श्री अरविंद अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी के हायर सैकेंडरी पाठ्यक्रम/दिल्ली पालीटेकनीक में तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पाठ्यक्रम\* की उपात्ति कक्षा है, उत्तीर्ण हैं।

2. इस विद्यालय के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उनकी जन्म की तारीख ————— है, इस तारीख की स्थानांतरण प्रमाण-पत्र/विद्यालय में विद्यार्थी के दाखिले के समय उसकी और से प्रस्तुत किए गए विवरण\* से पुष्टि कर ली गई है।

(हैडमास्टर/\*प्रिंसिपल के हस्ताक्षर)

(विद्यालय का नाम)

तारीख —————

स्थान —————

\*जो शब्द लागू न हो, उन्हें काट दें।

(iv) **फोटो की दो प्रतियाँ :—** उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से०मी० × 7 से०मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नट्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के उपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

**ध्यान दें :—** उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ उपर्युक्त पैराग्राफ 3(ii), 3(iii) और 3(iv) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्रों में से कोई एक प्रस्तुत नहीं किया जाता और उसकी अनुपस्थिति के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता है तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है तथा उसकी अस्वीकृति के विरुद्ध किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन-पत्र के साथ न प्रस्तुत किए गए प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र प्रस्तुत किए जाने के बाद शीघ्र ही भेज दिए जाने चाहिए और वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अन्तिम तारीख से एक महीने के भीतर अवश्य पहुंच जाने चाहिए, अन्यथा आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो

यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहाँ उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आमतौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पवों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का काम :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी\*—

सुपुत्र/सुपुत्री\* श्री—

जो गांव/कस्बा\*—

जिला/मण्डल\*—राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\*—

के/की\* निवासी हैं—

जाति/जनजाति\* के/की हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के रूप में मान्यता दी गई है :—

बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, के साथ पठित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956\*,

संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956\*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1959\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962\*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1962\*.

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964\*

संविधान (अनुसूचित जनजातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967\*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968\*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1968\*.

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जनजातियां आदेश, 1970\*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी\*

और/या उनका परिवार आमतौर से गांव/कस्बा\*—

जिला/मण्डल\*—में

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र\*—में

रहते/रहती\* हैं।

\*\*हस्ताक्षर—

पदनाम—

(कार्यालय की मोहर)

स्थान—

तारीख—

राज्य

संघ राज्य क्षेत्र\*

\*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट : यहां आमतौर से रहते/रहती हैं का अर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन आफ़ दि पीपुल ऐक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

\*\*अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिशनर/ऐडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिविजनल-मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा मॅजिस्ट्रेट-कमिशनर।

† (प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ग्रेड का नहीं)

(ii) चीफ़ प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ़ प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रैसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(ii) रेवेन्यू अफ़सर, जिनका ग्रेड तहसीलदार से कम न हो।

(4) उस इलाके का सब डिवीजनल अफ़सर जहां उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डिपलपमेंट-अफ़सर (लक्षद्वीप समूह)।

5 (i) नियम 6 (ग) (ii) अथवा 6 (ग) (iii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को अथवा उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व प्रवर्जन कर भारत आया है :—

(1) दंडकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।

(3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कार्यभार के अधीन, संबद्ध सब डिवीजन का सब-डिवीजनल अफ़सर।

(5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

यदि वह उपाबंध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक

अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) नियम 6 (ग) (v) अथवा 6 (ग) (vi) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले श्री लंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्री लंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबंध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो वे उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) नियम 6 (ग) (viii) अथवा 6 (ग) (ix) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबंध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iv) नियम 6 (ग) (vii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया से आए हुए उम्मीदवार उम्मीदवार को, उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहां वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(v) नियम 6 (ग) (x) अथवा 6 (ग) (xi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विक्लांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वासन, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिए हुए निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए

प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विक्लांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ :

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाला प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट-----के

रैंक नं० -----श्री-----रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विक्लांग हुए और। उस विक्लांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर-----

पदनाम-----

\*जो लागू न हो उसे काट दें।

(vi) नियम 6 (ग) (xii) अथवा 6 (ग) (xiii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले सीमा सुरक्षा-दल में अर्पण हुए उम्मीदवार को महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे दिए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर, उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के साथ यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान सीमा सुरक्षा दल में अर्पण हुआ था और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ था।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट-----के

रैंक नं० -----श्री-----1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान सीमा सुरक्षा दल में अर्पण हुए थे और उस अर्पणता के परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए थे।

हस्ताक्षर-----

पदनाम-----

दिनांक -----

(vii) नियम 6 (ग) (4) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले गोआ, दमन और दियु के पूर्व पूर्तगाली क्षेत्रों के उम्मीदवार को अपनी मांग की पुष्टि के लिए निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए:-

(1) सिविल प्रशासन का निदेशक

(2) कौंसिलहोस के प्रशासक (Administrator of the Concelhos)

6. उपाबंध 1 के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहने वाले भूतपूर्व सैनिकों को चाहिए कि वे अपने भूतपूर्व सैनिक होने के प्रमाण स्वरूप थल सेना/वायु सेना/नौ-सेना प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए कार्ययुक्ति प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें। उक्त प्रमाण-पत्र से उसके सशस्त्र सेनाओं में भर्ती की सही तारीख तथा सशस्त्र सेनाओं के रिजर्व से उसकी निर्मुक्ति अथवा स्थानान्तरण की तारीख अथवा सशस्त्र

सेनाओं के रिजर्व से उसकी प्रत्याशित मुक्ति, अथवा स्थानान्तर की तारीख का संकेत अवश्य मिलाना चाहिए ।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता-प्रमाण पत्र (एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पात्रता-प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के मंत्रिमण्डल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए ।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा व्यौरा न दें न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं ।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे जो भी प्रलेख प्रस्तुत करें उसकी या उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में ठीक नहीं करें, उसमें परिवर्तन नहीं करें, फेरबदल नहीं करें और न ही फेरबदल किए गए/ झूठे प्रमाण प्रस्तुत करें । यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए ।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था । आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है ।

10. यदि परीक्षा से संबंधित आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की तारीख आखिरी तारीख से एक मास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए ।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी । किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा । यदि परीक्षा के आरम्भ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए ? यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा ।

12. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से संबंधित पुस्तिकाओं की बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली (110006) के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (1) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने एम्पोरियम भवन, 'सी' ब्लाक बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (2) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउन्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (3) अवनमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है । ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ़्तसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती है ।

13. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा ।

14. आवेदन-पत्र से संबंधित पत्र-व्यवहार:—आवेदन-पत्र से संबंधित सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए:—

- (1) परीक्षा का नाम ।
  - (2) परीक्षा का महीना और वर्ष ।
  - (3) रोल नंबर (अथवा उम्मीदवार की जन्म तिथि, यदि रोल नंबर सूचित नहीं किया गया हो) ।
  - (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में) ।
  - (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता ।
- ध्यान दें :—जिन पत्रों आदि में यह व्यौरा नहीं होगा संभव है कि

उन पर ध्यान नहीं दिया जाए ।

15. पत्रों में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्र पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसकी बदले हुए पत्र पर मिल जायें करें । पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए । यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता ।

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 23rd September 1975

No. F. 36/75-SCA(I) —The following amendments to the Supreme Court Officers and Servants (Conditions of Service and Conduct) Rules, 1961 are hereby published for general information.

For the words "Rs. 330/-" appearing in the third line of the proviso (b) to sub-rule 2 of rule 3 the words "Rs. 700/-" shall be substituted.

No. F. 36/75-SCA (I) —The following is published for general information. AMENDMENTS TO THE SCHEDULES TO THE SUPREME COURT OFFICERS AND SERVANTS (CONDITIONS OF SERVICE AND CONDUCT) RULES, 1961

Consequent upon the revision of the pay scales of some of the posts of Officers and Servants of this Court and the changes in the number of permanent and temporary posts and also the creation of some new posts the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to make the following amendments to the Supreme Court Officers and Servants (Conditions of Service and Conduct) Rules, 1961.

For First Schedule and Second Schedule to the said Rules the following Schedules shall be substituted:

## THE FIRST SCHEDULE

[See Rule 3(1)]

Sl. No.	Designation of posts	Permanent posts	Temporary posts	Scale of Pay	
1	2	3	4	5	6
<b>Class I (Gazetted)</b>				<b>Before 1st January, 1973</b>	<b>From 1st January, 1973</b>
1. Registrar		1	1	(i) Rs. 2,250 (fixed) for officers drawn from one of the recognised Government services up to 31-8-1965 and Rs. 2500-125/2-2750 from 1-9-1965 (ii) Rs. 2000-100-2500 for persons recruited direct from the Bar	(i) No change (ii) No change
2. Deputy Registrar		3	—	(i) Rs. 1000-50-1300 up to 30-11-1959 (ii) Rs. 1100-50-1300-60-1600 up to 29-3-1965 (iii) Rs. 1100-50-1300-60-1600-100-1800 from 30-3-1965 The initial pay in the revised scale shall be fixed at the minimum or at a stage equal to the pay as Assistant Registrar plus Rs. 150-00 (or if there is no such stage, at the next higher stage)	Rs. 1500-60-1800-100-2000  The existing practice regarding the regulation of pay of Assistant Registrar on first promotion to the post of Deputy Registrar on the basis of minimum increase of Rs. 150-00 over the pay drawn as Assistant Registrar be continued and the pay shall be fixed at the higher of the following two amounts; namely :—  (i) the minimum of the time scale of the post of Deputy Registrar; and

1	2	3	4	5	6
					(ii) the stage in the time scale of the Deputy Registrar equal to the pay of the Officer as Assistant Registrar plus Rs. 150-00 or if there is no such stage; at the next higher stage.
					<i>Note :</i> In the case of Officers officiating in the post of Deputy Registrars; on an enhancement of their substantive pay in Assistant Registrars' post as a result of the increment or otherwise, the officiating pay of the officers in the Deputy Registrars' scale shall be refixed in accordance with the above provision if such a refixation is to their advantage.
3. Editor, Supreme Court Reports	1	—	Rs. 1100-50-1300-60-1600-100-1800 from 1-11-1964	Rs. 1500-60-1800-100-2000	
4. Assistant Registrar	7	2	(i) Rs. 750-40-950 up to 30-6-1959 (ii) Rs. 860-40-1100 up to 30-11-1959 (iii) Rs. 900-50-1200 up to 31-3-1962 (iv) Rs. 900-50-1250 up to 31-12-1972	Rs. 1200-50-1600	
5. Principal Private Secretary to the Hon'ble the Chief Justice of India	1	—	(i) Rs. 500-30-710 up to 30-6-1959 (ii) Rs. 590-30-830 (for the period 1-7-1959 to 21-9-1960) (iii) Rs. 900-50-1200 up to 31-3-1962 (iv) Rs. 900-50-1250 up to 31-12-1972	Rs. 1200-50-1600	
6. Assistant Editor, Supreme Court Reports	2	—	Rs. 900-50-1250 from 1-11-1964	Rs. 1200-50-1600	
7. Chief Librarian	1	—	Rs. 820-40-1100-50/2-1150 from 21-8-1970	Rs. 1100-50-1600	
<b>Class II (Gazetted)</b>					
8. Section Officer	14	2	(i) Rs. 500-30-710 } Up to Rs. 275-25-550 } 30-6-1959	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200-	

1	2	3	4	5	6
				(ii) Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 from 1-7-1959. (Persons appointed by promotion transfer are entitled to a minimum pay of Rs. 400-00)	(Persons appointed by promotion to the post of Section Officers shall be allowed a guaranteed minimum initial pay of Rs. 710-00.)
9. Librarian	1	—		(i) Rs. 275-25-500-30-800 up to 30-6-1959	
				(ii) Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 up to 30-12-1972	Rs-650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200
10. Private Secretary to the Hon'ble the Chief Justice of Govt.	1	—		(i) Rs. 300-20-500-up to 30-6-59	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200
				(ii) Rs. 350-25-650-up to 16-4-62. (Persons appointed by promotion are entitled to a minimum of Rs. 400-00)	(Persons appointed by promotion to the post of Private Secretary to the Chief Justice of India/Private Secretary to Hon'ble Judge/Court Master shall be allowed a guaranteed minimum initial pay of Rs. 710-00.
11. Private Secretary to the Hon'ble Judge	13	—		(iii) Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800-EB-30-830-35-900 up to 31-12-72. (Persons appointed by promotion are entitled to a minimum of Rs. 400-00)	
12. Court Master	8	1			
13. P.A. to Registrar (Post Gazetted from 1-5-1970)	1	1		(i) * 160-10-330 up to 10-1-1960 250-10-300-15-375 from 11-1-1960	
				(ii) *The Scales existing then as shown above were revised retrospectively in a single scale of pay of Rs.210-10-270-15-300-EB-15-450-EB-20-530 w.e.f. 1-7-59 vide M/F letter No. 2097-Estt/60 of 14-11-60.	
				(iii) Rs. 350-25-650-EB-30-770-from 1-5-70. (Persons appointed by promotion are entitled to a minimum of Rs. 400-00)	Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040. (Persons appointed by promotion to the post of P.A. to the Registrar shall be allowed a guaranteed minimum initial pay of Rs. 710-00)
<b>Class II (Non-Gazetted)</b>					
14. Senior Assistant Librarian	2	—		Rs. 350-25-575 from 21-8-70.	Rs. 550-25-750-EB-30-900
15. Accountant	1	—		(i) Rs. 200-15-380-EB-20-500 upto 30-6-1959	Rs. 500-20-700-EB-25-900

1	2	3	4	5	6
				(ii) Rs. 270-15-435-EB-20-575 up to 31-12-1972	
16. Assistant	39	3	}		
17. Court Associate	1	—		(i) Rs. 160-10-300-EB-15-450 up to 30-6-1959	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800
18. Editor of Paper Books	2	6		(ii) Rs. 210-10-270-15-200-EB-15-450-EB-20-530 up to 31-12-1972.	
19. Cashier	2	—			
20. Proof Reader	2	—		Rs. 210-10-270-15-300-EB-15-450-EB-20-530	Do.
21. Stenographer	8	2		(i) Rs. 160-10-330 up to 30-6-1959	Do.
				(ii) Rs. 210-10-270-15-300-EB-15-450-EB-20-530 up to 31-12-1972	
<b>Class III</b>					
22. Assistant Librarian	3	—		(i) Rs. 160-10-350 up to 30-6-1959	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700
				(ii) Rs. 210-10-290-15-320-EB-15-425 up to 31-12-1972	
23. Caretaker	1	—		Rs. 150-10-250-EB-10-290-15-335-EB-15-380 from 27-7-1962	Rs. 380-12-440-EB-15-560-EB-20-640
24. Senior Clerk	49	6		(i) Rs. 80-5-120-EB-8-200-10/2-220 up to 30-6-1959	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560
				(ii) Rs. 130-5-160-8-200-EB-8-256-EB-8-280 up to 31-12-1972	
25. Junior Clerk	103	12		(i) Rs. 60-3-81-EB-4-125-5-130 up to 30-6-1959	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400
				(ii) Rs. 110-3-131-4-156-EB-175-5-180 up to 31-12-1972	
26. Chauffeur	1	1		(i) Rs. 60-5/2-75 up to 30-6-1959	
				(ii) Rs. 110-3-131-4-139 up to 31-1-1969	Do.
				(iii) Rs. 110-3-131-4-155-EB-4-175-5-180 from 1-2-1969	
27. Senior Gestetner Operator	1	1		Rs. 110-3-131 from 1-3-1962	Rs. 260-6-326-EB-8-350
28. Despatch Rider	1	—		(i) Rs. 50-2-60-5/2-65 up to 30-6-1959	Do.
				(ii) Rs. 100-3-130 up to 28-2-1970	
				(iii) Rs. 110-3-131-4-139 up to 31-12-1972	
29. Senior Library Attendant	3	—		Rs. 95-3-131-EB-4-155 from 21-8-1970	Do.
<b>Class IV</b>					
30. Record Sorter	1	—		(i) Rs. 40-1-50-2-66 up to 30-6-1959	Rs. 210-4-250-EB-5-270
				(ii) Rs. 80-1-85-2-95-EB-3-110 up to 31-12-1972	
31. Junior Library Attendant (post redesignated w.e.f. 1-4-74)					



1	2	3	4	5	6
32. Junior Gestelnor Operator	1	1	(i) Rs. 40-1-50-2-60 up to 30-6-1959 (ii) Rs. 80-1-85-2-95-EB-3-110 up to 31-12-1972	Rs. 210-4-250-EB-5-270	
33. Daftry	23	4	(i) Rs. 35-1-50 up to 30-6-1959 (ii) Rs. 75-1-85-EB-2-95 up to 31-12-1972	Rs. 206-3-206-4-234-EB-4-250	
34. Jamadar	14	9	Do.	Do.	
35. Peon	116	23	(i) Rs. 30-1-35 up to 30-6-1959 (ii) Rs. 70-1-80-EB-1-85 up to 31-12-1972	Rs. 196-3-220-EB-3-232	
36. Farash	21	2	(i) Rs. 30-1-35-up to 30-6-1959 (ii) Rs. 70-1-80-EB-1-85 up to 31-12-1972	Rs. Do.	
37. Sweeper	16	2	Do.	Do.	
<b>Part-Time (Special Post)</b>					
1. Reporter (Part-time)		2	Rs. 450: p.m. fixed	No Change	

## NOTES :—

- (a) The posts at Serial Nos. 1, 2, 4 and 5 are non-Ministerial posts.
- (b) The posts at Serial Nos. 3, 6, 7, 9, 14, 20 and 22 are non-Ministerial/Technical posts; and
- (c) The posts at Serial Nos. 8, 10 to 13, 15 to 19, 21, 23 to 29 are Ministerial posts.
- (d) The scales of pay shown in Column 6 have been revised vide M/F letter numbers :—
- (i) F.6(12)/73-SWL/M dated the 4/5th February, 1974
- (ii) F.6(12)/73-SWL/M dated the 16th April, 1974
- (iii) F.6(12)/74-SWL/M dated the 22nd July, 1974
- (e) The scale of pay of the posts of Registrar has not been revised.
- (f) Temporary post of Registrar created from time to time as under :—
- (i) With effect from 25th July, 1963 to 15th September, 1963, vide letter No. F.1/63-SCA(I), dated 25th July, 1963
- (ii) With effect from 27th April, 1966 to 29th June, 1966 vide letter No. F.1/66-SCA(I), dated 27th April, 1966
- (iii) With effect from 16th July, 1973 for a period of one year in the first instance, vide letter No. F.1/73-SCA(I) dated 13-7-75 and extended from time to time vide M/F letter No. 6.(2)/75-SWL/M, dated 5-4-1975.

## THE SECOND SCHEDULE

(See Rule 9 Explanation)

Sl. No.	Post in the Supreme Court	Posts in the Central Secretariat
1	2	3
1. Registrar		Joint Secretary to the Government of India of the Selection Grade of the Central Secretariat Service.
2. Deputy Registrar		Deputy Secretary to the Government of India of the Selection Grade of the Central Secretariat Service.
3. Editor, Supreme Court Reports (Special Post).		Do.
4. Assistant Registrar		Under Secretary to the Government of India of Grade 1 of the Central Secretariat Service.

1	2	3
5. Principal Private Secretary to the Hon'ble Chief Justice.	Under Secretary to the Government of India of Grade 1 of the Central Secretariat Service.	
6. Assistant Editor, Supreme Court Reports (Special Post).	Do.	
7. Chief Librarian . . . . .	Chief Librarian in the Ministry of External Affairs and the Planning Commission.	
8. Section Officer . . . . .	Section Officer of the Central Secretariat Service.	
9. Private Secretary to the Hon'ble Chief Justice . . . . .	Do.	
10. Private Secretary to the Hon'ble Judge . . . . .	Do.	
11. Court Master . . . . .	Do.	
12. Librarian . . . . .	Librarian in Ministry of Law.	
13. P.A. to Registrar . . . . .	Officer of Grade I of the Central Secretariat Stenographers Service.	
14. Senior Assistant Librarian . . . . .	Senior Assistant Librarian in the Ministry of Finance.	
15. Accountant . . . . .	Special Post.	
16. Assistant . . . . .	Officer of Grade IV of the Central Secretariat Service.	
17. Court Associate . . . . .	Do.	
18. Editor of Paper Books . . . . .	Do.	
19. Cashier . . . . .	Do.	
20. Proof Reader (Special Post) . . . . .	Do.	
21. Stenographer . . . . .	Officer in Grade II of the Central Secretariat Stenographers Service.	
22. Assistant Librarian . . . . .	Librarian (Grade II) in the Ministry of Law.	
23. Caretaker . . . . .	Post of Caretaker in the Central Public Works Department.	
24. Senior Clerk . . . . .	Officer of Grade I of the Central Secretariat Clerical Service.	
25. Junior Clerk . . . . .	Officer of Grade II of the Central Secretariat Clerical Service.	
26. Chauffeur . . . . .	Chauffeur in the Government of India.	
27. Senior Gestetner Operator . . . . .	Senior Gestetner Operator in the Government of India.	
28. Despatch Rider . . . . .	Despatch Rider in the Government of India.	
29. Senior Library Attendant . . . . .	Senior Library Attendant in the Planning Commission.	
30. Record Sorter . . . . .	Record Sorter in the Government of India.	
31. Junior Library Attendant . . . . .	Do.	
32. Junior Gestetner Operator . . . . .	Junior Gestetner Operator in the Government of India.	
33. Daftry . . . . .	Daftry in the Government of India.	
34. Jamadar . . . . .	Jamadar in the Government of India.	
35. Peon . . . . .	Peon in the Government of India.	
36. Farash . . . . .	Farash in the Government of India.	
37. Sweeper . . . . .	Sweeper in the Government of India.	
38. Reporter (Part-time) . . . . .	Special Post.	

S. K. GUPTA,  
Registrar (Admn.)

## SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 3rd September 1975

No. F.6/75-SCA(I).—Pursuant to the provisions contained in clause (ii) of sub-rule (10) of rule 13 of the Supreme Court Officers and servants (Conditions of Service and Conduct) Rules, 1961, the Hon'ble the Chief Justice of India has

been pleased to impose the penalty of compulsory retirement on Shri D. S. Chauhan, Officiating Section Officer, Supreme Court of India (under suspension) with effect from the forenoon of 22 March 1975.

S. K. GUPTA  
Registrar (Admn.)  
Supreme Court of India.

New Delhi, the 3rd September 1975

No. F. 2/75-SCA(I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to confirm the following officers of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of 3 September 1975 and appoint them substantively to the posts shown against each one of them :—

S. No.	Name	Present post held	Post in which confirmed
1.	Shri A. Appa Rao	Private Secretary to Hon'ble Judge	Court Master
2.	Shri Brij Mohan Sharma	Section Officer	Court Master
3.	Shri G.G. Awasthi	Offg. Court Master	Section Officer
4.	Shri N. C. Janjani	Offg. Section Officer.	Section Officer
5.	Shri P. N. Likhyan	Offg. Private Secretary to Hon'ble Judge	Private Secretary to Hon'ble Judge
6.	Shri J. K. Rawal	Offg. Private Secretary to Hon'ble Judge	Private Secretary to Hon'ble Judge
7.	Shri K. K. Mohan	Offg. Private Secretary to Hon'ble Judge	Private Secretary to Hon'ble Judge.

The Hon'ble the Chief Justice of India has also been pleased to confirm provisionally the following officers of the Supreme Court of India with effect from the forenoon of 3 September 1975 to the posts shown against each one of them.

S.No.	Name	Present post held	Post in which confirmed
1.	Shri H. L. Chandra Mouli	Offg. Private Secretary to Hon'ble Judge	Private Secretary to Hon'ble Judge.
*2.	Shri B. M. Btra	Offg. Private Secretary to Hon'ble Judge	Private Secretary to Hon'ble Judge.

\*NOTE. The provisional confirmation will stand revoked in the event of officers whose lien has been suspended revert to this Registry and no post of suspended lien remain available.

The 4th September 1975

No. F.6/75-SCA(I).—After the expiry of leave Shri K. K. Sehgal has resumed charge of the post of Private Secretary to Hon'ble the Chief Justice of India with effect from the forenoon of 3 September 1975

Shri A. P. Jain, Officiating Private Secretary to Hon'ble the Chief Justice of India, reverted to the post of Stenographer in this Registry with effect from the afternoon of 2 September 1975.

R. SUBBA RAO,  
Deputy Registrar (Admn.)  
Supreme Court of India

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 2nd September 1975

No. A. 32013/1/75-Admn.I.—Shri B. N. Addy, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service Cadre of the Union Public Service Commission, appointed to officiate in Grade I of the Service vide this office Notification No. A. 32013/1/75-Admn.I dated 23rd July, 1975, relinquished charge of the office of the Under Secretary, Union Public Service Commission, with effect from the afternoon of the 14th August, 1975.

2. On his reversion, Shri B. N. Addy, resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 14th August, 1975.

No. P/1/55-Admn.I.—On the expiry of his tenure as under Secretary, Union Public Service Commission, the services of Shri S. K. Khosla an officer of Punjab Civil Service are replaced at the disposal of the Government of Punjab with effect from the afternoon of 23rd August, 1975.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secretary  
Union Public Service Commission.

## CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE  
REFORMS)

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th September 1975

No. A-19036/13/75-AD.V.—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri C. K. Tiwan, a deputant officer of M. P. Police as Dy. S. P. in Central Bureau of Investigation with effect from the forenoon of 26th August 1975 in a temporary capacity, until further orders.

G. I. AGARWAL,  
Administrative Officer(E)  
Central Bureau of Investigation

## INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING &amp; MANAGEMENT

(EXAMINATIONS WING)

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 27th September 1975

No. 13/5/75-ARRNG.—In partial modification of this Institute's Notice No. 13/3/75-Arrng., dated the 31st May, 1975, it is notified for general information that the Grade III, Stenographers' Examination, 1975, will, in addition to the centres mentioned in paragraph 1 of the Notice dated the 31st May, 1975, be held also at Darjeeling, Raipur, Ranchi and Udaipur. The Examination at these four centres will be held on the 12th February, 1976. The examination at all other centres (mentioned in the Notice dated the 31st May, 1975) will, however, be held on the 27th December, 1975, as already notified.

2. Only those persons, who belong to the Scheduled Tribes, will be eligible to take the examination to be held at Darjeeling, Raipur, Ranchi and Udaipur on the 12th February, 1976. However, those Scheduled Tribes candidates, who have already submitted their applications to this Institute in response to the Notice dated 31st May, 1975, shall not be eligible to apply for admission to the examination to be held at these four additional Centres.

3. The last date for receipt/sale of applications for admission to the examination to be held at the four additional centres on the 12th February, 1976 will be the 24th November, 1975.

**MADAN LAL,**  
Director (Exams.)  
Institute of Secretariat Training & Management

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS**  
**DIRECTORATE GENERAL, (CRPF)**

New Delhi-110001, the 6th September 1975

No. O.II-1029/75-Estt(CRPF).—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr. C. R. Krishna Murthy

New Delhi, the 8th September 1975

**OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA**

No. 8/10/73-RG(Ad. I).—In this Office Notification of even No. dated 28th July, 1975 regarding relinquishment of charge by officers of various Directorates of Census Operations, the existing entries against Sl. No. 8 will be substituted by the following entries.

S. No.	Name and Designation	Name of the office.	Date of relinquishment of charge.	Services replaced at the disposal.
8.	Shri B. B. Pande, Dy. Director of Census Operations.	Director of Census Operations, Uttar Pradesh.	19-7-75 (AN)	Government of Uttar Pradesh.

No. 11/7/75-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri R. E. Choudhari, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Maharashtra as Assistant Director of Census Operations in the same office, on *ad-hoc* basis, for a period of six months with effect from the forenoon of the 18th August, 1975 or till the post is regularly filled up, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Choudhari will be at Bombay.

No. 11/7/75-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri D. P. Chatterjee, Investigator in the office of the Director of Census Operations, West Bengal as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on *ad-hoc* basis, for a period of six months with effect from the forenoon of 19th August, 1975 or till the post is regularly filled up, whichever is earlier.

2. The headquarters of Shri Chatterjee will be at Calcutta.

The 10th September 1975

No. 10/8/75-RG(Ad.I).—Consequent on his superannuation Shri R. C. Nigam relinquished the charge of the office of Assistant Registrar General (Language) in the office of the Registrar General, India (Language Division) Calcutta with effect from the afternoon of 31st August 1975.

2. The President is pleased to re-employ Shri R. C. Nigam to the post of Assistant Registrar General (Language) in the office of the Registrar General, India (Language Division at Calcutta) for a period of four months with effect from the forenoon of 1st September, 1975.

3. The headquarters of Shri R. C. Nigam will be at Calcutta.

**BADRI NATH,**  
Deputy Registrar General, India and  
*ex-officio* Deputy Secretary

as Junior Medical Officer in the CRPF, on an *ad-hoc* basis initially for a period of one year with effect from the forenoon of 4th June, 1975.

2. Dr. C. R. Krishna Murthy, is posted to 2nd Base Hospital, CRPF Hyderabad.

The 8th September 1975

No. F.8/17/75-Estt(CRPF).—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri Anil Kumar DY S.P. of 14th Bn CRPF wef the afternoon of 19th July, 1975.

The 10th September 1975

No. O.II-850/72-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. K. Srinivasa Rao, JMO, GC, CRPF, Poona w.e.f. the forenoon of 9th May, 1975.

No. O.II-894/73-Estt.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Dr. (Mrs.) B. Satyaveni JMO, GC, CRPF Poona wef the forenoon of 1st May, 1975.

**A. K. BANDYOPADHYAY**  
Assistant Director (Adm.)

**MINISTRY OF FINANCE**

**(DEPARTMENT OF ECONOMICS AFFAIRS)**

**BANK NOTE PRESS**

Dewas, the 24th August 1975

F. No. BNP/Spl/24.—The recruitment rules having been finalised, the *ad-hoc* appointment on deputation of Shri C. N. Laxman Rao, Sr. Instructor in the Office of the Principal, Zonal Training School, Central Railway, Bhusawal as Asstt. Engineer (Air Conditioning) in the Bank Note Press is regularised w.e.f. 22nd February 1975 and continued w.e.f. 1st July 1975 to 15th January 1976 (AN) on the same terms and conditions.

**D. C. MUKHERJEA**  
General Manager

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENTS**  
**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL U.P., I**

Allahabad, the 1st September 1975

No. Admn.I/11-144(XI)/170.—The Accountant General, Uttar Pradesh I, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office w.e.f. the dates noted against each till further orders:—  
S/Sri

(1) Dilawar Singh—28th July 1975

(2) Veerendra Deva Saxena—18th August 1975.

**U. RAMACHANDRA RAO,**  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

**OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MADHYA PRADESH-I**

Gwalior-474002, the 28th June 1975

No. Admn.I/133.—The Accountant General, Madhya Pradesh-I has been pleased to appoint the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity from the dates mentioned against each, until further order.

1. Shri R. P. Mishra (02/0182)—28th May 1975 Forenoon.
2. Shri N. C. Agarwal (02/0183)—28th May 1975 Forenoon.

The 10th July 1975

No. Admn.I/157.—The Accountant General, Madhya Pradesh, Gwalior has been pleased to accept the resignation tendered by Shri O. P. Bansal, a permanent Section Officer and officiating Accounts Officer, from Govt. service with effect from 1st September 1974 Forenoon on his permanent absorption in the Bharat Heavy Electricals Limited.

The 14th July 1975

No. Admn.I/174.—Consequent on his substantive appointment as Joint Assistant Director (Accounts Officer) with effect from 6th March 1971 in the Directorate General, Border Security Force (Ministry of Home Affairs), the Accountant General, Madhya Pradesh has been pleased to terminate, with effect from 6th March 1971, the lien held by Shri P. G. Pandit, an officiating Accounts Officer, in the substantive post of Section Officer held by him in the Office of the Accountant General, Madhya Pradesh.

S. L. MALHOTRA,  
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

#### OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, N.F. RAILWAY MALIGAON

Gauhati-11, the 16th August 1975

No. Admn/5-16/58/63/35A.—The Chief Auditor, N.F. Railway, has been pleased to appoint Shri V. S. Srivastava, a permanent member of the Subordinate Railway Audit Service of this office, to officiate as Audit Officer in the Scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 1st August 1975 (F.N.) until further orders.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Chief Auditor

#### MINISTRY OF DEFENCE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta-700016, the 29th August 1975

No. 34/75/G.—On attaining the age of superannuation (58 years), Shri A. M. Jacob, Offg. Addl. DGOF/RDOF (CR), Permt. DDGO/GM(SG), retired from service with effect from 31st May, 1975 (AN).

R. M. MAZUMDAR,  
Director General, Ordnance Factories

#### MINISTRY OF LABOUR OFFICE OF THE CHIEF LABOUR COMMISSIONER (C)

New Delhi, the 21st August 1975

No. Adm.12(51)/74.—On his appointment by the Chief Labour Commissioner (C) as a Labour Enforcement Officer (C) in a temporary capacity in this Organisation Shri Harish Chandra Moolchandaney assumed charge of the office of the Labour Enforcement Officer (C), Giridih, on the forenoon of 1st August, 1975.

The 26th August 1975

No. Adm.I/12(52)/74.—The Chief Labour Commissioner (C) has appointed Shri Girish Chandra Srivastava as Labour Enforcement Officer (Central) in a temporary capacity in this Organisation. Shri Srivastava has accordingly assumed charge of the Office of the Labour Enforcement Officer (Central), Nagpur, on the forenoon of the 1st August, 1975.

T. K. RAMACHANDRAN,  
Administrative Officer

#### MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the September 1975

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1075/75-Admn(G)/99/69.—The President is pleased to appoint S/Shri K. R. Sreenivasan and M. B. Tawadey, permanent in the Section Officer's Grade of the CSS working in the Ministry of Commerce, to officiate in Grade I of the Service with effect from 17th June 1975 to 31st August and 13th June 1975 to 31st August 1975 respectively.

2. The President is also pleased to appoint S/Shri K. R. Sreenivasan and M. B. Tawadey as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi for the aforesaid period.

3. This supersedes this office Notifications No. 6/1076-75-Admn(G) dated 7th July 1975 and No. 6/1075/75-Admn(G) dated 10th July 1975.

No. 6/481/57-Admn(G)/9985.—The President is pleased to appoint Shri H. L. Bahl, Controller in the Office of the Jt. Chief Controller of Imports and Exports (CLA), New Delhi, as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in that office for the period from 23rd May 1975 to 1st September 1975.

B. D. KUMAR,  
Chief Controller of Imports & Exports

#### OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

Madras-1, the March 1975

#### ORDER

SUB—Cancellation of Import Licences No. P/S/1784835/C/XX/53/M/37-38 dt. 27-11-1974 for Rs. 5,000/- and No. P/S/1784836/R/ML/53/M/37-38 dt. 27-11-1974 for Rs. 5,000/- both Customs & Exchange Control Purposes Copies in each.

M/s. Lucky Screen Arts, 69-A, S. S. Koil Street, Pollachi were issued Import Licence No. P/S/1784835/C/XX/53/M/37-38 dt. 27-11-74 for Rs. 5,000 and No. P/S/1784836/R/ML/53/M/37-38 dt. 27-11-74 for Rs. 5,000 for April/March 1974 Period for import of Photographic Negative excluding /A/ X-Ray Films and /B/ Photographic Printing Paper / Black & White/ as per April/March 1975 Policy from General Currency Area and U.K. respectively.

The firm have applied for issue of duplicate copies of both the licences, both Customs Purposes Copies and Exchange Control Purposes Copies on the ground that the original licences both Customs Purposes and Exchange Control Purposes Copies have been lost/misplaced having not utilised to any extent in any of the licences. In support of their content, they have filed an affidavit.

I am satisfied that the Customs Purposes and Exchange Control Purposes Copies of both the licences have been lost/misplaced and duplicate copies of the same to utilise full face value of the licences may be issued to the firm.

The original Customs Purposes Copies and Exchange Control Purposes Copies of both the licences are hereby cancelled.

(Issued from File No. Ptg./1257/AM.74/SSL2).

M. F. R. BIJLI,

Deputy Chief Controller of Imports & Exports  
For Jt. Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES  
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)  
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 4th September 1975

No. 19018/4/73-Admn(G).—Consequent upon his deputation under Dadra and Nagar Haveli Administration, Silvassa, for appointment as Project Officer-cum-Assistant Director of Industries, Shri G. P. Mathur relinquished charge of the post of Assistant Director (Grade II) at the Extension Centre, Aligarh (under Small Industries Service Institute, Kanpur) on the afternoon of 2nd May 1975, and assumed charge as Project Officer-cum-Assistant Director of Industries under Dadra & Nagar Haveli Administration, Silvassa, on the forenoon of 12th May 1975.

K. V. NARAYANAN  
Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 6th September 1975

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, the entries appearing after second para under "CLASS 2—NITRATE MIXTURE", shall be substituted by the following, namely:

"ALFADYNE for carrying out field trials at specified locations provisionally up to 31st August, 1976.

AMMONIUM NITRATE/FUEL OIL MIXTURE (A.N.F.O.) provided the same is not so sensitive that it can be initiated by means of a No. 6 detonator.

AQUADYNE

AQUADYNE-II for carrying out field trials at specified locations up to 31st March, 1976.

AQUANAL  
AQUARAM  
ENERGEL  
GN-1  
GODYNE  
MARINEX G1  
MARINEX G2  
MARINEX G3  
MONODYNE  
NOBELITE  
PERMADYNE

PERMAFLO-1 for carrying out field trials at specified locations up to 31st March, 1976.

PERMAFLO-3 for carrying out field trials at specified locations up to 31st March, 1976.

POWEREX  
POWERFLO-1  
POWERFLO-2  
POWERFLO-3  
POWERITE  
POWERPLAST

PRM-101, PRM-102 and PRM-103 for carrying out trial manufacture and tests up to 31st March, 1976.

SUPERDYNE  
SUPERFLO  
SUPERCEL  
TOEBLAST".

I. N. MURTY  
Chief Controller of Explosives

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES &  
DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 3rd September 1975

No. A-1/1(1029).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri Deep Chand, Junior Field

Officer in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate on *ad-hoc* basis as Assistant Director (Grade II) in the same Directorate General at New Delhi with effect from the forenoon of 18th August, 1975 and until further orders.

2. The appointment of Shri Deep Chand as Assistant Director (Grade II) is purely temporary and subject to the result of Civil Writ Petition No. 739/71 filed by Shri M. Kuppaswamy in the High Court of Delhi.

K. L. KOHLI,  
Deputy Director (Administration)  
for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700013, the 2nd September 1975

No. 5828/B/2181(TJPR)/19B.—Shri T. J. P. Rao, Senior Technical Assistant (Chem.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 20th June, 1975, until further orders.

No. 5839/B/22/66/19A.—Shri B. K. Mukherjee, Assistant Stores Officer, Geological Survey of India is appointed as Stores Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 1st May 1975, until further orders.

No. 5841/B/2222(RSN)/19A.—Shri R. S. Negi received charge of the post of Assistant Geologist in the Geological Survey of India on reversion from the Mineral Exploration Corporation Limited from the afternoon of 31st December 1974.

No. 5847/B/4/72/19A.—Shri T. S. Subramanian, Stores Superintendent (Tech.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Stores Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of 18th July 1975, until further orders.

No. 5856/B/2251(SSD)/19B.—Shri S. S. Dhillon, Driller, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from the 30th June, 1975 (afternoon).

The 3rd September 1975

No. 5862/B/40/59(CR)/19A.—Shri C. Rodrigues, Assistant Stores Officer, Geological Survey of India is appointed as Stores Officer in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 5th May 1975, until further orders.

No. 5873/B/2181(VKK)/19B.—Shri V. K. Kashyap, S.T.A. (Chem.), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 9th July, 1975, until further orders.

The 4th September 1975

No. 5886/B/2222(BZ)/19A.—Shri Baquir Zaheer is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650 per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 30th June 1975, until further orders.

No. 5892/B/2222(SKB)/19A.—Shri S. K. Bhatia Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 16th May 1975, until further orders.

No. 5898/B/2222(KVR)/19A.—Shri K. V. Ravindran, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—

1000—EB—40—1200 in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 22nd May 1975, until further orders.

The 5th September 1975

No. 5917/B/2222(DR)/19A.—Shri Des Raj is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650 per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 9th July 1975, until further orders.

V. K. S. VARADAN  
Director General

#### DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 29th August 1975

No. 2/12/75-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints the following SEAS to officiate in the grade of Assistant Engineer on *ad-hoc* basis with effect from the dates mentioned against each at the Stations/offices of all India Radio shown against their names until further orders :—

S.No.	Name	Place of posting	Date of appointment
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Shri N. V. Subha Rao	HPT, All India Radio, Chinsurah	26-6-75 (at BPU Hyderabad)
2.	Shri G. Madevan Nair	HPT, All India Radio, Avadi, Madras.	28-7-75
3.	Shri Banarasi Lal	TV Centre, All India Radio, Srinagar.	21-7-75
4.	Shri Virendra Swaroop Deshothan	HPT, All India Radio, Jodhpur.	5-7-75 (AN)
5.	Shri V. N. Chandrasekharan Pillai	AIR, Port Blair	21-8-75
6.	Shri Swaranjit Singh	TV Centre, All India Radio, Srinagar.	28-6-75
7.	Shri Natesan Rama Chandran	HPT, All India Radio, Malad, Bombay.	10-7-75
8.	Shri S. Dutta Gupta	Office of RE (East) All India Radio, Calcutta.	10-7-75 (At BPU, Cuttack)
9.	Shri N. V. Menon	All India Radio, Dibrugarh.	12-8-75

P. K. SINHA,  
Deputy Director of Administration  
for Director General

New Delhi, the 2nd September 1975

No. 5(132)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri G. C. Suklabaidya, Transmission Executive, All India Radio, Agartala as Programme Executive, All India Radio, Silchar in a temporary capacity with effect from the 18th July, 1975 and until further orders.

2. This Directorate's Notification No. 5(132)/67-SI, dated the 16th August, 1975 is hereby cancelled.

No. 5(153)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri H. K. Munshi, Transmission Executive, All India Radio, Leh as Programme Executive in the Commercial Broadcasting Service, Radio Kashmir, Srinagar in a temporary capacity with effect from the 8th August, 1975 and until further orders.

No. 4(99)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri K. K. Shukla as Programme Executive, All India Radio, Bhopal in a temporary capacity with effect from the 12th August, 1975 and until further orders.

The 5th September 1975

No. 6(116)/63-SI.—Shri P. K. Bhattacharjee, *ad hoc* Programme Executive, All India Radio, Gauhati, who relinquished charge of that post on the forenoon of 12th May, 1975 while proceeding on earned leave for the period from 12th May to 11th July, 1975 reverted to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station with effect from the forenoon of the 1st July, 1975.

The 6th September 1975

No. 4(37)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Kabir Ahmed a permanent Transmission Executive and officiating as Producer Grade II in the Tele-

vision Centre, All India Radio, Srinagar as Programme Executive, All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity with effect from the 14th August, 1975 and until further orders.

No. 4(57)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri P. K. Sinha as Programme Executive, All India Radio, Jabalpur in a temporary capacity with effect from the 7th August, 1975 and until further orders.

No. 4(59)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Smt. Roseline Lakra as Programme Executive, All India Radio, Ranchi in a temporary capacity with effect from the 2nd August, 1975 and until further orders.

No. 4(86)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Mohd. Shere Islam as Programme Executive, All India Radio, Ranchi in a temporary capacity with effect from the 6th August, 1975 and until further orders.

SHANTI LAL  
Deputy Director of Administration  
for Director General

New Delhi-1, the 4th September 1975

No. 3/48/61-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri M. A. Topiwala, Accountant, All India Radio, Ahmedabad to officiate as Administrative Officer, All India Radio, Ahmedabad on purely *ad-hoc* basis with effect from 29th August 1975 (A.N.).

I. S. PANDHI  
Section Officer  
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING  
FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 4th September 1975

No. 17/42/49-Est.I.—On return of Shri P. Das Gupta, Permanent Branch Manager, Films Division, Nagpur from leave, Shri P. V. Rao reverted to the post of Salesman, Films Division, Nagpur from the 16th August 1975 (F.N.).

M. K. JAIN  
Asstt. Administrative Officer  
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 2nd May 1975

No. 16-2/75-SI.—On retirement from Government Service Shri Sadhu Ram Sharma Depot Manager in the Medical Store Organisation relinquished charge of his post with effect from the afternoon of 31st March, 1975.

SANGAT SINGH  
Dy. Director Administration (Stores)  
for Director General of Health Services

New Delhi, the 24th July 1975

No. 16-18/75-SI.—On retirement from Govt. service, Shri B. S. Mitra, Assistant Depot Manager, in the Medical Store Depot, Hyderabad relinquished the charge of his post with effect from the afternoon of 30th June 1975.

SANGAT SINGH  
Dy. Director Administration (Stores)

New Delhi, the 2nd September 1975

No. 20/6(2)/75-CGHS.I.—Consequent on the acceptance of his resignation Dr. Prakash Joshi Junior Medical Officer (Ad-hoc)/Dr. Kamal Prakash Junior Medical Officer relinquished charge of the post of J.M.O. on 18th July 1975 A.N./19th July 1975 (A.N.).

No. 20/6(1)/75-CGHS.I.—Consequent on discontinuance of terms of *ad-hoc* appointment of Dr. (Mrs.) Kamaljeet Kaur, G.D.O., Gr. II (*ad-hoc*) under Central Govt. Health Scheme, Delhi, beyond 31st December, 1974, her services stand terminated in terms of conditions of her *ad hoc* appointment w.e.f. the above mentioned date.

G. PANCHAPAKESAN  
Deputy Director Administration (CGHS)

CORRIGENDUM

New Delhi, the 4th September 1975

No. 28-8/74-Admn.-I.—In paragraph 2 of this Directorate's Notification No. 28-8/74-Admn.-I, dated the 19th August, 1975, for afternoon of 16th July, 1975 read afternoon of 15th July, 1975.

The 6th September 1975

No. 1-34/68-Admn.I(Vol.II).—On return from deputation with the National Institute of Health Administration & Education, New Delhi, Shri Baldev Raj assumed charge of the post of Health Education Officer at the All India Institute of Hygiene & Public Health, Calcutta, on the forenoon of the 11th July, 1975.

The 10th September 1975

No. 19-9/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. A. Srinivasa Rao in a substantive capacity to the permanent post of Professor of Physics at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry with effect from the 18th October, 1974.

S. P. JINDAL  
Dy. Director Administration (O&M)

New Delhi, the 5th September 1975

No. 40-49/74-D.—The Director General of Health Services hereby appoints Shri Shri Chandra Gupta as Junior Scientific Officer (Pharmacology) in the Central Indian Pharmacopoeia Laboratory, Ghaziabad in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 1st August, 1975 and until further orders.

S. S. GOTHOSKAR  
Drugs Controller (India)  
for Director General of Health Services

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)  
DIRECTORATE OF AGRICULTURAL AVIATION

New Delhi, the 8th September 1975

No. 1-27/75-Adm-I.—The undersigned is pleased to appoint Shri Krishan Lal, Superintendent in the Directorate of Agricultural Aviation, New Delhi as Assistant Administrative Officer w.e.f. 1 Aug 75 (forenoon) in a temporary capacity in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the same office until further orders, *vice* Shri D. R. Sharma, Assistant Administrative Officer proceeded on leave.

S. SAHNI  
Director of Agricultural Aviation

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)  
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

BRANCH HEAD OFFICE

Nagpur, the 5th September 1975

No. F.3(13)57/74-D.II.—In partial modification of the notification No. F.3(13)57/72-D.II dated the 4th July, 1973, published in the Gazette of India, Part III Section 1 dated 21st July 1973 (Page 1842) the name of Shri A. K. Guha, Marketing Officer, occurring in the said notification may be treated as *cancelled*.

No. F. 3(13)57/74-D.II.—Notification No. F. 3(13)57/73-D.II dated the 3rd November 1973, authorising Shri D. A. Khan, Assistant Marketing Officer, to issue Certificates of Grading for animal casings published in the Gazette of India, Part III, Section 1 dated 1st December, 1973 (Page 6325), may be treated as *cancelled* as Shri D. A. Khan has since resigned and left the Directorate

No. F.3(13)57/74-D.II.—In exercise of the powers conferred by the Govt. of India, Ministry of Finance, (Department of Revenue) Customs Notification No. 174-CUS dated the 26th December, 1964, I hereby authorise Mrs. Renuka, Assistant Marketing Officer to issue Certificates of Grading from the date of issue of this notification in respect of animal casings which have been graded in accordance with the Animal Casings Grading and Marking Rules, 1964, as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above notification.

N. K. MURALIDHARA RAO  
Agricultural Marketing Adviser  
to the Government of India

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL  
AVIATION

New Delhi, the 5th September 1975

No. A.32013/2/74-EA.—The President has been pleased to appoint the following Aerodrome Officers to the grade of Senior Aerodrome Officer in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600 in an officiating capacity with effect from the date noted against their names and until further orders :—

S. No., Name, Date and Station :

1. Shri P. C. Vyas, 2-8-75—Delhi Airport, Palam.



2. Shri G. E. Samuel, 6-8-75—Madras Airport, Madras.

3. Shri V. G. Karnad, 2-8-75 AN—Bombay Airport, Bombay

This supersedes this Deptt. Notification No. A.32013/2/74-EA dated the 18th August, 1975

MOHINDER LAL  
Asstt. Director of Administration

New Delhi, the 5th September 1975

No. A.32013/11/75-EC.—In continuation of this Department Notification No. A.32013/11/75-EC dated the 21st July, 1975, the President is pleased to extend the *ad hoc* promotion of the following Senior Technical Officers in the Civil Aviation Department upto the 31st December, 1975, or till the posts are filled up on a regular basis, whichever is earlier :—

1. Shri S. Ramachandran
2. Shri S. K. Chandra
3. Shri G. V. Koshi
4. Shri P. R. Suryanandan
5. Shri N. K. Nanu
6. Shri A. Ramanathan
7. Shri D. C. Mehta
8. Shri V. K. Babu

H. L. KOHLI  
Deputy Director of Administration  
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 6th September 1975

No. A 32013/8/74-ES.—The President is pleased to appoint Shri S. N. Sharma, Senior Aircraft Inspector to officiate as Controller of Aeronautical Inspection, Calcutta w.e.f. the 7th August, 1975 (Afternoon) on a regular basis and until further orders.

H. L. KOHLI  
Deputy Director of Administration

#### FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 6th September 1975

No. 16/245/75-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri S. L. Arora, belonging to Maharashtra Forest Department and on deputation as Zoo Ranger, Delhi Zoological Park, New Delhi, as Assistant Instructor, Eastern Forest Rangers College, Kurseong, West Bengal with effect from the forenoon of the 4th August, 1975.

The 8th September 1975

No. 16/123/73-Ests-I.—Consequent upon his appointment as Mechanical Engineer at the Logging Training Centres Project, Dehra Dun, the President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun has been pleased to relieve Shri V. K. Wadhwa, of his duties of Assistant Engineer (Mechanical) at this Institute on the forenoon of 30th June 1975.

PREM KAPUR  
Registrar  
Forest Research Institute and Colleges

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Guntur-522004, the 2nd August 1975

##### (CENTRAL EXCISE) DEPARTMENT

No. 6.—The following permanent Senior Grade Inspectors of Central Excise, have been appointed until further orders to officiate as Superintendents of Central Excise, Class II in the Central Excise Collectorate, Guntur. They have assumed charge as Superintendents of Central Excise, Class II with effect from the dates noted against each :

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of assumption of charge as Superintendent of Central Excise, Class-II.
S/Shri			
1. R. M. Venkanna Rao	. . . . .	Superintendent IDO-I Guntur.	4-7-75
2. B. A. Somayajulu	. . . . .	Superintendent IDO Rajahmundry.	5-6-75
3. T. V. R. M. Sarma	. . . . .	Superintendent MOR. Amalapuram of I DO Rajahmundry.	11-6-75 (AN)
4. M. N. Rao	. . . . .	Superintendent IDO. Vijayawada.	5-6-75
5. N. Mallikharjuna Rao	. . . . .	Superintendent IDO. Visakhapatnam.	12-6-75 (AN)
6. S. Rahman Sheriff	. . . . .	Superintendent (L.R.) IDO. Rajahmundry.	24-6-75
7. S. C. Nageswara Swamy	. . . . .	Superintendent IDO. Visakhapatnam.	30-6-75
8. N. Govinda Swamy	. . . . .	Superintendent Rajahmundry.	16-7-75

No. 7.—Shri A. Purnachandra Rao, Officiating Office Superintendent of Central Excise, Hqrs. Office, Guntur has been appointed until further orders to officiate as Assistant Chief Accounts Officer of Central Excise, in the Central Excise Collectorate, Guntur. He has assumed charge as Assistant Chief Accounts Officer of Central Excise, Head-quarters Office, Guntur with effect from 15th July, 1975.

No. 8.—Shri M. Cornelious, Officiating Superintendent of Central Excise, Class-II, I.D.O. Visakhapatnam has retired from service with effect from 30th June, 1975 A.N. on attaining the age of Superannuation.

No. 9.—Shri L. Bhavaniram, Officiating Superintendent of Central Excise, Class II M.O.R. Fedanandipadu of I.D.O. I.

Guntur has retired from service with effect from 15th July, 1975 F.N. under the provisions of P.R. 56-J.

I. J. RAO, Collector  
Central Excise, Guntur

Allahabad, the 12th August 1975

No. 90/1975—Shri Harendra Kumar Ghosh, officiating Office Superintendent, posted in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad, appointed to officiate as Assistant Chief Accounts Officer of Central Excise, until further

orders, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, *vide* this office Establishment Order No. 208/1975, dated 29th July 1975 issued under endorsement C.No.II(3) 30-EI/75/27805, dated 29th July 1975, assumed charge of the office of the Assistant Chief Accounts Officer, in the Central Excise Collectorate Hdqrs. Office, Allahabad, on 30th July 1975 (forenoon) *vice* a vacancy.

The 23rd August 1975

No. 92/1975.—Shri R. D. Singh, officiating Superintendent, Central Excise, Class II, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Rampur, took over the charge of the office of the Superintendent, Central Excise Amroha, in addition to his own duties, on 31st July 1975 (forenoon), relieving Shri R. S. Gupta, Superintendent, Central Excise, Class II of the additional charge.

No. 93/1975.—Shri R. S. Gupta, officiating Superintendent, Central Excise, Class II, previously posted as Superintendent, Central Excise, Chandausi, in the Central Excise Integrated Divisional Office, Rampur, handed over the charge

Patna, the 22nd August 1975

C No. II (7)5-ET/75/8545—In pursuance of this Office Estt-Order No. 172/75 dated 8th May, 1975 issued under endt. C. No. II (3) 43-ET/73/Loose/23362-81 dated 8th May, 1975 appointing four Inspector (S. G.) of Central Excise to officiate as Superintendent of Central Excise Class-II in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 plus usual allowances as admissible under rules and Estt. Order No. 223/75 dated 7th June 1975 issued under Endt. C. No. II (3) 83-ET/74/31814-42 dated 12th June 1975, the following have assumed charge as Superintendent Central Excise Class-II at their respective places and with effect from dates and hour indicated against each.

Sl. No.	Name	Place of posting	Date of assumption of charge
1.	Shri Brijnandan Prasad . . . . .	Supdt., Central Excise, Chakradharpur Range	27-6-75
2.	Shri Md. Nabiul Hassan . . . . .	Supdt., Central Excise, Kalyanpur Range	17-7-75 (F.N.)

H. N. SAHU,  
Collector,  
Central Excise, Patna

Madras-600001, the 19th March 1975

#### CUSTOMS ESTABLISHMENT

No. 7/75.—Shri S. C. Raghavan, Examiner (SG), Madras Custom House promoted to officiate as appraiser *vide* Madras Custom House Order No. 4/75 dated 7th January 1975 assumed charge as Appraiser on the Forenoon of 1st February 1975 at Visakhapatnam Custom House.

No. 8/75.—Shri V. Ananthakrishnan, Examiner (SG), Madras Custom House, promoted to officiate as Appraiser *vide* Madras Custom House order No. 3/75 dated 7th January 1975 assumed charge as Appraiser on the Forenoon of 8th January 1975 at Madras Custom House.

No. 9/75.—Shri Mir Zamin Ali, Examiner (SG), Madras Custom House, promoted to officiate as Appraiser—*Vide* Madras Custom House order No. 1/75 dated 2nd January 1975 assumed charge as Appraiser on the forenoon of 2nd January 1975 at Madras Custom House.

G. SANKARAN, Collector of Customs

#### DIRECTORATE OF INSPECTION CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 4th September 1975

No. 11/1975 [C No. 1041/32/75].—Shri M. M. Singh Sawhney, lately posted as Senior Analyst in the Central Board of Excise and Customs, New Delhi, assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class I in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise, New Delhi on 28th August 1975 (Forenoon).

B. S. CHAWLA,  
Director of Inspection  
Customs and Central Excise

#### CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the 26th August 1975

No. A-19012/549/75/Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Class-II), the Chair-

of the office of the Superintendent, Central Excise, Chandausi in the afternoon of 31st July 1975 to Shri R. D. Singh, Superintendent, Central Excise, Class II in addition to his own duties, and retired from Government Service with effect from the said date and hour.

H. B. DASS  
Collector  
Central Excise, Allahabad

Delhi, the 4th September 1975

#### (ESTABLISHMENT)

No. 119.—Shri M. K. Saxena, Inspector (SG) of Central Excise Collectorate, Delhi appointed to officiate as Superintendent, Central Class-II in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, took over the charge of the office of Superintendent, Class-II, New Delhi (on the strength of Aircargo Unit, Palam) in the forenoon of 13th August 1975.

M. S. MEHTA,  
Collector

man, Central Water Commission is pleased to appoint Shri V. S. Pagare, Senior Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group) in the Central Water & Power Research Station, Poona, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a regular basis, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of the 4th August 1975 until further orders.

Shri V. S. Pagare will be on probation in the grade of Assistant Research Officer (Physics), Central Water & Power Research Station, Poona for a period of two years, with effect from 4th August 1975 (forenoon).

#### CORRIGENDUM

The 5th September 1975

No. A-19012/192/70-Adm.V(Vol.II).—In this Commission's Notification of even number dated 12th August 1975 the date of notional appointment of Shri K. S. Chawla, Extra Assistant Director, may be read as 4.5.65 instead of 4.5.64.

K. P. B. MENON  
Under Secy.  
for Chairman, C. W. Commission

#### CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad-121001, the 2nd September 1975

No. 3-375/75-C.R.(Estt).—Shri S. Haider Ali Khan is hereby appointed to officiate as Assistant Hydrogeologist G.C.S. Class-II (Gazetted) on the pay of Rs. 650 (Rs. Six hundred fifty only) per month plus allowances in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Central Ground Water Board with the head-quarter at Patna with effect from 7th June 1975 (F.N.) till further orders.

D. S. DESHMUKH,  
Chief Hydrogeologist & Member

Faridabad-121001, the 6th September 1975

No. 6-49/74-Estt.II.—Shri M. L. Gandotra is appointed as Assistant Administrative Officer G.C.S. Class II (Gazetted) in the Pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on *ad hoc* and temporary basis with effect from 1st September 1975 (FN) in the Central Ground Water Board with his headquarter at Faridabad till further orders.

D. PANDEY  
Superintending Engineer

OFFICE OF THE ENGINEER IN CHIEF  
CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 4th August 1975

No. 33/3/74-Admn.IV.—The President is pleased to appoint Shri Dina Nath as Dy. Architect in the Central P.W.D. on the pay to be fixed according to Rules in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from 7th July 1975 (F.N.) on the terms and conditions of service as enumerated in the office letter of even number dated 10th June 1975.

S. S. P. RAU, Dy. Director of Administn.

MINISTRY OF RAILWAYS  
RESEARCH, DESIGNS & STANDARDS ORGANISATION  
Lucknow-11, the 5th September 1975

No. EII/ES/CFM/O/Mech.—Shri R. C. Kathuria is confirmed in Class II service against a permanent post of Asstt. Design Engineer in the Mechanical Engineering Department of the Research, Designs and Standards Organisation, Lucknow, with effect from 1st July 1973.

No. EII/ES/CFM/O/Mech/I.—Shri M. P. Mathur is confirmed in Class II service against a permanent post of Asstt. Design Engineer in the Mechanical Engineering Department of the Research, Designs and Standards Organisation, Lucknow, with effect from 23rd June 1975.

T. V. JOSEPH,  
Director General

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 22nd August 1975

No. 8.—Shri S. C. Mitra, officiating Senior Civil Engineer. Northern Railway has retired finally with effect from 31st July 1975 A.N.

V. P. SAWHNEY,  
General Manager

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Gauhati-11, the 27th August 1975

No. E/283/32Pt.X(O).—Shri S. R. Chakraborty ACS (Cl. II) is appointed to officiate in Sr. Scale purely on *ad hoc* measure as Divisional Safety Officer w.e.f. 17th July 1975.

No. E/283/III/30P.VI(O).—Shri B. C. Chakraborty, SLWI (Cl.III) is appointed to officiate in Cl. II service as Asstt. Personnel officer w.e.f. 24th July 1975.

M. R. REDDY,  
General Manager

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Jaiswal Tourist Private Limited*

Hyderabad-1, the 5th September 1975

No. 1281/(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Jaiswal Tourist Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Techno Tools And Accessories Private Limited*

Hyderabad-1, the 5th September 1975

No. 1440/(560).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Techno Tools And Accessories Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

O. P. JAIN  
Registrar of Companies,  
Andhra Pradesh

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
M/s. Dedan Union Transport Company Private Limited*

Ahmedabad, the 5th September 1975

No. 674/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Dedan Union Transport Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA  
Registrar of Companies,  
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of  
Shafi Polythene Enterprises Private Limited*

Pondicherry-1, the 5th September 1975

No. C.108/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name "Shafi Polythene Enterprises Private Limited" unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

SEETHARAM  
Registrar of Companies,  
Pondicherry

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 16th August 1975

INCOME-TAX DEPARTMENT

No. 184.—Shri R. C. Lal Srivastava, Hindi Translator Office of the Commissioner of Income-tax, Lucknow has been appointed to officiate as Hindi Officer in the Pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On appointment he joined as Hindi Officer in the office of the Commissioner of Income-tax, Lucknow I, Lucknow on 7-7-1975 in the forenoon.

No. 185.—Shri Sushil Kumar, Income-tax Inspector, I.T. Office, Chandausi has been promoted to officiate as ITO Class II in the Pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Public Relations Officer, in the Office of the CIT, Lucknow I, Lucknow, on 14-7-1975 in the forenoon.

No. 186.—Shri K. N. Shukla, Income-tax Inspector, I.T. Office, Sitapur has been promoted to officiate as ITO Class II in the Pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, E-Ward, Circle I, Varanasi on 17-7-1975 in the forenoon.

E. K. LYALL  
Commissioner of Income-tax,  
Lucknow I, Lucknow

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
Calcutta-16, the 8th September 1975  
*CORRIGENDUM*

No. TR-280/C-263/Cal-1/74-75.—In the notice U/s. 269D(1) of the Income tax Act 1961 No. TR-280/C-263/Cal-1/74-75 dated 17th July 1975 pertaining to premises No. 12/1 Mcleod Street, Calcutta and published in Part III, Section-I of the Gazette of India at page 6426 in line 13th date of registration shall be read as 26-11-74 instead of 26-5-74.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR.

Jullundur, the 11th September 1975

Ref. No. AP/1208.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule, situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur in January 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—266GI/75

- (1) Shri Sarabjit Singh,  
S/o Sampuran Singh,  
Vill. Garah Vehndu, Jullundur Cantt.  
Now 11, Curzon Road,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Laj Pat Rai,  
S/o Jawala Dass,  
Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2  
[Person in occupation of the property].

- (4) Any other person interested in land,  
[Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 8685 of January, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 11-9-1975.  
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR.

Jullundur, the 11th September 1975

Ief. No. AP/1209.—Whereas, I, Savinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule, situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in January 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sarabjit Singh,  
S/o Sampuran Singh,  
Vill. Garah Vchndu, Jullundur Cantt.  
Now 11, Curzon Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Lakhpat Rai,  
S/o Jawala Dass,  
Jullundur.

(Transferee)

\*(3) As per S. No. 2  
[Person in occupation of the property].

\*(4) Any other person interested in land.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 8701 of January, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 11-9-1975.

Seal :

\*[Strike off where not applicable.]

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR

Jullundur, the 11th September 1975

Ref. No. AP/1210.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Param Prit Singh,  
S/o Sh. Sampuran Singh,  
Vill. Garah Vehndu, Jullundur Cantt.  
Now 11, Curzon Road,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Lakhpat Rai,  
S/o Sh. Jawala Dass,  
Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property]

- (4) Any other person interested in land.  
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property mentioned in Regd. Deed No. 8497 of January, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 11-9-1975.

Seal :

\*[Strike off where not applicable.]

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR.

Jullundur, the 11th September 1975

Ref. No. AC/1211.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule, situated at Jullundur (Garah) and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Nirwan Singh S/o Aman Kaur  
D/o WG Com. Param Prit Singh,  
S/o Shri Sampuran Singh,  
Vill. Garah Distt. Jullundur  
Now 11, Curzon Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gurmit Singh S/o Gurnam Singh,  
1/6 Narinder Singh S/o Satnam Singh,  
Sukhjot Singh, Harjit Singh SS/ Kewal Singh,  
1/6 Tajinder Singh, Amarjit Singh,  
SS/o Nirmal Singh,  
1/2 share of Basti Baba Khel,  
Jullundur.

(Transferee)

\*(3) As per S. No. 2  
[Person in occupation of the property].

\*(4) Any other person interested in land,  
[Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in Regd. Deed No. 8857 of January, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 11-9-1975.

Seal :

\*[Strike off where not applicable.]



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR.

Jullundur, the 11th September 1975

Ref. No. AP/1212.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule, situated at Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Dilsher Singh, Haripaul Singh,  
SS/o S. Sarabjit Singh,  
S/o Shri Sampuran Singh,  
Vill. Garah Distt. Jullundur  
Now 11, Curzon Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Gurmit Singh S/o Gurnam Singh,  
1/6 Narinder Singh S/o Satnam Singh 1/6,  
Sukhjot Singh, Harjit Singh SS/o Sh. Kewal Singh,  
1/6 Tajinder Singh, Amarjit Singh,  
SS/o Nirmal Singh,  
1/2 share of Basti Baba Khel,  
Jullundur.

(Transferee)

\* (3) As per S. No. 2  
[Person in occupation of the property].

\* (4) Any other person interested in land.  
[Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 8746 of January, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Jullundur

Date : 11-9-1975.

Seal :

\*[strike off where not applicable]

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR.

Jullundur, the 11th September 1975

Ref. No. AP/1213.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Model Town, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Charan Kaur w/o S. Swaran Singh of 11-Link Road, Model Town, Jullundur. (Transferor)
- (2) Sh. Krishan Dev Shorey s/o Tirath Ram Shorey 230-N.L., Mohalla Mohendruan, Jullundur. (Transferee)
- \*(3) As per S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- \*(4) Any other person interested in the land. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land (Plot) as mentioned in Regd. Deed No. 8862 of January, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 11-9-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR.

Jullundur, the 11th September 1975

Ref. No. AP/1214.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule, situated at Shakti Nagar, Jullundur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Sh. Piara Singh S/o Kukand Lal,  
(Kucha Katra Parja, Amritsar),  
97, Shakti Nagar,  
Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Harbans Kaur w/o Amrik Singh,  
W.E. 326, Ali Mohalla through Tarlok Singh,  
Bazar Bansanwala,  
Jullundur. (Transferee)
- \* (3) As per S. No. 2 above.  
[Person in occupation of the property].
- \* (4) Any other person interested in the land.  
[Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property].

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot as mentioned in Regd. Deed No. 8643 of January, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 11-9-1975,  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR.

Jullundur, the 11th September 1975

Ref. No. AP/1215.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Kartarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Gurbaksh Singh S/o Harnam Singh of Kartarpur.

(Transferor)

(2) Sh. Dharam Singh, Nazir Singh, Harbhajan Singh Ss/o Balwant Singh, Kartarpur.

(Transferee)

\*(2) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property].

\*(4) Any other person interested in the land.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 9094 of January, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 11-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR.

Jullundur, the 11th September 1975

Ref. No. AP/1216.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule, situated at Nagra, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Jullundur in January 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) S/Sh. Resham Singh,  
S/o Paul Singh & Ajit Singh of  
Village Nagra,  
Jullundur.

(Transferor)

- (2) S/Sh. Chanan Singh, Mohinder Singh & Amrik Singh Ss/o Dalip Singh Nagra, Jullundur.

(Transferee)

- \* (2) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property].

- \* (4) Any other person interested in the land.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 8561 of January, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,

Acquisition Range,

Jullundur.

Date : 11-9-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR.

Jullundur, the 11th September 1975

Ref. No. AP/1217.—Whereas ( I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing As per schedule, situated at Bullowal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Avtar Singh S/o Lachhman Singh Dhadda,  
G. A. of Mehar Singh s/o Rai Singh,  
Vill. Bullowal, Teh. Jullundur.

(Transferor)

(2) Sh. Pritpal Singh S/o Joginder Singh,  
Vill. Alawalpur.

(Transferee)

\*(2) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property].

\*(4) Any other person interested in the land.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 8827 of January, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur

Date : 11-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR.

Jullundur, the 11th September 1975

Ref. No. AP/1218.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Bullowal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Jullundur in January 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the said parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Avtar Singh S/o Lachman Singh Dhudda G. A. of Mehar Singh s/o Rai Singh, Vill. Bullowal. (Transferor)
- (2) Shri. Balbir Singh S/o Pritam Singh, Vill. Alawalpur. (Transferee)
- \*(2) As per S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- \*(4) Any other person interested in the land. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 8858 of January, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 11-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR.

Jullundur, the 11th September 1975

Ref No. AP/1219.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule, situated at Bullowal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975

for an apparent consideration which is less than

ie fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Avtar Singh S/o Lachhman Singh Dhadda,  
G. A. of Mehan s/o Rai Singh,  
Vill. Bullowal.

(Transferor)

(2) Sh. Avtar Singh s/o Battan Singh,  
Vill. Buttran, Teh. Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

[Person in occupation of the property].

(4) Any other person interested in the land.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 8826 of January, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 11-9-1975.

Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 16th August 1975

C.R. No. 62/3580/74-75/Acq./(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing The property being a residential house bearing No. 18, Hutchins Road, Cooke Town, Bangalore-560005, situated at Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Document No. 3317/74-75 on 8-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Dr. (Mrs.) A. De Sam Lazaro,  
No. 18, Hutchins Road,  
Cooke Town, Civil Station,  
Bangalore-560005.  
(Transferor)
- (2) 1. Dr. C. S. Badvey,  
2. Dr. (Mrs.) G.H.R. Badvey, P.O. Box No. 2878,  
Dar-es-Salam, Tanzania,  
(Shri P. A. Nazareth, B.A., M.L., Retired Dist. Judge, Madras Judicial Service, Advocate & Notary Public, 105, Infantry Road, Bangalore-1, General Power of Attorney holder of the transferees)  
(Transferee)
- (3) Mr. Jones Samuel.  
[Persons in occupation of the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3317/74-75 dated 8-1-1975).  
All that piece and parcel of land with all the buildings thereon and all the four compound walls, at present bearing No. 18, Hutchins Road, Cooke Town, Bangalore-560005.  
Site area:  $E-W = 75' + 105' \times N-S = 86' + 92'$

$$\frac{2}{2}$$

$$= 7,965.5 \text{ sq. ft.}$$

Boundaries:—

East : Premises No. 1, North Road.  
West : Hutchins Road  
North : Premises No. 2, North Road  
South : Vacant land belonging to Mrs. G.M. Martin and her children.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 16-8-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 6th September 1975

C. R. No. 62/3593/74-75/Acq./ (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 16 & 17, Chikkabettahalli, Yelahanka Hobli, situated at Bangalore North Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore North, Bangalore, Document No. 5851/74-75 on 6-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Shaik Baba  
2. Shri Sardar Sab, S/O Shaik Baba  
3. Shri Pyarejan Sab, S/o Shaik Baba  
4. Shri Nawab Jan Sab S/o Shaik Baba  
5. Shri Ayub Sab s/o Shaik Baba  
6. Shri Nawab Jan Sab  
7. Shri Sadad Sab Minors by father and guardian Shaik Baba,  
Mohammed Sab Palya, Chickabettahalli, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk.

(Transferors)

- (2) Smt. Anasuya Chandrappa,  
W/o Shri B. R. Chandrappa,  
No. 106, VI Cross, Magadi Road,  
Bangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5851/74-75 dated 6-1-1975).  
Agricultural land bearing Survey No. 16 & 17, and measuring 5 acres with a well and motor situated in Chickabettahalli, Yelahanka Hobli, Bangalore North Taluk.

Boundaries :—

East : P.W.D. Road

West : Remaining portion of land in Survey No. 16 &amp; 17, retained by seller.

North : Government 'Gomala'.

South : Land in S. No. 16, intended to be sold to purchaser.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 6-9-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri P. Chickabyarappa, S/o Puttabyarappa, Heggadadevanapura, Dasanpura Hobli, Nelamangala Taluk Bangalore District.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore, the 5th September 1975

C.R. No. 62/3594/74-75/Acq./ (B).—Whereas, I R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a revenue land measuring 2 acres and 25 guntas in Survey No. 10, Dasarahalli village, Yeshavanthapura Hobli, situated at Bangalore North Taluk, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore North Taluk, Document No. 5973/74-75 on 13-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri S. G. Venkatiab, S/o T. Gityappa, No. 52, Maruthi Extensions, Bangalore-560 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5973/74-75 dated 13-1-1975).  
The property being a revenue land measuring 2 Acres and 25 guntas in S. No. 10, situated at Dasarahalli village, Yeshavanthapura Hobli, Bangalore North Taluk.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 5-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore, the 23rd August 1975

C. R. No. 62/3612/74-75/Acq./(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A portion of site No. 6/2, situated at Kalasipalyam extension (Doddabylakhana near Sudhama Nagar) Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore-4 Document No. 4446/74-75 on 8-1-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) S/Shri

1. B. H. Srinivasa Murthy S/o Shri B. Hanumantha Rao.
2. B. P. Jeevaji
3. V. S. Jeevaji
4. G. S. Jeevaji
5. B. V. Jeevaji.  
Sons of Shri B. H. Srinivasamurthy.  
No. 1, 2 and 3 are residing at No. 20/21, I Main Road, Seshadripuram, Bangalore-20.  
No. 4 and 5 are residing at No. 33, Vidyavishnu Nagar Naupada, Thana.
6. Capt. B. Krishnaswamy, S/o Shri B. Hanumantha Rao.
7. B. K. Prahlad
8. B. K. Parthasarathy  
Sons of Capt. B. Krishnaswamy.  
No. 6 to 8 are residing at No. 169 (Upstairs), 5th Main Road, Chamarajpet, Bangalore-18.
9. G. Narayana Murthy,  
S/o Shri B. Hanumantha Rao No. 159, 5th Main Road, Chamarajpet, Bangalore-18.  
No. 2 to 9 are represented by their lawful Power of Attorney Holder, Shri B. H. Srinivasamurthy, the first above named.
10. Shri S. P. Venkatachar, No. 24, Middle School Road, Visweswarapuram, Bangalore-4.
11. S. Rangarajan, Pavagada Guest House, Gauhati, Assam, by Power of Attorney holder, Sri S. Venkatachar, the 10th above named.
12. S. Parthasarathy, No. 217, C.I.T. Road, Calcutta-Sons of Shri Sampath Iyengar.
13. D. K. Nagaraj, S/o late D. Krishna Murthy, No. 4 Surveyor's Street, Basavanagudi, Bangalore-4.

(Transferors)

- (2) Smt. K. V. Anasuya W/o Shri K. Virupaksha Setty, s/o Sri K. Ramaiah Setty. Prop. Sri Venkateshwara Stores, Avenue road, Bangalore City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4446/74-75 dated 8-1-75.)

A portion of site No. 6/2, Kalasipalyam Extension, (Doddabylakhana—near Sudhamanagar), Bangalore.

Site area=

East to West : 84'

North to South. (i) 60' on the Eastern Side. (ii) 55' on the Western side of the property bearing No. 6/2, situated at Kalasipalyam, Bangalore city.

Measuring : 57' x 84' = 4788 sq. ft.

Boundaries :

East : Road formed by sellers in property bearing No. 6/2.

West : Land retained by the sellers in 6/2.

North : Road left by the owners of property bearing No. 6/3.

South : Property of Raja Gopala Naidu.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 23-8-1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1975

Ref. C.R. No. 62/3613/74-75/Acq. (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A portion of site No. 6/2, Kalasipalayam Extension (Dodabylakhana—Near Sudhama Nagar), situated at Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore-4 Document No. 4447/74-75 on 8-1-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri

1. B. H. Srinivasamurthy  
S/o Shri B. Hanumantha Rao.
2. B. P. Jeevaji
3. V. S. Jeevaji
4. G. S. Jeevaji
5. B. V. Jeevaji
- Son s/o Shri B. H. Srinivasa Murthy.  
No. 1, 2, 3 are residing at No. 20/21, I Main Road, Seshadripuram, Bangalore-20.  
No. 4 & 5 are residing at No. 33, Vidyavishnunagar, Naupada, Thana
6. Capt. B. Krishnaswamy,  
S/o Shri B. Hanumantha Rao
7. B. K. Prahlad
8. B. K. Parthasarathy
- Son s/o Capt. B. Krishnaswamy  
No. 6 to 8 are residing at No. 169 (Upstairs), 5th Main Road, Chamarajpet, Bangalore-18.

24—266GI/75

9. G. Narayanamurthy,  
S/o Shri B. Hanumantha Rao,  
No. 159, 5th Main Road, Chamarajpet, Bangalore-18.  
No. 2 to 9 are represented by their Lawful Power of Attorney Holder Shri B. H. Srinivasamurthy, the first abovenamed.

10. Shri S. P. Venkatachar,  
S/o Shri Sampath Iyengar,  
No. 24, Middle School Road, Visveswarapuram, Bangalore-4.

11. S. Rangarajan,  
S/o Shri Sampath Iyengar,  
Pavagada Guest House, Gauhati, Assam.  
By power of Attorney Holder Sri S. Venkatachar the tenth abovenamed.

12. S. Parthasarthy,  
S/o Sampath Iyengar,  
No. 217, C.I.T. Road, Calcutta-10.

13. D. K. Nagaraj,  
S/o late D. Krishna Murthy,  
No. 4, Surveyors' Street, Basavanagudi, Bangalore-4.  
(Transferors)

(2) Smt. V. Gowramma,  
W/o Shri K. R. Aswathanarayana Setty,  
Shankar Paper Mart,  
No. 326, Avenue Road, Bangalore City.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4447/74-75 dated 8-1-75)  
A portion of site No. 6/2, Kalasipalayam Extension (Dodabylakhana—Near Sudhama Nagar), Bangalore.  
Site area :  
East to West : 90'  
North to South : (i) 55' on the western side  
(ii) 50' on the western side  
Measuring 90' x 55'-4950 sq. ft.  
Boundaries :  
East : Vacant land in No. 6/2, sold by the seller to the Purchaser  
West : Land belonging to Sharma  
North : Road left by the owners of property bearing No. 6/3  
South : Property of Rajagopal Naidu

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-8-75

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 23rd August 1975

Ref. No. C.R. No. 62/3621/74-75/Acq./(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 26, Industrial Suburb Area situated at Rajaji Nagar Extension, Bangalore-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajaji Nagar, Bangalore-10, Doc No. 5805/74-75, on 21-1-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) M/s. D. Subba Rao & Sons,  
Timber Merchants, Cottonpet, Bangalore-53.  
(Transferor)

Represented by its partners :

- (i) Shri D. S. Ganesh Rao, S/o late Shri D. Subba Rao, No. 117, 28th Cross, Jayanagar, Bangalore-11.  
(ii) Shri D. S. Sadashiva Rao, S/o late Sri D. Subba Rao, No. 2, Kengal Hanumanthiah Road, Bangalore-27.  
(iii) Smt. Vimala Pannalkar, W/o late Shri D. S. Srinivasa Rao, No. 47, South End Road, Bangalore-4.  
(2) (i) Shri G. Thotadappa, S/o Shri G. Channa Jomanna No. 93, Govindappa Road, Basavanagudi, Bangalore-4.  
(ii) Shri A. N. Rajashekharappa, S/o Shri Nanjundappa, No. 1, Karnik Road, Shankarapuram, Bangalore-4.  
(iii) Shri H. S. Basavaraj, S/o Shri H. Srikantaiah, No. 95, Surveyor Street, Basavanagudi, Bangalore-4.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5805/74-75 dated 21-1-1975).  
Site No. 126, Industrial Suburb Area, Rajaji Nagar Extension, Bangalore-10.  
Site Area : North : 183'  
West : 198'  
East : 143'  
South : —  
Boundaries :  
North : Road  
South : Site No. 127  
East : Site No. 125  
West : 80' Road

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 23-8-75  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 23rd August 1975

Ref. No. C.R. No. 62/3622/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.I.T.B. Building site No. 59, Corporation site No. 59/11, IIIrd cross small scale Industrial area (Near Ramakumar Mills) situated at Rajajinagar, Bangalore-10.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore-10, Document No. 5838/74-75 on 22-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Narasamma w/o Ex. M.L.A. Shri W. H. Hanumanthappa, No. 30/A, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore City.

(Transferor)

(2) (i) Shri W. H. Hanumanthappa (Junior),  
(ii) W. P. Rajendra s/o Sri W. H. Puttaiah No. 30/A, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore City.  
(iii) Smt. M. S. Leelamma W/o Sri W. H. Gopal No. 19/1A, Nagappa road, Rajamahala Guttahalli, Bangalore.

(Transferee)

(4) M/s. C. Jayanthilal and Co., Sultanpet, Bangalore-53 represented by its partner Sri Champaklal S. Doshi, [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 5838/74-75 dated 22-1-75).

C.I.T.B. building site No. 59, Corporation site No. 59/11, IIIrd cross, Small Scale Industrial area, (Near Ramakumar Mills), Rajajinagar, Bangalore-10.

Site area :

E.W.=80'

North to South : 51' on the Eastern side.  
88' on the Western side.

$80' \times \frac{(51' + 88')}{2} = 69' = 5520 \text{ sft.}$

E : Trust Board site No. 39.

W : Road.

N : Trust Board site No. 58.

S : Road.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 23-8-75

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri M. Yajna Narayana Karantha, S/o Shri M. Ramakrishna Karantha, No. 2, Lavelle' Road, Bangalore-560 001.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 2nd September 1975

Ref. C.R. No. 62/3626/74-75/Acq./(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Building No. 117 (Old No. 1 C), situated at Mahatma Gandhi Road, Civil Station, Division No. 60, Bangalore-560001 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 3393/74-75 on 16-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) *Indra Kumar Kapur Trust* : represented by its Managing Trustee, Sri Bijay Kumar Kapur, Tex Theatre Buildings; Bangalore-1, (2) Sri Indra Kumar Kapur, S/o Shamadas Kapur, (3) Kum. Sharmila, (4) Kum. Rakhi, (5) Nikhil, Nos. 3 to 5 are the Minor Children of No. 2, Shri Indra Kumar Kapur, minors by father and natural guardian, Sri Indra Kumar Kapur, Nos. 2 to 5 residing at 2-A, Residency Road, Bangalore-25.

(Transferor)

- (3) M/s Dhanalaxmi Tiffin Room, represented by its partners :
  - (i) Shri Sashidhar Karanth,
  - (ii) Shri Vasudeva Rao, S/o late Sri Raghuraj Bhatt.

[Person(s) in occupation of the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3393/74-75 dated 16-1-1975).

All that piece and parcel of property bearing No. 117 (Old No. 1 C), Mahatma Gandhi Road, Civil Station, Division No. 60, Bangalore, together with buildings, appurtenances, right of way and easements, admeasuring 3600 sq. ft. and demarcated within the words ABCD in the sketch and measuring, more or less,

on the North : 43 ft.      Site area :  
on the South : 53 ft.       $\frac{43' + 53'}{2} \times \frac{72' + 78'}{2}$   
On the East : 78 ft.  
On the West : 72 ft.

(Plinth=22.01 squares as per plan)

(A passage on the North with a width of 4 ft. on the East and 2 ft. on the West and marked RED in the sketch is not included in the Sale deed and the measurements are exclusive of the passage).

Bounded on :

North : By passage and property belonging to Vendors;  
South : By Khaja Hussain's Property.  
East : Common Road upto this property.  
West : By property No. 1A belongings to Shri Papalah Naidu.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 2-9-1975

Seal :



## FORM ITNS—

- (1) Shri A. G. Vikram.
- (2) Shri Thilak Kumar.
- (3) Smt. A. G. Sunithi.
- (4) Smt. A. G. Geetha.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

All are residing at No. 6, Annaswamy Mudaliar Road, Civil Station, Bangalore-1.

- (2) Shri Dr. Y. S. Radhakrishna,  
National Clinic,  
Sanjeevappa Lane,  
Avenue Road Cross,  
Bangalore-2.

(Transferee)

Bangalore-27, the 20th August 1975

C.R. No. 62/3628/74-75-Acq/(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 38/3, (originally a Block Marked 'D' forming portion old Nos. 10, 10-C and New No. 38), situated at St. John's Road, 53rd Division, Civil Station, Bangalore-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore-1, Document No. 3412/74-75 on 17-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3412/74-75 dated 17-1-1975).  
Site No. 38/3 (Originally a Block marked 'D' forming portion of old Nos. 10, 10-C and New No. 38), St. John's Road, 53rd Division, Civil Station, Bangalore-1.

Site area :—

North : 121' .. East to West.  
South : 119' .. —do—  
East : 46' .. North to South.  
West : 46' .. North to South.  
= 120' x 46' = 5520 Sq. ft.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-8-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 16th August 1975

C.R. No. 62/3629/74-75/Acq. (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a vacant land (Formerly bearing No.4) of portion of premises No. 60, situated at Coles Road, Civil Station Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore, Document No. 3414/74-75, on 17-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri V. P. Balakrishna Naidu, S/o Late Papalah Naidu,  
(Transferor)
- (2) Smt. Tara Balakrishna, W/o Sri V. P. Balakrishna Naidu,
- (3) Smt. Vasanta Kumari, W/o Sri P. Venugopal (and daughter of Sri V. P. Balakrishna Naidu) represented by her duly constituted agent, Sri V. P. Balakrishna Naidu, All presently residing at No. 60, Coles Road, Civil Stn., Bangalore.  
(Transferor)
- (2) Shri Michael Britto, S/o late Shri B. F. Britto, No. 59, Wheeler Road, 2nd Cross, Bangalore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3414/74-75 dated 17-1-1975).

All that piece and parcel of land along with the approach road being a portion of No. 60, Coles Road, Civil Station, Frazer Town, Bangalore.

Total site area :

East : 28'3" + 14'3" + 19'8".

West : 49'8".

North : 32'9" + 12'.

South : 46'4" + 6' + 8'.

= 2750 sq. ft.

Boundaries :—

North : Coles Road.

South : Private Property.

East : Remaining Portion of No. 60, Coles Road,

West : No. 61, Coles Road.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 16-8-1975

Seal :

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 2nd September 1975

C.R. No. 62/3635/74-75/Acq./(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 19 (Old No. 18), Da Costa, Layout, situated at Cooke Town, Civil Station, Bangalore-560005, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 3522/74-75 on 27-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Grace Davis,  
W/o Mr. P. I. Davis,  
Nandidurg Road, Civil Station,  
Bangalore-560006.

(Transferor)

(2) (1) Mr. K. A. Thomas,

(2) Smt. Shanti Thomas,  
No. 32, Spencer Road, Civil Station, Bangalore-  
560005.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underground—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3522/74-75 dated 27-1-1975).

All that piece and parcel of land being the sanctioned site Old No. 18, Present No. 19, Da Costa Layout, Cooke Town, Civil Station, Bangalore (including compound wall on 3 sides).

Site area :

$$\begin{array}{rcl} \text{East to West} & & \text{North to South.} \\ 99\text{' } 50\text{' } + 100\text{' } & \times & 100\text{' } \\ 2 & & \\ \hline & & 2 \end{array}$$

= 9,950 Sq. ft.

Boundaries :—

North : No. 57, Da-Costa Layout.  
South : Layout Road.  
East : No. 20, Da-Costa Layout.  
West : Wheeler Road Extension.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 2-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 22nd August 1975

C.R. No. 62/3640/74-75/Acq./(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A. portion of vacant residential site (Old No. 11), New Nos. 38 and 39, situated at Coles Road (in between Cleveland road and Saunders Road), Cleveland Town Bangalore-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Document No. 3600/74-75, on 28-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri H. M. Krishna Reddy,  
S/o late Shri Doddamuniswamy Reddy,  
No. 79, Ramakrishna Mutt Road,  
Ulsoor, Bangalore-8.

(Transferor)

- (2) (1) Shri K. S. Aswathappa, (2) Shri K. S. Narayan,  
sons of late Shri K. M. Shankarappa, both residing  
at No. 47, Saunders Road, Bangalore-5.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3600/74-75 dated 28-1-1975)

A portion of vacant residential site (Old No. 11), New Nos. 38 and 39, Coles Road, (in between Cleveland Road and Saunders Road), Cleveland Town, Bangalore-5.

(Site area 3465 sq. ft. as per plan).

Boundaries :—

East : Common passage.  
West : Private Property.  
North : Private Property.  
South : Shri N. Lakshminpathi's property.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-8-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore, the 22nd August 1975

C.R. No. 62/3641/74-75/Acq.(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A portion of vacant residential site (Old No. 11) New Nos. 38 and 39, situated at Gales Road (in between Cleveland road and Saunders Road) Cleveland Town, Bangalore-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivaji Nagar, Bangalore Document No. 3601/74-75 on 17-1-1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or that Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

25—266GI/75

1. (1) Shri K. C. Gopala Reddy, (2) Shri K. C. Raju, sons of Sri Chikkamuniyappa Reddy, Kacharakana-halli, Fraser Town, P.O., Bangalore-5.

(Transferor)

2. Smt. Bimlavathi Beri, W/o Shri R. L. Beri, No. 4/7, Saunders Road, Bangalore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3601/74-75 dated 17-1-75).  
A portion of Vacant residential site (Old No. 11) New Nos. 38 and 39, Coles Road (in between Cleveland road and Saunders Road), Cleveland Town, Bangalore-5.

Site area=3342 sq.ft.

Boundaries :

North : Private Property.

South : Portion retained by the vendors.

East : Private Property.

West : Proposed road and Krishna Reddy's property.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 22-8-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore, the 6th September 1975

C.R. No. 62/3657/74-75/Acq./ (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop Premises bearing Original No. 75, later numbered as 7 and at present bearing No. 25 with a Balcony like I floor, I Cross, Diwan Soorappa Lane, Chickpet, (17th Division), situated at Bangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Gandhinagar, Bangalore-9, Doc. No. 4761/74-75 on 31-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Sangamma, W/o Shri B. S. Chandrasekharappa
2. Smt. Saravamangala, W/o Shri Jaydev, (D/o. Shri B. S. Chandrasekharappa) Sampangiramnagar, Bangalore-27.
3. Smt. Shashikala, D/o. Shri B. S. Chandrasekharappa
4. Shri Prabhudev, S/o. —do—
5. Shri Manjunath S/o. —do—
6. Smt. Suguna, D/o. —do—

No. 5 and 6 since minors, being represented by their mother and guardian appointed by the Court Smt. Sangamma, the first vendor hereto, all except No. 2, residing at No. 69/1, 6th Cross, Anada Rao Extension, Gandhi Nagar, Bangalore-9.

(Transferors)

- (2) 1. Shri M. Muthuswamy, S/o late N. K. Mariappa Mudaliar, (Partner in M/s. N. K. Mariappa Mudaliar D. S. Lane, Bangalore.).
2. Shri M. Eswaran, s/o late N. K. Mariappa Mudaliar,
3. Shri M. Thangavelu, s/o late N. K. Mariappa Mudaliar (No. 2 and 3 are partners in M/s. Eswaran & Co., D. S. Lane, Chickpet, Bangalore-53) No. 25, I Cross, Diwan Soorappa Lane, Chickpet, Bangalore-53.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4761/74-75 dated 31-1-1975.)

Shop premises bearing Original No. 75, later numbered as 7 and at present bearing No. 25 with a balcony like I floor, I Cross, Diwan Soorappa Lane, Chickpet (17th Division,) Bangalore.

Site area : East to West 18' X North to South 58' = 1044 sq. ft.

Plinth—Ground floor—10 squares,  
1 floor—10 squares balcony type.

Boundaries :

East : Premises of M/s Sha Mohanlal Moolchand.

West : Property of Asulal under occupation of M/s. Paras Textiles.

North : Property bearing Old No. 185 belonging to Chandanmul & others.

South : First cross, Diwan Soorappa Lane.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 20th August 1975

C.R. No. 62/3682/74-75/Acq.-(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A portion Site bearing No. 817/C 7th Block Division No. 35 (West) Jayanagar, situated at Bangalore-560 011. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar Bangalore-560 011 Document No. 3609/74-75 on 20-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri P. Balakrishna S/o, Subbanna, No. 494, 7th Block, Jayanagar, Bangalore-560 011, (Owner of Auto Diesel Engg. Works, H. Siddaiah Road, Basavanagudi, Bangalore-560 004.

(Transferor)

(2) Shri M. Nanjunda Rao, S/o late Sri Ranoji Rao, M, No. 38/2, West Anjaneya Temple Road, Basavanagudi, Bangalore-560004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3609/74-75 dated 20-1-1975)

A portion of site bearing No. 817/C, 7th Block, Division No. 35(West), Jayanagar, Bangalore-560 011.

Site area :

E—W : 70' = 2,800 Sq. ft.,  
N—S : 40'

Boundaries :—

East : Muthyalamma's Property.

West : Road.

North : Remaining portion of the same site.

South : Portion of the same site sold to Smt. K. Saraswathi Bai and Smt. M. Saraswathi Bar.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-8-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 30th August 1975

C.R. No. 62/4657/74-75/Acq./ (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A portion of Vacant site bearing No. 817/C, situated at 7th Block (West), 35th Division, Jayanagar, Bangalore-11,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore-11, Document No. 3654/74-75 on 24-1-1975.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri P. Balakrishna, S/o Subbanna, No. 494, 7th Block, Jayanagar, Bangalore-11. (Owner of Mangalore Auto Diesel Engineering Works, H. Siddalah Road, Bangalore-27).  
(Transferor)

- (2) Shri B. M. Krishna Rao, No. 531, Anjaneya Temple Street, V. V. Puram, Bangalore-4.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3654/74-75 dated 24-1-1975).

A portion of site bearing No. 817/C, 7th Block, (West), 35th Division, Jayanagar, Bangalore-11.

Site area :

East to West : 70'

North to South : 40' = 2,800 Sq. ft.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 30-8-1975.

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 20th August 1975

C.R. No. 62/3685/74-75/Acq./ (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Residential House No. 440, 7-B, Main Road, situated at IV Block, Jayanagar, Bangalore-560011, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore-560011, Document No. 3630/74-75, on 22-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Sakarchand J. Shah, S/o Janilal Shah, M/s. Kirthi Textiles, Dhanalaxmi Market, Ahmedabad.
2. Shri Deepak S. Shah, } Minor Sons of Shri Sakarchand J. Shah,
3. Shri Jigar S. Shah } P. A. holder for 1 to 3, Shri Arvind Channalal Shah, 36/37, Guru Building, A. M. Lane, Chickpet, Bangalore-53.

(Transferor)

- (2) Dr. K. Venkatagiri Gowda, Professor of Economics, Bangalore, University, Bangalore-560009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3630/74-75 dated 22-1-1975.)

Residential House No. 440, 7-B, Main Road, IV Block, Jayanagar, Bangalore-560 011 (35th Division)

Site area :

E—W : 75' } 3,750 sq. ft.

N—S : 50' }

Plinth=16 squares., as per 37—G form.

Boundaries —

East : Road.

West : Site No. 449.

North : Site No. 439.

South : Site No. 441.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-8-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 20th August 1975

C.R. No. 62/3689/74-75/Acq./ (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Southern half of the vacant site bearing Municipal Corporation No. 3/2, Berlie Street Cross, Langford Town, situated at Bangalore-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore-11, Doc. No. 3722/74-75, on 29-1-1975 (as per sale deed) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri R. Satish Kumar, B. Com, S/o Shri K. Ramaiah, 3/1, Berlie Street Cross, Langford Town, Bangalore-25.

(Transferor)

(2) Smt. Shahida Banu, W/o Shri C. M. Kaleemulla Khan, No. 10 Berlie Street Cross, Langford Town, Bangalore-25.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice of the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3722/74-75 dated 29-1-75)  
All that piece and parcel of Portion "A" of levelled vacant site bearing Municipal Corporation No. 3/2, Berlie Street Cross, Langford Town, Bangalore-560025, measuring East to West : on the Southern side 80'-00" (Eighty feet) East to West : on the Northern side 80'-00" (Eighty feet), North to South : on the Eastern side 60'-00" (Sixty feet), North to South : on the western side 50'-00" (Sixty feet), bounded on the Western side by site No. 3/1, "Manila Mandir", Berlie Street Cross, Langford Town, Bangalore-560025, on the Eastern side by site No. 3/3, Berlie Street Cross, on the Northern side by portion "B" of site No. 3/2, Berlie Street cross owned by the vendor, on the Southern side by Municipal Corporation Road called Berlie Street Cross, including two fully yielding coconut trees, and R.C.C. designed compound wall measuring 80'-00" (Eighty feet) × 5'-00" (Five feet) on the Southern side with barbed wire fencing with M. S. angle supporters). The Portion hereby sold is demarcated in blue colour and by letters "A, B, C, D," and described as Portion "A in the plan annexed to this Deed of Absolute Sale).

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-8-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 20th August 1975

C.R. No. 62/3690/74-75/Acq./ (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Northern half of the vacant site bearing Municipal Corporation No. 3/2 Berlie Street Cross, situated at Langford Town, Bangalore-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jayanagar, Bangalore-11, Document No. 3740/74-75, on 31-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri R. Satish Kumar, B. Com., S/o Shri K. Ramaiah, Manila Mandir, No. 3/1, Berlie Street, Cross, Langford Town, Bangalore-25. (Transferor)
- (2) Smt. Shahida Banu, W/o Shri C. M. Kaleemulla Khan, No. 10, Berlie Street Cross, Langford Town, Bangalore-25. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 3740/74-75 dated 31-1-1975.)

All that piece and parcel of Northern portion of levelled vacant site bearing Municipal Corporation No. 3/2, Berlie Street Cross, Langford Town, Bangalore-560 025.

Measuring :—

East to West (on the southern side) = 80'-0".

East to West (on Northern side) = 80'-0".

North to outh (on the eastern side) = 57'-0".

North to South (on the Western side) = 57'-0".

Bounded :—

On the Western side—by site No. 3/1, Manila Mandir, Berlie Street cross, Langford town, Bangalore-560025.

On the Eastern side—by site No. 3/3, —do—

On the Northern side—by the corporation road and Police Quarters, and

On the Southern side—by Southern portion of the schedule property owned by the purchaser (i.e., transferee).

including two fully yielding coconut trees and a compound wall on the Northern side of the Schedule property, measuring 80'-0" × 10'-0" Height × 1'-3" thickness. The portion of the property is demarcated in Blue colour and indicated by letters "A, B, C, D". Portion described as B is the property now under consideration.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-8-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. Chaitanya Kumar, Berlie Street cross, Langford Town, Bangalore-25.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Saifuddin Mulla Akberali Zaveri, No. 57, Albert Victor, Road, 1st Cross, Kalasipalyam Extension, Bangalore-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore, the 20th August 1975

C.R. No. 62/3691/74-75/Acq./ (B).—Whereas, I R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. The property being a portion of Vacant residential site No. 3/3, Berlie Street, Cross, Langford Town, situated at Bangalore-25

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jayanagar, Bangalore-11, Document No. 3741/74-75 on 31-1-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(Registered in Document No. 3741/74-75 dated 31-1-1975.)

The property being a portion of vacant residential site No. 3/3, Berlie Street Cross, Langford Town, Bangalore-25.

One-third portion of this particular portion of site area : 76'-5" × 40' = 3060 sq. ft.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-8-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri R. Chaitanya Kumar, Berlie Street cross, Langford Town, Bangalore-25.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hakimuddin Mulla Abbas Bhai Zaveri, No. 57, Albert Victor Road, 1st Cross, Kalasipalyam Extension, Bangalore-2.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bangalore, the 20th August 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

C.R. No. 62/3692/74-75/Acq./B.—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. The property being a portion of vacant residential site No. 3/3, Berlie Street Cross, Langford Town, situated at Bangalore-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore-11. Document No. 3742/74-75, on 31-1-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26—266 GI 75

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No: 3742/74-75 dated 31-1-1975.)

The property being a portion of vacant residential site No. 3/3, Berlie Street Cross, Langford Town, Bangalore-25.

1/3rd Portion of this particular portion of site area : 80' × 40' = 3200 sq. ft.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-8-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri R. Chaitanya Kumar, Berlie Street cross,  
Langford Town, Bangalore-25.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

(2) Shri Abbas Bhai Mulla Akberali Zaveri, No. 57,  
Albert Victor Road, 1st Cross, Kalasipalyam Ex-  
tension, Bangalore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bangalore-27, the 20th August 1975

C.R. No. 62/3693/74-75/Acq.(B).—Whereas, I R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. The property being a portion of vacant residential site No. 3/3, Berlie Street Cross, Langford Town, situated at Bangalore-25, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore-11, Document No. 3743/74-75 on 31-1-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(Registered in Document No. 3743/74-75 dated 31-1-1975.)

The property being a portion of vacant residential site No. 3/3, Berlie Street Cross, Langford Town, Bangalore-25. One-third portion of this particular portion of site area=  
 $\frac{75' + 76'}{2} \times 40' = 3,020$  sq. ft.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-8-1975.

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 20th August 1975

C.R. No. 62/3749/74-75/Acq./(B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A portion of residential house No. 29/2/41, 'Venkata Vilas' Patalamma Temple Street, Basavanagudi, situated at Bangalore-560 004, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore-560 004, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri I. Kannan, S/o Sri T. V. A. Isvaran, No. 5, Paramahansa Road, Yadavagiri Extension, Mysore.  
2. Shri K. Paramesh, S/o Sri I. Kannan, No. 8055, Santa Rita, ENCIUS—CALIFORNIA, (USA) represented by: his Power of Attorney holder : Shri I. Kannan.

(Transferor)

- (2) Shri K. S. Venkatachala Setty, Junior Engineer, Bangalore Division, S/o Shri Shamiah Setty, No. 379 Shraddhananda Bhavan Road, Visveswarapuram Bangalore-560 004.

(Transferee)

- (3) Shri K. Subba Rao, No. 29/2/41, 'Venkata Vilas' Patalamma Temple St., Basavanagudi, Bangalore-4.

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4671/74-75 dated 22-1-1975)

A portion of Residential House No. 29/2/41, 'Venkata Vilas' Patalamma Temple Street, 34th Division, Near Armugam Circle, Basavanagudi, Bangalore-560 004.

This particular portion of site area :—

North to South=58'

East to West=48½'

Entire Site area : 5378 sq. ft.

Boundaries :—

East : Patalamma Temple Street.

West : The residential property retained by the vendors in the property No. 29/2/41.

North : Property No. 42.

South : Private Property (Vacant site), owned by Smt. Sujaya Basavataj.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-8-1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore-27, the 20th August 1975

C.R. No. 62/4656/75-76/Acq.-(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Rear portion of house property No. 29/2/41, 'Venkata Vilas' situated at Patalamma Temple Street, Basavanagudi Bangalore-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Basavanagudi, Bangalore-4, Document No. 125/75-76, on 9-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

1. Sri I. Kannan, S/o Shri T. V. A. Iswaran, No. 5, Paramahansa Road, Yadavagiri Extension, Mysore; (2) Shri K. Paramesh, S/o Sri I. Kannan, No. 8055, Santa Rita, Encius, California, U.S.A., being represented by his Power of Attorney Holder, Shri I. Kannan, No. (1) above.

(Transferor)

2. Shri K. S. Venkatachala Setty, Junior Engineer, Bangalore Division, S/o Sri Shamaiah Setty, No. 379, Shraddananda Bhavan Road, Visveswarapuram, Bangalore.

(Transferee)

3. Shri K. Subba Rao, No. 29/2/41, 'Venkata Vilas', Patalamma Temple St., Basavanagudi, Bangalore. 4.

(Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 125/75-76 dated 9-4-1975.)

Rear portion of house property No. 29/2/41, 'Venkata Vilas', Patalamma Temple Street, 34th Division, near Armugam Circle, Basavanagudi, Bangalore-560004, measuring 5,378 Sq. ft. of entire site area.

This particular portion of site area measures :—

North to South=58' on the Eastern side.

East to West=(i) 51½' on the Southern side. (ii) 34½' on the Northern side.

North to South=12½'+40'+20½' Aggregating 72½' on the Western side.

Boundaries :—

East=Portion of the old house marked FGHJ of the Property No. 29/2/41, 'Venkata Vilas', sold to the Vendee on 22-1-1975.

West=Property No. 43—Tara Lodge (Guruprasad);

North=Private property No. 42 and the property No. 43—Tara Lodge (Guruprasad), and

South=Private property (vacant site) owned by Smt. Sujatha Besavaraj and property No. 43—Tara Lodge (Guruprasad).

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 20-8-1975.

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
BANGALORE-27.

Bangalore, the 6th September 1975.

C.R. No. 62/3761/74-75/Acq./ (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site No. 13/A (also called 13 and 13/1), situated at Bull Temple Road, Shankarapuram, Bangalore-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore-4, Document No. 4817/74-75 on 30-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Smt. Jambuvaihi Nettekallappa, W/o Sri K. A. Nettekallappa, No. 173, Subbarama Chetty Road, Basavanagudi, Bangalore-4.  
(Transferor)
2. (1) Dr. B. S. Panduranga, S/o Shri B. L. Sriramaiah Setty,  
(2) Smt. Kanakavalli Panduranga, W/o Dr. B. S. Panduranga, No. 22 New High School Road, Visveswarapuram, Bangalore-560004.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 4817/74-75 dated 30-1-1975)  
Vacant Site No. 13/A (also called 13 & 13/1) Bull Temple Road, Shankarapuram, Bangalore-560 004.

Site area :—

E—W : 118'

N—S : 193'

==22,774 sq. ft.,

Bounded by on the :—

East : by Municipal Lane.

West : by Bull Temple Road.

North : by Dhakshina Kannada (Dravida) Brahmanara Mitra Mandali Kalyana Mandhir Building; and

South : by the remaining portion of premises No. 13, Bull Temple Road, together with all its appurtenances and easementary rights.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 6-9-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 26th August 1975

C.R. No. 62/3762/74-75/Acq./ (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Garden Land measuring in	S. Nos.	Acres	Guntas
	5	2	6
	6	2	2
Total:—		4	08

situated at Rayasandra, Kanakapura Taluk, Bangalore District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanakapura, Document No. 6752/74-75 on 24-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri K. Devaraj Arasu, S/O Kemparaja Arasu, Patel, Tungani village, Kasaba Hobli, Kanakapura Tq. Bangalore District.

(Transferor)

(2) Shrimati R. Meera Bai from the family of Dr. Ranoji Rao, K-155, Jain Temple Street, V. V. puram, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 6752/74-75 dated 24-1-1975)

Garden land in	S. Nos.	Acres	Guntas
	5	2	6
	6	2	2
Total:—		4	08

situated at Rayasandra, Kanakapura Taluk, Bangalore District.

Boundaries :—

East : Tungal Gowda alias Kolla Gowda.

West : S. Nos. 7 and 8—land.

North : Krishnappa's land.

South : Halla Chikkarunayya.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date: 26-8-1975

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shrimati R. Meera Bai from the family of Dr. Ranoji Rao, K-155, Jain Temple Street, V. V. puram, Bangalore-4.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 26th August 1975

C.R. No. 62/3763/74-75/Acq./ (B).—Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Garden land measuring in	S. Nos.	Acres	Guntas
	7	2	2
	8	2	16
Total		4A	18G

situated at Rayasandra, Kanakapura Taluk, Bangalore District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanakapura Document No. 6754/74-75 on 24-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- Shri K. Devaraj Arasu, S/O Kemparaja Arasu Patel, Tungani village, Hasaba Hobli, Kanakapura, Bangalore District.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No.	6754 74-75	dated	24-1-1975)
Garden land in	S. Nos.	Acres	Guntas
	7	2	2
	8	2	16
Total		4	18

situated at Rayasandra village, Kanakapura Taluk, Bangalore District.

Boundaries :—

East : Property sold to vendee.  
West : Remaining property vendor.  
North : Durge Gowda's land  
South : Chikkalumaga's land.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 26-8-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, dated 29th August 1975

C. R. No. 62/3791/74-75/Acq./ (B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27 being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site No. 75, Rajajinagar, Industrial Suburb, Rajajinagar, situated at Bangalore-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajajinagar, Bangalore-10 Doc. No. 6168/74-75 on 10-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. S. Chakrapany s/o Sri Subramaniam, Chettiar, partner, Bharath Auto Mobiles, 1/4, Sri Narasimharaja Road, Bangalore-2, residing at 10th Main Road, 1st Block, Jayanagar, Bangalore-11.  
(Transferor)
- (2) Shri S. R. Kandaswamy, s/o Sri S. Ranganatham, Partner, Lakshmi Paper Industries, 38, Town Railway Station Road, Salem-1, (Tamil Nadu).  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 6168/74-75 dated 10th Feb 1975).

Vacant site No. 75, Rajajinagar, Industrial Suburb, Rajajinagar, Bangalore-10.

Site area=E. W.=261'+248'×N. S. 124'=31,570 sqft.

2

Boundaries :

North	Site No. 76.
South	Site No. 74.
East	Road
West	Storm water drain.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bangalore.

Date:- 29-8-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 4th September 1975

C. R. No. 62/4658/74-75/Acq./ (B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant site No. 74, Rajajinagar, Industrial Suburb situated at Rajajinagar, Bangalore-10, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajajinagar, Bangalore-10, Document No. 6591/74-75 on 3-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

27—266GI/75

(1) Shri K. S. Chakrapani, S/o Sri Subramanian Chettiar, p/r Bharath Automobiles, 1/4, Sri Narasimharaja Road, Bangalore-2 residing at No. 172, 10th Main Road, I Block, Jayanagar, Bangalore-560011. (Transferor)

(2) Shri R. Venkateshan, S/o Sri S. Ranganatham, No. 38, Town Railway Station Road, Salem-1 (Tamil Nadu).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered in Document No. 6591/74-75, dated 3rd Mar. 1975).

Vacant site No. 74, Rajajinagar Industrial Suburb, Rajajinagar, Bangalore-560010.

Measuring : East to West :

North to South :

248' + 236'-6"  $\times$  124'

2

= 30,000 sq. ft. approximately.

Boundaries :—

North : Site No. 75

South : Site No. 73.

East : Road

West : Storm water drain.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore

Date : 4-9-1975

Seal :

## FORM IINS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 10th September 1975

Ref. No. RAC No. 107/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-6-39 situated at Kareemnagar, property Kareemnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kareemnagar on 6-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Muralidhar, S/o Sitaram Attal, 2. Muralidhar, S/o Narsingh Das, 3. Dwaraka Das S/o Badrinath Soni, all residing at Nizamabad.  
(Transferor)

- (2) 1. Shri Kakkirala Janardhan, 2. R. Vijaya Kumar, 3. M. Kailasam, 4. Ganji Anjaiah, 5. G. Prakash, 6. G. Sudhakar, 7. G. Shankar, All residing at Kareemnagar proper, Kareemnagar Dist.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Bearing Municipal No. 5-6-39 at Burudwadi, (Myadariwada) within municipal limit with open space and compound wall Zinc sheds structures Kareemnagar, Kareemnagar Dist.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 10-9-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th September 1975

Ref. No. RAC. No. 108/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion No. 5-6-39 situated at Kareemnagar, Kareemnagar, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kareemnagar, on 6-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :—

(1) 1. Shri Muralidhar, S/o Sitaram Attal, 2. Muralidhar, S/o Narsinghdah. 3. Sri Dwaraka Das, S/o Badrinath Soni, all three residing at Nizamabad.  
(Transferor)

(2) 1. S/Shri 1. Kakkirala Janardhan, 2. R. Vijayakumar, 3. M. Kailasam, 4. Ganji Anjaiah, 5. G. Prakash, 6. G. Sudhakar, 7. G. Shankar all are residing at Kareemnagar  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Portion of house M. No. 5-6-39 at Burudgalli, Kareemnagar, Kareemnagar Dist.  
Area : 3835.51 Sq. Yards.

K S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad

Date : 11-9-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th September 1975

Ref. No. RAC. No. 109/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Portion No. 2-11-30 in Plot No. 5 situated at Sardar Patel Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of Registering Officer at Secunderabad on 2-1-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Hushmutunnisa Begum, W/o late Nawab Zaheer Yar Jung, R/o Sardar Patel Road, Secunderabad. 2. Sri Jai Narayan Misra, S/o late Pandith Ramkishore Misra—R/o Sardar Patel Road, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) Sri A. Lokender Reddy, S/o A. Rama Reddy, R/o H. No. 3-5-907/2 at Himyatnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : Portion of house No. 2-11-30 in plot No. 5 at Sardar Patel Road, Secunderabad.

Area : 757.77 Sq. Yards.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 11-9-1975.

Seal :



FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th September 1975

Ref. No. RAC. No. 116/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land "Known as Takya Ahmed Ali Shah al-Fatima Bee" at Domalguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Azizunnisa Begum, W/o late Shaik Bhikkan Alias Jan Mohammed R/o 3-2-773 at Rahamath Bagh, Chappal Bazzar, Hyderabad. 2. Ahmedunnissa Begum, W/o Shaik Bhikkan Alias Jan Mohammed R/o 3-2-773 at Rahmat Bagh, Chappal Bazzar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Mohd. Ismaial R/o 14-11-101 at Mangalhat, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : The land admeasuring 300 Sq. Yds, known as "Takya Ahmed Ali Shah ali Fathima Bee" situated at Domalguda, Basheerbagh, Hyderabad.

Bounded by :

East : House of Javed Hussain,

West : C. C. Road

North : C. C. Road to Domalguda.

South : House of neighbour.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th September 1975

Ref. No. RAC. No. 115/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-10-179 to 206 situated at Begumpet, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Secunderabad on 6-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Meraj Ahmed Khan, R/o Ameerpet, Hyderabad, 2. Eraj Ahmed Khan, R/o Begumpet, Hyd. 3. Taruj Ahmed Khan, R/o Ameerpet, Hyd. 4. Khusroo M. Khan, R/o Begumpet, Hyd. as GDA of his brother Nausheer M. Khan. 5. (a) Aziz Ahmed Khan, R/o Begumpet, Hyd., (b) Rashida Begum, R/o Begumpet, Hyd. (i) Morij Ahmed Khan, (ii) Mansab Ahmed Khan, R/o Begumpet, Hyd. (c) Ambrina Begum, R/o Begumpet, Hyd. 6. Razia Begum, R/o Begumpet, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Messrs Uma Karan and Tejkaran, both sons of late Raja Dharam Karan, R/o 8-2-547 at Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : House Bearing No. 1-10-179 to 206 admeasuring 9000 Sq. Yds. equivalent to 7,524.90 Sq. Mts. with house thereon at Begumpet, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 16-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 16th September 1975

Ref. No. RAC. No. 117/75-76.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-8-44 situated at Fathe Sultanlane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 27-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Smt. Akhtarunnisa Begum, W/o Mirza Ahmed Ali Baig, R/o 5-8-43 at Fatch Sultan Lane, Hyderabad.  
(Transferor)

(2) Smt. Susheela D/o M. Shantamma, R/o 5-8-5 at Nampally, Station Road, Hyderabad.  
(Transferee)

\*(3) M/s. Nathoo Laljee, Sanitary Engineers, R/o Gun-foundry, Hyderabad.  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property: All that part and parcel of premises bearing Municipal No. 5-8-44 situated at Fatch Sulthan Lane, Hyderabad, A. P. admeasuring in area 498 Sq. Yds. or 416 Sq. Mts. under the jurisdiction of Hyderabad Municipal Corporation, Hyderabad City, Andhra Pradesh.

K. S. VENKATARAMAN,  
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-9-1975.  
Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Balai Chandra Ghosh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Narain Sah

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

\*(3) Shri Karuna Das

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 10th September 1975

Ref. No. TR-327/C-304/Cal-1/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9 and 9/1 situated at Ram Hari Mistry Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North, Calcutta on 31-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Two several one storied brick built dwelling house and katcha structure with land containing 3 cottahs 8 chittacks more or less at 9 & 9/1 Ramhari Mistry Lane, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-I,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Dillip Kr. Chatterjee

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chittaranjan Saha

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1975

Ref. No. AC-16/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I. S. S. INAMDAR

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 234, situated at Gopal Lall Thakur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cossipore, Dum Dum on 31-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—266GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share of land measuring 5K 7 Ch 21 sft. and building thereon situated at premises No. 234 Gopal Lall Thakur Road, P. S. Baranagar, Calcutta particularly as per deed No. 907, dated 31st January 1975.

S. S. INAMDAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range-V,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 10-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Santi Ghosh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Debajyoti Burman Roy and  
Smt. Gita Burman Roy.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 8th September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Ref. No. AC-15/Acq. R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S.  
INAMDAR

being the Competent Authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. 59, situated at C.I.T. Scheme No. IV-M

(and more fully

transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer

at Sealdah, 24-Pgs. on 3-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the eduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
'Said Act' in respect of any income arising from  
the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'Said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4 cottahs 1 chittack at C.I.T. Scheme  
IV-M, Plot No. 59 (Old premises No. 3 Surah 3rd Lane)  
P. S. Beliaghata, Calcutta as per deed No. 8 dated 3-1-1975.

S. S. INAMDAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the 'Said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following  
persons, namely :—

Date : 8-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) 1. Shri Mohatab Mollah, 2. Asdar Rahman Mollah,  
3. Osman Mollah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) 1. Shri Sunil Kr. Das, 2. Anil Kr. Das, 3. Ajit Kr.  
•Das, 4. Ranjit Kr. Das.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTAObjections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 8th September 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.Ref. No. Ac-14/Acq. R-V/Cal/75-76.—Whereas, I. S. S.  
INAMDARbeing the Competent Authority under Section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter refer-  
red to as the 'said Act'), have reason  
to believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. Mouza Baltikuri, situated at P. S. Jagacha, Dist. Howrah  
(and more fullydescribed in the Schedule annexed hereto), has been trans-  
ferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the  
office of the Registering Officer  
at Howrah on 27-1-1975for an apparent  
consideration which is less than the fair market value  
of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to  
between the Parties has notbeen truly stated in the said instrument of transfer with  
the object of—EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha 10 cottahs 1 chettak 23 sft. at  
Mouza Baltikuri, P. S. Jagacha, Dist. Howrah particularly  
as per deed No. 404 dated 27-1-1975.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby  
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-  
perty by the issue of this notice under sub-section (1) of  
section 269D of the said Act to the  
following persons, namely :—S. S. INAMDAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 8-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Asish Kumar Chatterjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chittaranjan Saha.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 10th September 1975

Ref. No. AC-17/Acq. R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 234, situated at Gopal Lall Thakur Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Cossipore, Dum Dum on 31-1-1975

for an appa-

rent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share of land measuring 5K 7Ch 21 sft. and building thereon situated at premises No. 234 Gopal Lall Thakur Road, P. S. Baranagar, Calcutta particularly as per deed No. 908, dated 31-1-1975.

S. S. INAMDAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range-V,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 10-9-1975.

Seal :



FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380009,

Ahmedabad-380009, the 4th September 1975

Ref. No. P. R. No. 247 Acq. 23-387/19-7/74-75.—Whereas I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 13-1 R. S. No. 4, Plot No. 12 paiki 246 8, yds. situated at Athwa Lines, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat, on 31-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Girdharlal Punamchand Shah self and as Karta of HUF,  
(2) Shantaben wife of Girdharlal Punamchand Shah,  
(3) Rameshchandra Girdharlal Shah,  
(4) Maheshchandra Girdharlal Vakil,  
Haripura, near Bhavani Vad, Surat.

(Transferor)

- (2) M/s. Anand Land Corporation through ten partners;  
1. Mallika Girishchandra Golwala;  
2. Rajnikant Babubhai Golwala;  
3. Ravikant Damodardas Gajjar;  
4. Taramati Balkrishna Gajjar;  
5. Bipinchandra Gulabdas Dalal;  
6. Parekh Vasantlal Dalal;  
7. Premabhai Gokalbhai Patel;  
8. Thakorbbhai Gokalbhai Patel;  
9. Sumanbhai Khandubhai Desai;  
10. Renuka Bharatkumar Desai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

**EXPLANATION**.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

An open plot of land bearing Survey No. 13-1 Ward No. 13, Nondh No. 4 Plot No. 12 paiki admeasuring 247 sq. yds. situated at Athwa Lines, Surat as fully described in sale deed registered under No. 375 of January, 1975 by Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 4-9-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Amir Abbas and Others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 23rd August 1975

Ref. No. 51-A/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. .... situated at Village Panju Sarai Teh. Amroha Distt. Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amroha on 10-2-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A agricultural land measuring 6 acres 6 decimal along with a haveli situated at village Panju Sarai, Distt. Moradabad.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Income-tax,  
Acquisition Range, Lucknow.

(1) Shri Chhajoo

(Transferor)

Date : 23-8-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mathura.

(Transferors)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh Chandra &amp; others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 23rd August 1975

Ref. No. R-64/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Chak No. 164 situated at Village Khamaria Teh. Biswan Distt. Sitapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Biswan on 5-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Chak No. 164 measuring 13.38 acres situated at Village Khamaria Tehsil Biswa Distt. Sitapur.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow

Date : 23-8-1975

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BIHAR,  
CENTRAL REVENUE BUILDING, PATNA

Patna, the 15th September 1975

Ref. No. III-103/Acq./75-76/1069.—Whereas, I, J. Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. H. No. 239/343B, W. No. 2, Cr. No. 6 situated at Fraser Road, Patna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna, on 22-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Genda Lal Agrawal S/o Sri Ram Chandra Agrawal, at Fraser Road P. E. Kotwali, Patna.  
(Transferor)
- (2) Shrimati Manorama Devi W/o Sri Govind Prasad Gupta and Sri Kailash Prasad Gupta, S/o Sri Nanak Chand Agrawal at Fraser Road, P. S. Kotwali, Patna.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are confined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Fraser Road, Patna bearing tauzi No. 673, H. No. 239/343B, Cr. No. 6, W. No. 2 which is fully described in document dated 22-1-1975.

J. NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 15-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th September 1975

Ref. No. F. 2384/74-75.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 818, 819, situated at Big Bazaar Street, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (JSR III (Doc. No. 251/75) on 24-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely :—

29—266GI/75

(1) 1. Shri Karson Mauji Patel (by his son and General Power of Attorney Agent Laljee Karson Patel; and 2. Vishram Mauji Patel, Podanur, h/o Kurichi Village, Coimbatore TK.

(Transferor)

(2)

1. Vashdev Rochiram;  
2. Tulsidas Rochiram;  
3. Bhagwandas Rochiram;  
4. Jagdish Rochiram;  
5. Smt. Gopibai Rochiram;  
6. Gobind Rochiram (Minor).  
7. Pishu Rochiram (Minor).  
(Minors are represented by their mother and guardian Smt. Gopibai Rochiram).  
No. 818, 819 Big Bazaar Street, Coimbatore.  
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3097 sq. ft. (with building) situated at New Door Nos. 818, 819, Big Bazaar Street, Coimbatore. (T. S. No. 5/970 New Ward No. 5, Coimbatore).

G. V. JHABAKH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Madras-6.

Date : 10-9-1975

Seal :

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 10th September 1975

Ref. No. F. 3236/74-75.—Whereas, I, G. V. JHABAKH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16, situated at North East Extension, Thillainagar, Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at TIRUCHIRAPALLI (JSR III), (Doc. No. 18/75) on 2-1-1975, 2-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(1) S/S.

1. R. Krishnaswami Reddiar;
  2. R. K. Rengaraj;
  3. R. K. Ramraj;
  4. R. K. Sundar Raj;
  5. R. K. Janaka Raj;
- 10/23 First Main Road, Ramalinganagar, Trichy-17.

(Transferor)

(2) Shri VE. AL. Sinha Alagappa Chettiar,  
O. Siruvayal, Karaikudi Taluk,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 6300 sq. ft. (with building) situated at Door No. B-16, Sixty Feet Main Road, North East Extension, Thillainagar, Trichy Town (Ward No. 3, Block No. 4, T. S. No. 44 Part).

G. V. JHABAKH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Madras-6.

Date: 10-9-1975

Seal:

FORM ITNS—

(1) M/s. India Pistons Repco Ltd.,  
202, Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Indian Pistons Ltd.,  
"Huzur Gardens", Madras-11.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
MADRAS-6Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, dated 10th September 1975

Ref. No. F. IX/9/121/74.—Whereas, I, G. Ramanathan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. T. S. 15 and 16 situated at Sembiam, Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR, Madras on January, 1975 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Building and unexpired portion of the lease over land measuring 53 grounds and 3837 sq. ft. in T. S. Nos. 15 & 16, Sembiam, Madras.

G. RAMANATHAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-1, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/870/75-76/3578.—Whereas, I, C. V. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd of 33 (new) situated at Kucha Chowdhry Chandni Chowk, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 5-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Chander Kanta Devi w/o Dr. R. S. Sharma and Shrimati Shree Devi Sharma w/o Shri Arihant Dev Sharma residents of 5219, Kolhapur Road, Jawaharnagar, Delhi-7.

(Transferor)

- (2) Shrimati Taramani w/o Shri Ramesh Chand r/o 8940 Sheedipura, Delhi and Shrimati Gulab Devi w/o Shri Murli Manohar r/o 8723 Sheedipura, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of 24/ storied free-hold property of the house bearing Municipal No. 8(old) and 33 (new) Ward No. IV, Kucha Choudhary Chandni Chowk, Delhi built upon a plot of land admeasuring total 181 sq. yds. and bounded as under :—

East : Street  
West : Joint Wall  
North : Others property  
South : Others property

C. V. GUPTE,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 10-9-1975

Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/868/75-76/3573.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd of 33 (new) situated at Kucha Chowdhary Chandni Chowk, Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 31-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Chander Kanta Devi w/o Dr. R. S. Sharma and Shri Satya Dev Sharma s/o Dr. R. S. Sharma residents of 5219, Kolhapur Road, Jawahar Nagar, Delhi-110007.

(Transferor)

(2) Shri Pran Nath s/o Shri Kidar Nath r/o 8918 Sheedipura, Delhi and Shri Jai Bhagwan s/o Shri Jai Narain, r/o 965, Timarpur. Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of 2½ storeyed free hold property of the house bearing Municipal No. 8(old) 33 (new), Ward No. IV, Kucha Chowdhary, Chandni Chowk, Delhi Quilt upon a plot of land admeasuring total 181 sq. yds. and bounded as under :—

East : Street  
West : Joint Wall  
North : Other's property  
South : Others property

C. V. GUPTE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 10-9-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shrimati Shanti Devi w/o Shri Lal Chand Gupta  
r/o 71-D, Kamla Nagar, Delhi-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Balbir Singh Malhotra s/o Shri Gurdit Singh  
Malhotra r/o 17-1, Shakti Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/865/75-76/3578.—Whereas I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. K-4 (1/3rd share) situated at Model Town, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 19-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3 share of built up property 2½ storeyed on a land measuring 277.4 sq. yds on plot No. 4 Block K situated in the colony known as Model Town, area of Village Malikpur Chhaoni, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. K-1/3  
East : Plot No. K-5.  
South : Road  
West : Plot No. K-2

C. V. GUPTE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 9-9-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shrimati Chander Kanta Devi w/o Dr. R. S. Sharma and Smt. Gargi Devi Sharma w/o Shri Aprajit Dev Sharma residents of 5219, Kolhapur Road, Jawaharnagar Delhi-7.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Rukmani Devi d/o Shri Bhalu Ram r/o H-1/73 New Seelanipur, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 10th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/869/75-76/3578.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd of 33 (new) situated at Kucha Chowdhry Chandni Chowk, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share in property bearing Municipal No. 8 (old) and 33 (new) Ward No. IV, Kucha Chowdhary, Chandni Chowk, Delhi built upon a plot of land admeasuring total 181 sq. yds and bounded as under :—

East : Street  
West : Joint Wall  
South : Others property  
North : others property

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

C. V. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 10-9-1975  
Seal :

FORM ITNS

(1) Shrimati Shanti Devi w/o Shri Lal Chand Gupta  
r/o 71-D, Kamla Nagar, Subzi Mandi, Delhi-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Joginder Singh Malhotra s/o Shri Gurdit  
Singh Malhotra r/o 17/1, Sakti Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/866/75-76/3528.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. K-4 (1/3rd share) situated at Model Town, Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 20-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3 share of built up property 2½ storeyed on a land measuring 277.4 sq. yds on plot No. 4 Block K situated in the colony known as Model Town, area of Village Malikpur Chhaoni, Delhi state, Delhi and bounded as under:—

North : Plot No. K-1/3

East : Plot No. K-5

South : Road

West : Plot No. K-2

C. V. GUPTE,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 9-9-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shrimati Shanti Devi w/o Shri Lal Chand Gupta  
r/o 71-D, Kamla Nagar, Subzi Mandi, Delhi-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Gurdit Singh Malhotra s/o Shri Jai Dayal  
Malhotra, r/o 17/1, Shakti Nagar, Delhi-7.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/864/75-76/3578.—Whereas, I,  
C. V. Gupte,being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. K-4 (1/3rd share) situated at Model Town, Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annex-  
ed hereto) has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Delhi on 20-2-1975,for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed to  
between the parties has not been truly stated in the said instru-  
ment of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

30—266G1/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of the publi-  
cation of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3 share of built up property 2½ storeyed on a land  
measuring 277.4 sq. yds on Plot No. 4 Black K situated in  
the colony known as Model Town, Area of Village Malikpur  
Chhaoni, Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North : Plot No. K-1/3

South : Road

East : Plot No. K-5

West : Plot No. K-2

C. V. GUPTA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 9-9-1975

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shrimati Chemeli Devi w/o Shri Chedi Lal d/o L. Sh. Koki Mal r/o Sheikh Sarai, Buland Shahar (UP).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Mohinder Singh s/o Chowdhary Hari Singh, r/o X/634 Ganj Meer Khan, Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,  
NEW DELHI

New Delhi, the 10th September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.II/86/75-76/3578.—Whereas, I, C. V. Gupte, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. between plot 60 & 61 Kh. No. 153/60 situated at Darya Ganj, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 7-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Lease hold plot of land measuring 52.35 sq. yds situated between Plots No. 60 and 61 in Darya Ganj (South) and forming Part of Khasra Nos. 153/56 of Revenue Estate of Darya Ganj, Delhi and bounded as under :—

East : Plot No. 61 Mpl. No. XI/4983-84

West : Plot No. 60 Mpl. No. XI/5000

North : Open land

South : Dayanand Road

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

C. V. GUPTE,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 10-9-1975

Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, AGGARWAL BUILDING,  
2ND FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1975

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/Feb./204(11)/74-75/3575.—  
Whereas, I, S. C. Parija,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 60/13, Old Rajinder Nagar situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gopalji Bhai s/o Shri Ralla Bhai, (as Regd. General Attorney of Shri Jasbir Singh, s/o Dr. Prem Singh Chawla) r/o 5/30, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chatur Lal s/o Shri Lawji, r/o 60/13, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Leasehold Govt. built Qr. No. 60/13, together with a plot of land mg. 85.9 sq. yds. situated in the area of old Rajinder Nagar, New Delhi.

S. C. PARIJA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 6-9-1975

Seal :

## FORM ITNS

(2) Shri Harbans Singh s/o Shri Arjan Dass Z-2,  
Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(3) Shri Shamsheer Singh Z-2, Rajouri Garden, New  
Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
ACQUISITION RANGE-III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, AGGARWAL BUILDING,  
2ND FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1975

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.II/Jan/755(18)/74-75/3575.--  
Whereas, I, S. C. Parija,  
being the competent authority under section 269-B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that  
the immovable property having a fair market value  
exceeding Rs. 25000/- and bearing  
No. 1/3rd share (undivided) situated at Z-2, Rajouri Garden,  
New Delhi,  
(and more fully described  
in the Schedule annexed hereto), has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of  
the Registering Officer at  
New Delhi on 16-1-1975,  
for an apparent consideration which is less than  
the fair market value of the aforesaid property and I have  
reason to believe that the fair market value of the property  
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration and  
that the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly  
stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
said Act in respect of any income arising from the  
transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee  
for the purposes of the Indian Income-tax Act,  
1922 (1 of 1922) or the said Act or the Wealth  
Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

- (1) Shrimati Pushpa Rani w/o Shri Sain Dass Anand  
C/o Moti Mahal, 116, Waterfield Road, (Turner  
Road) Bandra, Bombay-50.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share consisting of a 2½ storeyed building bearing  
No. Z-2, Rajouri Garden, New Delhi together with a plot of  
land measuring 778 sq. yds. situated in the area of Village  
Tatarpur, New Delhi and is bounded as under :—

North : House No. J-205, J-206 and J-206A.

South : Road.

East : House No. Z-3 and Z-3A

West : House No. Z-1.

S. C. PARIJA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 6-9-1975

Seal :



FORM I.T.N.S. \_\_\_\_\_

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-III,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, AGGARWAL BUILDING,  
2ND FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 6th September 1975

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.II/Jan./756(19)/74-75/3575.—  
Whereas, I, S. C. Parija,  
being the Competent Authority under  
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000 and bearing  
No. 2/3rd share (Undivided) situated at No. Z-2, Rajouri  
Garden, New Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred  
under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on 16-1-1975,  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-  
perty and I have reason to believe that the fair market value  
of the property as aforesaid exceeds the apparent con-  
sideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration  
for such transfer as agreed to between the parties has not  
been truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transfer to pay tax under the Said Act, in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of section 269D of the Said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shrimati Pushpa Rani w/o Shri Sain Dass Anand,  
C/o Moti Mahal, 116, Waterfield Road, (Turner  
Road) Bandara, Bombay-50.

(Transferor)

(2) Shri Ajinder Paul Singh s/o Shri Harbans Singh,  
Z-2, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Shamsheer Singh, Z-2, Rajouri Garden, New  
Delhi.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-  
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2/3rd share of property bearing No. Z-2, Rajouri Garden,  
New Delhi together with a plot of land measuring 778 sq.  
yds. situated in the area of Village Tatarpur, New Delhi and  
is bounded as under :—

North : House No. J-205, J-206 and J-206A.

South : Road.

East : House No. Z-3 and Z-3A.

West : House No. Z-1.

S. C. PARIJA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax  
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 6-9-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Birdibai Wd/o Sunderlalji Patni, R/o 13,  
Sitlamata Bazar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE  
BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. MUNSHI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Juna Peetha No. 32, Cloth Market No. 7, Pardesipura No. 6, Indore, situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Indore on 21-1-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Lokendra Kumar S/o Nirmal Kumar R/o 13,  
Sitlamata Bazar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House situated at Juna Peetha No. 32, Cloth Market No. 7  
Pardesipura No. 6, Indore.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 9-9-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Surendra Kumar S/o Shri Tikamalalji Madhav  
Nagar Ujjain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Surendra Singh, (2) Shri Virendra Singh,

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Nirendra Singh Kanthan Crossing, Ujjain.  
(Transferee)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPALObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. MUNSHI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 243/19 open plot No. 3 (A portion of Municipal No. 6/1027 Dushera Maidan, Ujjain situated at Ujjain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ujjain on 16-1-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

243/19 open plot No. 3 a portion of municipal No. 6/1027 Dushera Maidan, Ujjain.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Date 9-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Harichand S/o Karamchand Saluja Punjabi,  
R/o Chirmiri, Teh. Mahendragarh, Distt. Sarguja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(2) (1) Shri Rameshwar Prasad (Minor) S/o Shri  
Purshottamdas Kudaria,

(2) Shri Surendra Kumar (Minor) S/o Shri Deoki-  
nandan Kudaria, R/o Buxwaha, Distt. Chattar-  
pur.

(Transferee)

Bhopal, the 9th September 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. MUNSHI,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said  
Act'), have reason to believe that the immovable property  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Halka No. 59, R.I. No. 356, Plot No. 17, Mauganj,  
Ward No. 2, Damoh, situated at Damoh,  
(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-  
tering Officer at Damoh on 17-1-75,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by  
more than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as agreed  
to between the parties has **not** been truly stated in the said  
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under the  
'Said Act' in respect of any income arising from the  
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not been  
or which ought to be disclosed by the transferee  
for the purposes of the Indian Income-tax Act,  
1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-  
tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said  
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following  
persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-  
movable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the 'Said  
Act' shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Halka No. 59, R.I. No. 356, Plot No. 17, Mauganj, Ward  
No. 2, Damoh.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 9-9-1975,  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shiv Singh S/o Shri Narain Singh Chauhan,  
R/o 37, Jatti Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Hiralal Khatri S/o Shri Shabboo Dayal Khatri,  
R/o Pardeshipura road No. 7, House No. 11, Indore,  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. M. F. MUNSHI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. a portion of property at plot No. 3, Jamna Nagar Colony, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

31—266 GI/75

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A portion of property at plot No. 3, Jamna Nagar Colony, Indore.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 9-9-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Nibuwa Wala Bros. through Managing Partner  
Shri Premchand S/o Shri Jamuna Prasad, Jain R/o  
Katra. Sagar,  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bimal Kumar S/o Shri Gajadhar Prasad Jain  
R/o Toda. Teh. & Distt. Sagar.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. M. F.  
MUNSHI,

being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and  
bearing

No. Half portion of the house situated at Hakganj, Grain  
Market, Tilak Ganj Ward, Teh. & Distt. Sagar situated at  
Sagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Sagar on 30-1-75,

for an apparent consi-  
deration which is less than the fair market value of the afore-  
said property and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent consi-  
deration therefor by more than fifteen per cent of such  
apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the object  
of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lia-  
bility of the transferor to pay tax under the said  
Act, in respect of any income arising from the trans-  
fer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires  
later :

(b) by any other person interested in the said  
Immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half portion of the house situated at Hakganj, Grain Mar-  
ket, Tilakganj ward. Teh. and Distt. Sagar.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 9-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Chandrabhan S/o Shri Aildas R/o Radha Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Ishwaribai W/o Shri Bhagatmal, R/o Block No. 17, Venkteshmarket, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. MUNSHI,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House at 17, Vyankatesh Market, Indore situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 27-1-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House at 17, Vyankatesh Market, Indore.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 9-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) (1) Smt. Ashlesha D/o Late Shri Chandrakant Holkar.  
 (2) Smt. Manini d/o (late) Shri Chandrakant Holkar both R/o 62 New Palasia, Indore.  
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) M/s Vijay Trading Co. Regd. Firm, 52 Usha Ganj Main Road, Indore.  
 (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. MUNSHI, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land at Chitavad on Indore—Nemawar Road situated at Intore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

### THE SCHEDULE

Land at Chitavad on Indore—Nemawar Road, Indore.

M. F. MUNSHI,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
 Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Date : 9-9-1975.  
 Seal :



FORM ITNS

(1) (1) Smt. Ashlesha D/o Late Shri Chandrakant Holkar.

(2) Smt. Manini d/o (late) Shri Chandrakant Holkar both R/o 62, New Palasia, Indore.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. MUNSHI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land at Chitavad on Indore—Nemawar Road situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 22-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) M/s Vijay Trading Co. Regd. Firm, 52 Ushaganj, Main Road, Indore.  
(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land at Chitavad on Indore—Nemawar Road, Indore.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 9-9-1975.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Smt. Ashlesha D/o Late Shri Chandrakant Holkar.  
 (2) Smt. Manini d/o (late) Shri Chandrakant Holkar both R/o 62, New Palasia, Indore.  
 (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
 ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. MUNSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land situated at Chitavad on Indore—Nemawar Road situated at Intore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indore on 22-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) M/s Vijay Trading Co. Regd. Firm, 52 Usha Ganj Main Road, Indore.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land situated at Chitavad on Indore—Nemawar Road, Indore.

M. F. MUNSHI,  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant  
 Competent Authority,  
 Acquisition Range, Bhopal.

Date : 9-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Premchand Jain S/o Shri Sardarmalji, Jain,  
Panchsheel Nagar, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Master Dinesh Kumar Sethi (Minor) C/o Shri  
Ramesh Kumar Seth S/o Shri Banarsidas Seth,  
Panchsheel Nagar, Raipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPALObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F.  
MUNSHI,being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.Block No. 30 Bungalow, Panchsheel Nagar, Raipur situated  
at Raipur,(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under theRegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-  
tering officer

at Indore on 10-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).Now, therefore in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons namely :—

## THE SCHEDULE

Block No. 30, Bungalow, Panchsheel Nagar, Raipur.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 9-9-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Haji Hatamali S/o Haji Hasanali, R/o 15, Bohra, Bakhali, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. MUNSHI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 162 (old No. 8 and 10) Ranipura Main Road, Indore situated at Indore, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Indore on 28-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income raising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) (1) Shri Ali Hussain S/o Haji Hatimali, R/o 15, Bohra Bakhali, Indore.  
(2) Shri Mufzalbhai S/o Haji Hatamali, R/o 15, Bohra Bakhali, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 162, (old No. 8 and 10) Ranipura Main Road, Indore.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 9-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Shri Hemraj S/o Laxmandas Sindhi, Raipur.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sagarmal S/o Shri Shivrinarayan Agarwal, Raipur.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. MUNSHI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. house situated at Baijnathpara, Raipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Raipur on 22-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

32-266 GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Municipal House No. 12/194 and 12/199 situated at Bazar Ward, Fafadi, Raipur.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 9-9-1975.

Seal:

## FORM ITNS—

(1) Shri Kedarnath S/o Shri Fakirchand Dodi R/o  
Shahdol, Teh. Sohagpur, Distt. Shahdol.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Santosh W/o Shri Kedarnath Dodo R/o  
Shahdol.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. MUNSHI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. double storeyed house constructed on land situated in Village Muhai Bandh Ward No. 16, Municipal area at Shahdol, land Kh. No. 107 situated at Shahdol, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahdol on 15-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed house constructed on land situated in Village Muhai Bandh Ward No. 16, Municipal area at Shahdol, land Kh. No. 107, Shahdol.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 9-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Jasumati W/o Shri Chandulabhai R/o Mahasumund, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Jamnadasbhai S/o Shri Jagjeevanbhai Soni,  
R/o Budapara, Raipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. single storey house on land Kh. No. 2018/2 portion of it—situated at Village Mahasumund, Distt. Raipur situated at Mahasumund

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mahasumund on 9-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storey house on land Kh. No. 2018/2 portion of it—situated at Village Mahasumund, Distt. Raipur.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-9-75

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Bhanwalal S/o late Shri Rattanlal Marothi, 2. Shri Vijaykumar Marothi S/o Shri Bhanwarlal Marothi, 3. Shri Ajaykumar S/o Shri Bhanwarlal Marothi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. old house No. 9/352 and 9/353 situated at Badapura Raipur—Area 1700 sq. ft. situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 1-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(2) Smt. Rambhabai W/o Shri Pukhraj Golcha. R/o Burapara, Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Old house No. 9/352 and 9/353 situated at Badapura Raipur—Area 1700 sq. ft.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-9-75

Seal :



## FORM ITNS—

(1) Smt. Radhabai Wd/o P. S. Narain Rao, R/o Fafidh, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Keshavji S/o Shri Rattanji R/o Fafidh, Raipur.  
pur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. JAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 8/835 situated at Raipur city, Fafadib, Teh. &amp; Distt. Raipur situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 16-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 8/835 situated at Raipur city, Fafadib, Teh. &amp; Distt. Raipur.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant  
Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date: 9-9-75

Sd/-

## FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing land and house at Village Manasumand P.H. No. 142A.R. Municipal No., Teh. Mahasumand, Distt. Raipur situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Mahosumand on 27-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Anandpalpanabhan Nair S/o Sukumaran Nair, Mahasamund, Raipur.

(Transferor)

(2) Shri Jitendra, 2. Shri Devendra Sons of Shri Khemraj, R/o Mahasamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and house at Village Mahasumand P.H. No. 142 A.R., Municipal No. Teh. Mahasumand, Distt. Raipur.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-9-75

Seal :

## FORM ITNS.—

(1) Smt. Kamla Bai W/o Shri Babulal Jain R/o Mungawalli, Guna.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Keharsingh S/o Shri Narnamsingh Shri Kamalsingh S/o Harnamsingh, Shri Basrajsingh S/o Udamsingh all r/o Khirya Tail Purgana, Ashoknagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. property in Subash Ganj ward No. 2, Ashok Nagar situated at Ashoknagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guna on 22-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property in Subash Ganj Ward No. 2, Ashoknagar.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-9-75

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ground floor of house No. 25/57/1/6 and Old No. 133/2 Ward No. 21, Sitole Sahib-ka-Wada, Lashkar, Gwalior situated at Gwalior (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 22-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Sarjubai W/o Shri Badriprasad, Itoria, R/o Village Alampur Pargana, Lahar, Distt. Bhind.  
(Transferor)
- (2) Smt. Shiladevi Gupta W/o Shri Balmukund Gupta and Shri Saket chand Gupta S/o Shri Balmukund Gupta, R/o Vargey-ki-Goath, Janakganj, Lashkar, Gwalior.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Ground floor of house No. 25/57/1/6 and Old No. 133/2 Ward No. 21, Sitole Sahib-ka-Wada, Lashkar, Gwalior.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income Tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-9-75

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

First floor and passage of House No. 25/571/6 and Old No. 133/2 Ward No. 21, Sitole Sahib-ka-Bada, Lashkar, Gwalior situated at Gwalior

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 24-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
33—266GI/75

(1) Smt. Sarju Bai W/o Shri Badri Prasad Ioria R/o Village Alampur Pargana, Lahar, Distt. Bhind.

(Transferor)

(2) S/Shri Prakash chand Gupta and Satischand Gupta S/o Shri Balmukund Gupta R/o Vargey-ki-Goath, Janak Ganj, Lashkar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

First Floor and passage of House No. 25/571/6 and Old No. 133/2 Ward No. 21, Sitole Sahib-ka-Bada, Lashkar, Gwalior.

M. F. MUNSHI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-9-75

Seal :

## FORM ITNS—

(1) S/Shri Ganeshprasad, Maheshprasad, Smt. Kasturibai R/o Gol Bazar, Raipur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamalabai W/o Govindlal Agarwal, R/o Fafadih, Raipur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. M. F. Munshi being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land at Village Chandandih (Tatibandh), Raipur situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 30-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land at Village Chandandih, Tatibandh Raipur.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-9-75

Seal :

## FORM ITNS—

(1) S/Shri Ganeshprasad, Maheshprasad, Smt. Kasturibai R/o Gol Bazar, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ramswaroop S/o Pyarelal Chandrakar, R/o Tatibandha, Raipur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land at Village Chandandih (Tatibandh) Raipur situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Raipur on 30-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period, of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land at Village Chandandih (Tatibandh) Raipur.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-9-75

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Rajendrakumar S/o Bhawarlalji Sethi, Manik Bhawan, Tukoganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Tarabai W/o Dr. Shivalji Jain, 460, M.G. Road, Krishnapura Main Road, Indore.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. M. F. Munshi being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot number 49 at Jaura compound, Indore area 2760 sq. ft. situated at Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 18-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 49 at Jaura compound, Indore Area 2760 sq. ft.

M. F. MUNSHI,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-9-75

Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Ramprasad S/o Shri Hiralal Verma, R/o 27/2, Daulatganj, Sonkar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing portion of Plot No. 12, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 18-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of plot No. 12, Indore.

F. M. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-9-75

Seal :

FORM ITNS.—

(1) S/Shri Pachkod, Rajan, Sons of Dukalu Sahu, R/o Tatibandh, Raipur.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Jitendrakumar S/o Kanjibhai Rathod, R/o 17/19 Kelkar para, Raipur—C/o Himmat Steel Foundary Ltd., Ganj Para, Raipur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL,

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land at Village Chandigarh (Tatibandh) Raipur situated at Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on 17-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land at Village Chandandih, (Tatibandh) Raipur.

F. M. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-9-75

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing H. No. 4/575 situated in Naipeth, Ujjain situated at Ujjain (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Nakodar in Dec. 1974, Ujjain on 18-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Ghanshyam S/o Shri Mangilal Garg, 2, Gokulshyam S/o Mangilal Garg, R/o Naipeth, Ujjain.

(Transferor)

(2) Dr. Kanakmal S/o Shri Nathulaljee R/o Madhavnagar, Ujjain, M.P.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. 4/475 situated in Naipeth, Ujjain.

F. M. MUNSHI  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-9-75

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Four storey building at 30/31 Malharganj Main Road, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 28-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Shri Manakchand Onkarlal, 2. Smt. Gulabai Wd/o Kasturchand, 3. Dhanyakumar Kasturchand, 4. Hemantkumar Manakchand, 5. Basant Kumar Manakchand, 6. Rajendrakumar Kasturchand, 7. Narendrakumar Kasturchand, and 8. Arunkumar Kasturchandji, 30-31, Malharganj Main Road, Indore, M.P.

(Transferor)

- (2) Shri Chandmal S/o Motilalji Village Bagh, Distt. Dhar, M.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Four storey building at 30/31 Malharganj Main Road, Indore.

F. M. MUNSHI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-9-75

Seal :

## FORM ITNS.—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House at Plot No. 107, Srinagar Colony, Indore situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 29-1-75

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

34—266G1/75

(1) Shri Narsinhlaljee S/o Shri Baijnath Choudhary,  
R/o Naikaoli, Vivekpath, Neemuch Cantt.

(Transferor)

(2) Smt. Dhankuwar W/o Shri Onkarsingh Kathiwara,  
R/o Municipal H. No. 3/2, New Palasia, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House, at Plot No. 107, Srinagar Colony, Indore.

M. F. MUNSHI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 9-9-75

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Gulabchand S/o Shri Kanhaiyalal (Goldsmith)  
R/o 2/2, Nihalpura, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL.

(2) Shri Radheshyam S/o Shri Hardeolal Maggal, R/o  
Nihalpura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPI./75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 40 situated at Mohalla, Pipli Bazar, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 17-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 40 situated at Mohalla, Pipli Bazar, Indore.

M. F. MUNSHI  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-9-75

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th September 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 52/5 South Tukoganj, Street No. 1, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kanta Bai W/o Shri Ramratan Agarwal, R/o 13, Chhoti Gwal Toli, 2, Smt. Badrakala W/o Shri Kailashchandraj Trivedi, R-/249, Nayapura, Indore.  
(Transferor)

(2) M/s. Rana Sati Construction Enterprises Pvt. Ltd. 11, Sanghi Colony, Indore.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 52/5 South Tukoganj, Street No. 1, Indore.

M. F. MUNSHI

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Bhopal

Date : 9-9-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Jayer &amp; Co. 12B, Netaji Subhas Road, Calcutta-1.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQ. R-III, CALCUTTA(2) Shrimati Kalyani Sen,  
1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.

(Transferee)

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 280/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 1A on 1st floor situated at 1D, Mandeville Gardens, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Pgs. on 6-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 1A on 1st floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 13/207th share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 19 of 1975 registered before the Sug-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-III, Calcutta

54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 15-9-1975.

Seal :



FORM ITNS—

(1) M/s. Jayer & Co.  
12B, Netaji Subhas Rd., Cal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Sreelata Khastgir  
1D, Mandeville Gardens,  
Calcutta-19.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQ. R-III, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 281/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 2A on 2nd floor situated at 1D, Mandeville Gardens, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24 Pgs. on 6-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2A on 2nd floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 13/207th share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 20 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range-III, Calcutta

54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 15-9-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Jayer & Co.  
12B, Netaji Subhas Rd., Cal.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Manashi Bose,  
1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQ. R-III, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 282/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 3A on 3rd floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Cal.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Scaldah, 24-Pgs. on 6-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3A on 3rd floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 13/207th share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 21 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Scaldah, 24-Parganas,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQ. R-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 283/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I. L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 4A on 4th floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Pgs. on 6-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Jayer & Co.  
12B, Netaji Subhas Rd., Calcutta.  
(Transferor)
- (2) Dr. Atindra Nath Shee  
1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4A on 4th floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 13/207th share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 22 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 15-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. Jayer & Co.  
12B Netaji Subhas Rd., Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Pramila Patra,  
1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQ. R-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 284/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I. L. K. Balasubramanian, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5A on 5th floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Pgs. on 6-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5A, on 5th floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 13/207th share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 23 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 15-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Jayer & Co.,  
12B, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mohini Roy,  
1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQ. R-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 285/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. 6A on 6th floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Pgs. on 6-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

35—266GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6A on 6th floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 13/207th share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 24 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 15-9-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Jayer & Co.,  
12B, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. N. Sen,  
1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQ. R-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 286/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7A on 7th floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Cal.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Pgs. on 6-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 7A on 7th floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 13/207th share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 25 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 15-9-1975.

Seal ;

## FORM ITNS—

(1) M/s. Jayer & Co.,  
12B, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sachindra Ch. Chakraborty &  
Smt. Gita Chakraborty  
1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQ. R-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 287/Acq.R-III/74-75/Cal.—Whereas, J. L. K. Balasubramanian being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 2B on 2nd floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24-Pgs. on 6-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2B on 2nd floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 10/207th share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 26 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 15-9-1975.

Seal :

## FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Jayer & Co.,  
12B, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrimati Namita Bhattacharyya,  
1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQ. R-III, CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 288/Acq. R-III/74-75/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 5B on 5th floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sealdah, 24 Parganas on 6-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 5B on 5th floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 13/207th share in all piece and parcel of land at premises No. 1D Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 27 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-9-1975.

Seal :



## FORM ITNS—

(1) M/s. Jayer & Co.,  
12B, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shrimati Santana Bhattacharyya,  
1D, Mandeville Gardens, Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQ. R-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 289/Acq. R-III/74-75/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 6B on 6th floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24 Parganas on 6-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6B on 6th floor with all other common rights & facilities annexed to the flat together with 10/207th share in all piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 28 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Pargana.

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 15-9-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jayar & Co.,  
12B, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Subha Sarkar,  
1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQ. R-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 290/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 3B on 3rd floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24 Parganas on 6-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 3B on 3rd floor with all other common rights and facilities annexed to the flat together with 10-207th share in all piece and parcel of land at Premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 29 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 15-9-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Jayer & Co.,  
12B, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Angshu Prokash Bhattacharjee,  
1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQ. R-III, CALCUTTAObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 291/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 7B on 7th floor, situated at 1D, Mandeville Gardens, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah, 24 Parganas on 6-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 7B on 7th floor with all other rights and facilities annexed to the flat together with 10/207th share in all the piece and parcel of land at premises No. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed No. 30 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Sealdah, 24 Parganas.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 15-9-1975,

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Jayer & Co.,  
12, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th September 1975

Ref. No. 292/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 4B on 4th floor situated at 1D, Mandeville Gardens, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Scaldah, 24 Parganas on 6-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

- (2) (i) Shri Sunil Chandra Chatterjee,  
(ii) Achala Chatterjee,  
1D, Mandeville Gardens, Calcutta-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4B, on 4th floor with all other rights and facilities annexed to the flat together with 10/207 share in all the piece and parcel of land at premises no. 1D, Mandeville Gardens, Calcutta as per deed no. 31 of 1975 registered before the Sub-Registrar, Scaldah, 24 Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta

Date : 15-9-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st September 1975

Ref. No. 181/Acq/D. Dun/74-75.—/1154.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 15-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

36—266G1/75

(1) Shri Vishwa Bandhu Khanna S/o Shri Chunni Lal Khanna R/o Jammu Tawi, 2. Sri Vijai Kumar Khanna and 3. Shri Ashok Kumar Khanna both sons of Sri Chunni Lal Khanna R/o Jammu Tawi. (Transferor)

(2) Shri Mool Raj Singh Talwar S/o Late Shri Piarey Lal and 2. Smt. Chandra Kanta W/o Sri Mool Raj Singh, and 3. Ravinder Kumar and 4. Raj Kumar Both sons of Sri Mool Raj Singh, Dehradun Road, Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property consisting of residential house, double storeyed including servant quarters and garage situated at 21, New Cantonment Road, Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 1,50,000/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 1st Sept. 1975.

Seal :

FORM TTNS

(1) ~~Shri Parshotam Lal Kohli~~ S/o Shri Jai Kishan Lal R/o 6, Saket, Civil Lines, Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri ~~Mitharaj Singh~~ S/o Shri Umrao Singh R/o Abu Lane, Meerut Cantt.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPURObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 1st September 1975

Ref. No. 153/Acq/Meerut/74-75/1153.—Whereas, I,  
F. J. Bahadur,being the competent authority under section 269B of the  
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred  
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. As per schedule situated at As per schedule  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-  
tering Officer at  
Meerut on 16-1-75for an apparent consideration which is less than the fair market  
value of the aforesaid property and I have reason to believe  
that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the Official  
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in  
respect of any Income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957).Immovable house property, single storeyed situated at 6,  
Saket, Civil Lines, Meerut transferred for an apparent  
consideration of Rs. 1,90,000/-.F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
KanpurNow, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the fol-  
lowing persons, namely :—Date: 1st Sept. 1975.  
Sd/-

## FORM ITNS

(1) Shri ~~Dinarsi~~ Das S/o Nandamal, Shamli, P.O. Shamli, Pargana Shamli, Distt. Muzaffarnagar.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shrimati Brahmawati Devi W/o Gopi Chand R/o Shamli, Distt. Muzaffarnagar Vill. Jhal.  
2. Shri Inderpal S/o Sahajram R/o 3. Smt. Shanti Dist. Muzaffarnagar. 3. Smt. Shanti Devi W/o Nain Singh R/o Shamli, Distt. Muzaffarnagar.  
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 1st September 1975

Ref. No. 91/Acq/Kanra/74-75/1155.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Shamli Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanra on 12-6-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Immovable property (plot) with compound wall on Shamli Budhana Road transferred for an apparent consideration of Rs. 48,000/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Kanpur.

Date : 22-8-75.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Salish Kumar S/o Lala Kanta Prasad R/o D/31, Model Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Banwari Lal Gupta S/o Lala Murari Lal Gupta R/o 136 and 137, Gupta Bhawan, Bhola Nath Nagar, Shahdara Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 1st September 1975

Ref. No. 103/Acq/Ghaziabad/75-76/1156.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 20-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property, Plot Nos. 29, 30, 49, 50, 55, 56 to 58, 65 to 69, Khasra No. 1359 and Plot Nos. 129, 130, 132 and 133, Khasra No. 1357/3 situated at Rishi Market Colony, Vill. Launi, Distt. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 46,000/-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Kanpur

Date : 1st Sept. 1975.

Seal :



FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st September 1975

Ref. No. 38/Acq/Ghaziabad/75-76/1157.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 6-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Shri Som Dutt Takiyar S/o Shri M. R. Takiyar  
C/o Tubewell Wireknitting Company, Delhi Gate,  
Ghaziabad, Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Shrimati Usha Rani W/o Shri Subhash Chand  
R/o 57, East-rightganj, Ghaziabad, Pargana Launi,  
Teh. Ghaziabad Distt. Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property, residential plot No. KF/35, Block 'F' measuring 864.17 Sq. Yds. situated at Kabinagar, Ghaziabad, Distt. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 38,023.48.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 1st Sept. 1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 23rd August 1975

Ref. No. 165/Acq/Ghaziabad/75-76/1158.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 27-5-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri A. L. Saxena S/o Jiwan Sahai Saxena R/o Bharatpur, Rajasthan. 2. Sri Ramesh Kumar Saxena S/o A. L. Saxena R/o Bharatpur, Rajasthan. 3. Sri Rajesh Kumar Saxena S/o A. L. Saxena R/o Bharatpur, Dist. Bombay.

(Transferor)

(2) Shri Uttam Chand S/o Shri Moha Ram, 133, Chandra-puri, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property, Plot No. A-31, Area 1422.22 Sq. Yds. situated at Kabinagar Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 49,777-70.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range,  
Kanpur

Date: 23rd August 1975.

Seal:

## FORM ITNS

(1) Shri Raj Kumar S/o Lala Kanta Prasad R/o D/31, Model Town, Delhi. Present Res. 8-B, Gujranwala Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Behari Lal Gupta S/o Lala Murari Lal Gupta R/o 136 & 137, Gupta Bhawan, Bholanath Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd August 1975

Ref. No. 104/Acq/Ghaziabad/75-76/1159.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 21-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Immovable property (Plot Nos. 155 to 161 measuring 200 sq. yds. each Khasra 1357/3 and Plot Nos. 168, 169, 175, 176, 185, and 186, measuring 233 sq. yds. each Khasra No. 1357/2 situated at Rishi Market Colony, Vill. Launi, Pargana Launi, Teh. Ghaziabad, Dist. Meerut transferred for an apparent consideration of Rs. 39,000/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Kanpur,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 22nd August 1975.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1975

Ref. No. P.R. No. 236Acq.23/391/19-8/75-76.—Whereas, I, P N Mittal,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs .25,000/- and bearing No. S. No. 190 Paiki open land 7733 S. Yds. situated at Udhna, Tal. Choryasi, Dist. Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-1-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandulal Manilal Bastawala,  
Shri Sandeep Chandulal (Minor) Bastawala,  
through guardian, Karta of family  
Smt. Vasantiben Pramodkumar, Surat.  
(Transferor)

(2) Shri Purshottamdas Pranjivandas;  
Shri Kanaiyalal Pranjivandas;  
Smt. Hansaben Purshottamdas;  
Smt. Kantaben Chandrakant;  
Smt. Ramaben Ishverlal;  
Smt. Taraben Kanaiyalal;  
Smt. Vasantiben Pramodkumar, Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 190 Paiki admeasuring 7733 S. Yds. situated at Udhna Taluka Choryasi Dist. Surat as fully described in sale deed registered under No. 194 on 17-1-75 by Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 29th August, 1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD.  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 29th August 1975

Ref. No. P.R. No. 237/Acq.23/291/19-8/75-76.—Whereas, I, P N Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 190 Paiki open land 7733 Sq. Yds. situated at Udhna, Tal. Choryasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-1-75 for an apparent, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

57—266GI/75

- (1) Shri Vithaldas Manilal Bastawala,  
Shri Pranaokumar Vithaldas (Minor)  
through guardian and Karta of family  
Shri Vithaldas Manilal Bastawala, Bombay.  
(Transferor)
- (2) Shri Chandrakant Pranjivandas,  
Shri Ishwerlal Pranjivandas;  
Shri Dineshkumar Pursottamdas (Minor)  
Shri Pradeepkumar Pursottamdas (Minor),  
through their guardian Purshottamdas Pranjivandas  
Shri Anilkumar Chandrakant (Minor) Surat  
through guardian Chandrakant Pranjivandas,  
Shri Ashokkumar Ishwerlal (Minor)  
through guardian Ishwerlal Pranjivandas.  
Shri Kirankumar Ishwerlal (Minor)  
through their guardian Pursottamdas Pranjivandas  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 190 Paiki, admeasuring 7732 Sq Yds. situated at Udhna, Taluka Choryasi, Dist. Surat as fully described in sale deeds registered under No. 47 on 6-1-75 by Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 29-August, 1975,

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 29th August 1975

Ref. No. P.R. No. 238/Acq.23/391/19-8/75-76.—Whereas, I, P N Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 190 Paiki open land admeasuring 6600 Sq. Yds. situated at Udhna, Tal. Choryasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 27-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Natvarlal Manilal Bastawala,  
Shri Sunilkumar Natvarlal (Minor)  
Shri Nileskumar Natvarlal (Minor)  
through their guardian and as Karta of family  
Shri Natvarlal Manilal Bastawala, Surat.  
(Transferor)

(2) Shri Pramodkumar Pranjivandas;  
Shri Sureshkumar Pranjivandas;  
Shri Narendrakumar Pranjivandas;  
Smt. Bhartiben Sureshkumar;  
Shri Manojkumar Kanaiyalal (Minor);  
Shri Pareshkumar Kanaiyalal (Minor);  
Shri Atulkumar Kanaiyalal (Minor);  
through their guardian and as Karta of family  
Shri Kanaiyalal Pranjivandas, Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 190 Paiki admeasuring 6600 Sq. yds. situated at Udhna Taluka Choryasi, Dist Surat as fully described in sale deed registered under No. 246 on 21-1-1975 by Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date : 29th August, 1975.  
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 29th August 1975

Ref. No. P.R. No. 239.Acq.23/391/19-8/75-76.—Whereas, I, P N Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S.No. 190 Paiki open land 7733 Sq. Yds. situated at Udhna, Tal. Choryasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 21-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Chandulal Manilal Bastawala,  
Shri Sandeep Chandulal (Minor) Bastawala  
through guardian, Karla of family  
Shri Chandulal Manilal Bastawala, Surat.  
(Transferor)

(2) Shri Purshottamdas Pranjivandas;  
Shri Kanaiyalal Pranjivandas;  
Smt. Hansaben Purshottamdas;  
Smt. Kantuben Chandrakant;  
Smt. Ramaben Ishwerlal;  
Smt. Taraben Kanaiyalal;  
Smt. Vasantiben Pramodkumar, Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 190 Paiki admeasuring 7732 Sq. yds. situated at Udhna Taluka Choryasi, Dist. Surat as fully described in sale deeds registered under No. 245 on 21-1-1975 by Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date : 29th August, 1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 29th August 1975

Ref. No. P.R. No. 240, Acq.23/391/19-8/75-76.—Whereas, I, P N Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 190 Paiki open land 7733 S. Yds. situated at Udhna, Tal. Choryasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 7-1-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vithaldas Manilal Bastawala,  
Shri Pranaokumar Vithaldas (Minor)  
through guardian and Karta of family,  
Shri Vithaldas Manilal Bastawala, Bombay.  
(Transferor)
- (2) Shri Chandrakant Pranjivandas  
Shri Ishwarlal Pranjivandas  
Shri Dineshkumar Purshottamdas (Minor)  
Shri Pradipkumar Purshottamdas (Minor)  
through : their guardian Purshottamdas Pranjivandas;  
Shri Anilkumar Chandrakant (Minor)  
through : guardian Chandrakant Pranjivandas  
Bastawala.  
Shri Ashokkumar Ishverlal (Minor);  
Shri Kirankumar Ishverlal (Minor);  
through : Their guardian Ishverlal Pranjivandas.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever periods expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 190 Paiki admeasuring 7733 S. Yds. situated at Udhana Taluka Choryasi, Dist. Surat as fully described in sale deed registered under No. 64 on 7-1-1975 by Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-II,  
Ahmedabad

Date : 29th August, 1975.  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380-009

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1975

Ref. No. P.R. No. 241/Acq.23-458/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 61 paiki, 61-A paiki and 61-B paiki and Nondh No. 252, 253 & 254 paiki, Muni, Ward No. 13, situated at Ghod-dhod Road, Athwa, Tal. Chorasi, Dist. Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 24-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Abulibhai Asgarbhai;  
2. Haiderbhai Asgarbhai;  
3. Zakirbhai Asgarbhai;  
4. Shirinbai Asgarbhai;  
5. Ninabai Asgarbhai;  
6. Nargisbai Asgarbhai;  
7. Isuf Ibrahim  
8. Mutahir Ibrahim.  
9. Azim Ibrahim  
10. Mohmed Ibrahim  
11. Khairunbai Ibrahim  
12. Shaherabai Ibrahim  
13. Sakina Ibrahim  
14. Nafisa Ibrahim  
15. Nasima Ibrahim  
16. Zuebbhai Badruddin.  
17. Taherbhai Badruddin.  
18. Begampura, Haiderali Kasamji Street, Surat.  
19. Zulekhabai Badruddin.  
20. Fatemabai Badruddin.  
18. Begampura, Haiderali Kasamji Street, Surat.  
(Transferees)

- (2) S/Shri Chunilal Dahyabhai Patel, Kantilal Chhotubhai Patel, 13, Sarjan Society, Athwa Lines, Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever periods expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Sur. No. 61 paiki, 61-A paiki 61-B paiki and Nondh No. 252, 253 & 254 paiki in Muni. Ward No. 13, admeasuring 1316 sq. yds. described as plot No. 5, situated at Ghod-dhod Road, Athwa, Tal. Chorasi, Dist. Surat as mentioned in the registered deed No. 284 of January, 1975 of Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 1st September, 1975.

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 1st September 1975

Ref. No. P.R. No. 242/Acq.23-393/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal,

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sur. No. 61 paiki, 61-A paiki and 61-B paiki and Nondh No. 252, 253 & 254 paiki, Muni. Ward No. 13, situated at Ghod-dhod Road, Athwa, Tal. Chorasi, Dist. Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 24-1-1975 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Abulibhai Asgarbhai;
  2. Haiderbhai Asgarbhai;
  3. Zakirbhai Asgarbhai;
  4. Shrinbai Asgarbhai;
  5. Nargisbai Asgarbhai;
  6. Nargisbai Asgarbhai;
  7. Isuf Ibrahim
  8. Mutahir Ibrahim;
  9. Azim Ibrahim
  10. Mohmed Ibrahim
  11. Khairunbai Ibrahim
  12. Shuberabai Ibrahim
  13. Sakina Ibrahim
  14. Nafisa Ibrahim
  15. Nasima Ibrahim
  16. Zoebbhai Badruddin.
  17. Taherbhai Badruddin.
  18. Abbas Badruddin.
  19. Zulekhabai Badruddin.
  20. Fatemabai Badruddin.
- 18 Begampura, Haiderali Kasamji Street, Surat.  
(Transferors)

- (2) Shri Amritlal Kanjibhai Patel, &  
Shri Ranjibhai Kanjibhai Patel,  
Orgam, Tal. Bardoli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable, property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Sur. No. 61 paiki, 61-A paiki and 61-B paiki and Nondh No. 252, 253 & 254 paiki in Muni. Ward No. 13, admeasuring 1978 sq. yds. described as plot No. 6, situated at Ghod-dhod Road (Athwa Tal. Chorasi, Dist. Surat as mentioned in the registered deed No. 287 of January, 1975 of Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 1st September, 1975.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1975

Ref. No. P.R. No. 243/Scq.23-459/19-8/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Sur. No. 61 paiki, 61-A paiki and 61-B paiki, and Nondh No. 252, 253 & 254 paiki, Muni, Ward No. 13, situated at Ghod-dhod Road, Athwa, Tal. Chorasi, Dist. Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 24-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax, Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Abulibhai Asgarbhai;  
2. Haiderbhai Asgarbhai;  
3. Zakirbhai Asgarbhai;  
4. Shrinbai Asgarbhai;  
5. Ninabai Asgarbhai;  
6. Narbisbai Asgarbhai;  
7. Isuf Ibrahim  
8. Mutahir Ibrahim;  
9. Azim Ibrahim  
10. Mohmed Ibrahim  
11. Khairunbai Ibrahim  
12. Shaherabai Ibrahim  
13. Sakina Ibrahim  
14. Nafisa Ibrahim  
15. Nasima Ibrahim  
16. Zoebbhahi Badruddin.  
17. Taherbhai Badruddin.  
18. Abbas Badruddin.  
19. Zulekhabai Badruddin.  
20. Fatemabai Badruddin.  
18. Begampura, Haiderali Kasamji Street, Surat.  
(Transferors)

- (2) S/Shri Vallabhbhai Dahyabhai Patei  
Dahyabhai Rambhai,  
13, Sarjan Society, Athwa Lines,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Sur. No. 61 paiki, 61-A paiki and 61-B paiki and Nondh No. 252, 253 & 254 paiki in Muni, Ward No. 13, admeasuring 1590 sq. yds. described as plot No. 4, situated at Ghod-dhod Road (Athwa Tal. Chorasi, Dist. Surat as mentioned in the registered deed No. 286 of January, 1975 of Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 1st September, 1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1975

Ref. No. P.R. No. 244/Acq.23-394/19-7/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 61 paiki, 61-A paiki and 61-B paiki and Nondh No. 252, 253 & 254 paiki, Muni, Ward No. 13, situated at Ghod-dhod Road, Athwa, Tal. Chorasi, Dist. Surat. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 24-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Abulibhai Asgarbhai;  
2. Haiderbhai Asgarbhai;  
3. Zakirbhai Asgarbhai;  
4. Shrinbai Asgarbhai;  
5. Ninabai Asgarbhai;  
6. Narbisbai Asgarbhai;  
7. Isuf Ibrahim  
8. Mutahir Ibrahim;  
9. Azim Ibrahim  
10. Mohmed Ibrahim  
11. Khairunbai Ibrahim  
12. Shaheerabai Ibrahim  
13. Sakina Ibrahim  
14. Nafisa Ibrahim  
15. Nasima Ibrahim  
16. Zocbbhai Badruddin.  
17. Taherbhai Badruddin.  
18. Abbas Badruddin.  
19. Zulekhabai Badruddin.  
20. Fatemabai Badruddin.  
18 Begampura, Haiderali Kasamji Street, Surat.  
(Transferors)

- (2) Shri Kantilal Ghelabhai Patel,  
13, Sarjan Society, Athwa Lines,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Sur. No. 61 paiki, 61-A paiki and 61-B paiki and Nondh No. 252, 253 & 254 paiki in Muni, Ward No. 13, admeasuring 1149 sq. yds. described as plot No. 3, situated at Ghod-dhod Road, Athwa Tal. Chorasi, Dist. Surat, as mentioned in the registered deed No. 285 of January, 1975 of Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 1st September, 1975.

Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1975

Ref. No. P.R. No. 245/Acq.23-460/19-8/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sur. No. 61, paiki, 61-A paiki and 61-B paiki and Nondh No. 252, 253 & 254 paiki, Muni. Ward No. 13, situated at Ghod-dhod Road, Athwa, Tal. Chorasi, Dist. Surat. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 24-1-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

38-266QI/75

- (1) 1. Abulibhai Asgarbhai;  
2. Haiderbhai Asgarbhai;  
3. Zakirbhai Asgarbhai;  
4. Shirinbai Asgarbhai;  
5. Ninabai Asgarbhai;  
6. Nargisbai Asgarbhai;  
7. Isuf Ibrahim  
8. Mutabir Ibrahim;  
9. Azim Ibrahim  
10. Mohmed Ibrahim  
11. Khairunbai Ibrahim  
12. Shaherabai Ibrahim  
13. Sakina Ibrahim  
14. Nafisa Ibrahim  
15. Nasima Ibrahim  
16. Zoebbhai Badruddin.  
17. Taherbhai Badruddin.  
18. Abbas Badruddin.  
19. Zulekhabai Badruddin.  
20. Fatemabai Badruddin.  
18. Begampura, Haiderali Kasamji Street, Surat.  
(Transferors)
- (2) S/Shri Kantilal Dahyabhai Patel,  
Vallabbhai Morarji Patel,  
23, Sarjan Society, Athwa Lines, Surat.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Sur. No. 61 paiki, 61-A paiki and 61-B paiki and Nondh No. 252, 253 & 254 paiki in Muni Ward No. 13, admeasuring 1145 sq. yds. described as plot No. 2, situated at Ghod-dhod Road( Athwa Tal. Chorasi, Dist. Surat as mentioned in the registered deed No. 282 of January, 1975 of Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 1st September, 1975,  
Seal ;

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II  
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,  
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 1st September 1975

Ref. No. P.R. No. 246/Acq.23-395/19-7/74-75.—Whereas,  
I, P. N. Mittal,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

Nq. Sur. No. 61 paiki, 61-A paiki and 61-B paiki and Nondh  
No. 252, 253 & 254 paiki, Adm. 1756 Sq. Yds. in Muni,  
Ward No. 13, situated at Ghod-dhod Road, Athwa, Tal.  
Chorasi, Dist. Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Surat on 24-1-1975

for an apparent consideration which is less than the  
fair market value of the aforesaid property and I have reason  
to believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen percent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

- (1) 1. Abulibhai Asgarbhai;  
2. Haiderbhai Asgarbhai;  
3. Zakirbhai Asgarbhai;  
4. Shirinbai Asgarbhai;  
5. Ninabai Asgarbhai;  
6. Nargisbai Asgarbhai;  
7. Isuf Ibrahim  
8. Mutahir Ibrahim;  
9. Azim Ibrahim  
10. Mohmed Ibrahim  
11. Khairunbai Ibrahim  
12. Shaheerabai Ibrahim  
13. Sakina Ibrahim  
14. Nafisa Ibrahim  
15. Nasima Ibrahim  
16. Zoebbhai Badruddin.  
17. Taherbhai Badruddin.  
18. Abbas Badruddin.  
19. Zulckhabai Badruddin.  
20. Fatemabai Badruddin.  
18, Begampura, Haiderali Kasamji Street, Surat.  
(Transferors)

- (2) Shri Maganbhai Dahyabhai Patel,  
23, Sarjan Society, Athwa Lines,  
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Sur. No. 61 paiki, 61-A  
paiki and 61-B paiki and Nondh No. 252, 253 & 254 paiki in  
Muni, Ward No. 13, admeasuring 1756 sq. yds. described as  
plot No. 1, situated at Ghod-dhod Road, Athwa Tal. Chorasi,  
Dist. Surat as mentioned in the registered deed No. 283 of  
January, 1975 of Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax Acquisition Range-II,  
Ahmedabad.

Date : 1st September, 1975.

Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JULLUNDUR.

Jullundur, the 11th September 1975

Ref. No. AP/1207.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8525, situated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jullundur in January 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Param Prit Singh,  
S/o Sampuran Singh,  
Vill. Garah Vehndu,  
Now 11, Curzon Road,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Lakhpat Rai,  
S/o Jawala Dass,  
Jullundur.

(Transferee)

\*(3) As per S. No. 2

[Person in occupation of the property].

\*(4) Any other person interested in land.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in Regd. Deed No. 8524 of January, 1975 of Registering Authority, Jullundur.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Jullundur.

Date : 11-9-1975.

Seal :

\*[strike off where not applicable]

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## NOTICE

## STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1976

New Delhi, the 4th October 1975

No. F. 13/6/75-E.I.(B).—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in the Services and posts mentioned in para 2 below will be held the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG, TRIVANDRUM and at selected Indian Missions abroad on 23rd March, 1976 in accordance with the Rules published by the Cabinet Sectt. (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms), in the Gazette of India, dated the 4th October, 1975.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 11).

2. The Services and posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services and posts are given below :—

- |  |     |
|--|-----|
| (i) Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers' Sub-cadre);   | 5** |
| (ii) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade II (for inclusion in the select list of the Grade);<br>(Includes 5 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 2 vacancies for Scheduled Tribes candidates)   | 30  |
| (iii) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade II;   | 5** |
| (iv) Posts of Stenographers in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service. | *   |
- \*Vacancies not intimated by Government.  
\*\*The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

The above numbers are liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

NOTE.—Some departments/offices of the Government of India making recruitment through this examination will require only English Stenographers and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who

are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Test in English (cf. para-3 of Appendix I to the Rules).

4. A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to do so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts originally indicated by a candidate in his application, would be considered unless such a request is received in the office of the Union Public Service Commission on or before 31st August, 1976.

5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed forms of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted by Money Order to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. The name of the candidate with his address and the name of the examination should be written in block capitals on the Money Order Coupon. Postal orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. *This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.*

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1976. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1976 WILL NOT BE ENTERTAINED.

6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 17th November, 1975 (1st December, 1975 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 17th November, 1975), accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

7. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

8. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI,  
Deputy Secretary,  
Union Public Service Commission

## ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.



2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January 1964, but before 25th March, 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-Serviceman as defined below.

'Ex-Serviceman' means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz. Naval Officers or Air Forces of the Union) including the Armed Forces of former Indian States but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineer Force, Jammu & Kashmir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation as on 17th November, 1975, and—

(i) has been released, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or has been transferred to the reserve pending such release, or

(ii) has to serve for not more than six months as on 17th November, 1975 for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid.

3. A refund of Rs. 3.00 (Re. 1.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

## ANNEXURE II

### INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 5 of the Notice. *Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.*

**BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.**

A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad and exercising the option to answer paper (ii) Essay and paper (iii) General Knowledge, and take the Stenography Tests in Hindi in terms of para 3 of Appendix I to the Rules, may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

2. (i) The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

**NOTE.—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 8 OF THE APPLICATION FORM THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPERS ON ESSAY AND GENERAL KNOWLEDGE AND TAKE THE STENOGRAPHY TESTS, VIDE PARAGRAPH 3 OF APPENDIX I TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPERS WILL BE ANSWERED AND THE SHORTHAND TESTS TAKEN IN ENGLISH.**

(ii) The completed application form, and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

*No application, received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.*

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 17th November, 1975.

Persons already in Government Service whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee will be considered provisionally but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application alongwith the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's Office on or before the closing date, the application submitted by him through the Head of his Department or Office if received in the Commission's Office after the closing date will not be considered.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/Certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable (See para 5 below).

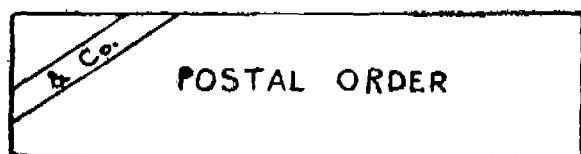
**NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR SHORTHAND TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF**

THE WRITTEN EXAMINATION, THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JUNE 1976. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5 :—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—*

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—*

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

**NOTE :—**Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 12.00, Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country, who should be asked to credit the amount to the account head "051, Public Service Commission—Examination fees." The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

**NOTE 1.**—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL LEAVING CERTIFICATE NEED SUBMIT AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF ONLY THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

**NOTE 2.**—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

**NOTE 3.**—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised school preparing students for the Indian School Certificate examination, (iii) the higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of age in the form prescribed under Note 3 below para 3(iii) from the Principal/Headmaster of the school concerned and no other certificate as evidence of age will be required.

**NOTE 4.**—In the case of candidates who are already in permanent Government Service the entries in their Service Book may be accepted as proof of the date of birth and educational qualification.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

**NOTE 1.**—A candidate who has appealed at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will **NOT** be eligible for admission to the Commission's examination.

**NOTE 2.**—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of the only page containing entries regarding the result of the S.S.L.C. examination.

**NOTE 3.**—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or

(iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below from the Principal/Headmaster of the school concerned.

The form of certificate to be produced by the candidate, [cf. Note 3 under para 3(ii) and Note 3 above].

This is to certify that

(1) Shri/Shrimati/Kumari\* ——— son/daughter\* of Shri ——— has passed ——— class of this school, which is the penultimate class of the course for Higher Secondary School/Indian School Certificate Examination/Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry/Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic\*.

(2) His/Her\* date of birth as recorded in the Admission Register of this School is ———

This has been verified from the Transfer Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his/her\* admission to the school\*.

(Signature of Headmaster/Principal\*)

(Name of the School)

Date ———

Place ———

\*Strike out whichever is not applicable.

(iv) *Two copies of photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district, in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

*The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.*

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari\* ——— son/daughter\* of ——— of village/town\* ——— in District/Division\* ——— of the State/Union Territory\* of ——— belongs to the ——— Caste/Tribe\* which is recognised as a Scheduled Caste/Scheduled Tribe\* under the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; (as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act 1971)\*

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956\*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order 1962\*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order 1962\*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964\*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968\*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968\*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970\*

2. Shri/Shrimati/Kumari\* ——— and/or\* ——— his/her\* family ordinarily reside(s) in village/town\* ——— of ——— District/Division\* of the State/Union Territory\* of ———

Signature ———

†Designation ———

(with seal of office)

State/Union Territory\*

Place ———

Date ———

\*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

†Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/\*\* Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

\*\* (Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(C) (ii) or 6(C) (iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971:—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(C)(v) or 6(C)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(C)(viii) or 6(C)(ix) should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania claiming age concession under Rule 6(C)(vii) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(C)(x) or 6(C)(xi) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(C)(xii) or 6(C)(xiii) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director-General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Border

Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

(vii) A candidate from the former Portuguese territories of Goa, Daman and Diu claiming age concession under Rule 6(C)(iv) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim :—

1. Director of Civil Administration.

2. Administrators of the Concelhos.

3. Mamlatdars.

6. An ex-serviceman seeking remission of fee under para 2 of Annexure I should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force Naval authorities as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Cabinet Secretariat (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlets containing rules and question paper of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi (110006), and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C Block' Baba Kharag Singh Marg, New Delhi (110001), (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi (110001) and (iii) the Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

13. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

14. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHIAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

<sup>19f</sup>

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

(4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

(5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—Communications not containing the above particulars may not be attended to.

15. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

